ललितपुर ■ सोमवार 02 दिसम्बर 2024 ■ वर्ष -19 ■ अंक-143 ■ पृष्ठ-16 ■ मूल्य-₹03

जनता के साथ जनता की आवाज

दैनिक सत्ता सुधार

पेज 09 तापशी ने शाहरुख के व्यक्तित्व पर की बात...

पेज 15 ऑस्ट्रेलिया पीएम एकादश पर भारी पड़ी...

ब्रीफ न्यूज

दिल्ली में कांग्रेस से गठबंधन नहीं, आप अकेले चुनाव लड़ेगी

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने रविवार को कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव आप अकेले अपने दम पर लड़ेगी। कांग्रेस पार्टी के साथ कोई गठबंधन नहीं होगा। दिल्ली में विधानसभा का कार्यकाल 23 फरवरी को खत्म हो रहा है। यानी अगले साल जनवरी में किसी भी समय विधानसभा चुनाव की घोषणा हो सकती है। फरवरी में चुनाव होंगे और नई सरकार का गठन होगा। लोकसभा चुनाव से पहले आप और कांग्रेस विपक्षी गठबंधन इंडिया का हिस्सा हैं।

जय शाह ने संभाला आईसीसी चेयरमैन का पद

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सचिव जय शाह ने इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल का चेयरमैन पद संभाल लिया है। न्यूजीलैंड के ग्रेग बार्कले की जगह लेने वाले 36 साल के जय शाह आईसीसी के सबसे कम उम्र के चेयरमैन बन गए हैं। आईसीसी ने सोशल मीडिया पोस्ट में इस बात की जानकारी दी। संस्था ने रविवार को लिखा- आईसीसी चेयरमैन के तौर पर जय शाह का कार्यकाल शुरू होने के साथ ग्लोबल क्रिकेट का नया चैप्टर शुरू हुआ है।

कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 16.50 रुपए तक महंगा

नई दिल्ली। एक दिसंबर 2024 से 19 किलो वाला कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 16.50 रुपए तक महंगा हो गया है। दिल्ली में अब ये 1818.50 रुपए का मिलेगा। एक महीने पहले भी इसके दाम 62 रुपए बढ़ाकर 1802 रुपए कर दिए गए थे। वहीं फ्री आधार अपडेट की डेडलाइन इस महीने खत्म हो रही है। इसके अलावा मैसेज ट्रेसेबिलिटी नियम लागू किए जा रहे हैं। वहीं जेट फ्यूल 1,274 रुपए तक महंगा होने से हवाई सफर महंगा हो सकता है।

लैंडिंग से पहले तूफानी हवाओं में फंसा विमान

नई दिल्ली। तमिलनाडु-पुदुचेरी के तटों से फेंगल तूफान टकराया। तमिलनाडु के कई शहरों में लगातार बारिश हो रही है।तूफान का असर विमानों पर भी पड़ा है। इस बीच एक विमान का वीडियो सामने आया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि विमान लैंडिंग की कोशिश करता है, लेकिन विपरीत परिस्थितियों के कारण वह हवा में ही हिचकोले खाने लगा।

योगी से चर्चा कर बुलडोजर खरीद लाएं सीएम धामी

उत्तरकाशी। उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी यूपी के सीएम योगी से बुलडोजर खरीद कर लाएं। उत्तराखंड के सीएम को योगी से चाय पर चर्चा करने की जरूरत है। धामी को उत्तराखंड में बुलडोजर चलवाकर लव और लैंड जिहादियों को सबका सिखाने की जरूरत है। यह बात हैदराबाद से भाजपा विधायक टी राजा ने कही। उत्तरकाशी के रामलीला मैदान में हिंदू महापंचायत का आयोजन किया गया था।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा-भारत अब लेने नहीं, देने वाला देश...

देश में चिकित्सा शिक्षा-स्वास्थ्य सुविधाओं में मध्यप्रदेश अव्वल

- सीएम बोले-एड्स की जंग को जीतने में हर वर्ग सक्रियता से करें सहयोग
- पीएम मोदी के नेतृत्व में एड्स के खिलाफ एकजुट होकर जारी है लड़ाई

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम का लक्ष्य वर्ष-2030 तक पूरा करेंगे

- देश ने स्वास्थ्य सेवाओं, इलाज, चिकित्सा शिक्षा में बनाई नई पहचान
- केंद्रीय मंत्री ने मप्र की चिकित्सा शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाओं को सराहा
- आयुष्मान के संचालन और स्वास्थ्य सेवाओं में मप्र देश में सबसे आगे

सत्ता सुधार ■ इंदौर

पीएम मोदी के नेतृत्व में एड्स के खिलाफ भारत में एकजुट होकर लड़ाई लड़ी जा रही है। आशातीत सफलता भी मिल रही है। देश में एचआईवी/एड्स नियंत्रण के तेजी से प्रयास किए जा रहे हैं। सार्थक परिणाम भी मिल रहे हैं। एचआईवी/एड्स प्रभावितों के अधिकारों की रक्षा की जा रही है। उन्हें समाज की मुख्य धारा से जोड़ा जा रहा है। केन्द्र द्वारा 2017 से एचआईवी एड्स नियंत्रण के लिए तेजी से प्रयास शुरू किए गए हैं। यह बात केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने रविवार को इंदौर में विश्व एड्स दिवस पर आयोजित राष्ट्रीय समारोह के दौरान कही। इस दौरान मप्र के सीएम, दोनों उप-मुख्यमंत्री और भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष भी मौजूद रहे। नड्डा ने कहा कि लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सभी का सहयोग जरूरी है। एचआईवी प्रभावितों को मौलिक अधिकारों के साथ उन्हें मानव अधिकार भी प्राप्त हो। किसी भी तरह का भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए। हमें उनके अधिकारों का सम्मान करते हुए उन्हें भी वहीं मान-सम्मान देना चाहिए, जो अन्य सामान्य व्यक्ति को हम देते हैं, जिससे वे सामान्य जीवन जी सकें।

नड्डा-मोहन ने हुनर हॉट में लाभार्थियों द्वारा बनाई गई सामग्री भी खरीदी

2030 तक एड्स का होगा खात्मा

नड्डा ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा एचआईवी/एड्स से प्रभावित लोगों की संख्या में कमी लाने और मौत की संख्या को कम करने के लिए सतत विकास लक्ष्य तय किए हैं। यह लक्ष्य 2030 तक पूर्ण कर लिया जाएगा। मैं समाज के सभी वर्गों से आह्वान करता हूं कि इस दिशा में लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए पुनः संकल्प बद्ध होकर नई ऊर्जा और नई स्फूर्ति से जुट जाएं। भारत ने स्वास्थ्य सेवाओं, इलाज, चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में विश्व में नई पहचान कायम की है।

मप्र में और खुलेंगे मेडिकल कॉलेज

केंद्रीय मंत्री ने स्वास्थ्य सेवाओं और चिकित्सा शिक्षा के विस्तार की दिशा में मध्यप्रदेश की सराहना करते हुए कहा कि यह प्रदेश देश में इस क्षेत्र में अव्वल है। मध्यप्रदेश में तेजी से नए मेडिकल कॉलेज खोले गए हैं। आगे भी नए मेडिकल कॉलेज खोले जाएंगे। भोपाल में एम्स की स्थापना भी की गई है। मेडिकल कॉलेजों में सीटों की संख्या बढ़ाई गई है। आयुष्मान भारत योजना के क्रियान्वयन में भी मध्यप्रदेश देश में सबसे आगे है।

2028 तक प्राप्त करेंगे वैश्विक लक्ष्य

मप्र के सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि इस आयोजन से समुदायों, युवाओं, लाभार्थियों और विभिन्न संगठनों को एक साथ लाकर 2030 तक एचआईवी एड्स को समाप्त करने के वैश्विक लक्ष्य को प्राप्त करने, चुनौतियों का समाधान करने में मददगार होगा। हमारा प्रयास होगा की यूएन की थीम, टेक द राइट्स पाथ के अनुरूप कार्य कर 2028 तक वैश्विक लक्ष्य को प्राप्त किया जाए। ऐसे कार्यक्रमों से समाज में जागरूकता आएगी। एड्स की जंग में संघर्ष करने में मदद मिलेगी। समाज को साथ में लाकर एचआईवी/एड्स के खिलाफ जंग में जागरूकता लाई जाएगी। सीएम मेडिकल कॉलेज खोलने की प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए केन्द्र सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरलीकृत व्यवस्था से प्रदेश में मेडिकल कॉलेज खोलने के कार्य को नयी गति मिली है। अब प्रदेश में तेजी से नए मेडिकल कॉलेज स्थापित हो रहे हैं। चिकित्सा शिक्षा के साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार भी तेजी से किया जा रहा है। प्रदेश में एलोपेथिक के साथ ही अन्य चिकित्सा पद्धतियों से उपचार को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है।

सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा, तेजी से खुल रहे मेडिकल कॉलेज

स्वर्णिम सिंधु

महिला डबल्स में पहली बार भारत ने जीता गोल्ड

सिंधु ने जीती सैयद मोदी बैडमिंटन चैम्पियनशिप

लखनऊ। लखनऊ में चल रहे सैयद मोदी इंटरनेशनल सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की स्टार महिला खिलाड़ी पीवी सिंधु का फाइनल मुकाबले में भी एकतरफा प्रदर्शन देखने को मिला है। सिंधु ने एक दिसंबर को हुए फाइनल मुकाबले में चीन की प्लेयर लुओ यू वू के खिलाफ सीधे सेटों में जीत दर्ज करने के साथ गोल्ड मेडल को अपने नाम किया। सिंधु ने तीसरी बार अपने करियर में सैयद मोदी इंटरनेशनल टूर्नामेंट के टाइटल को अपने नाम किया है। सिंधु ने फाइनल मुकाबले के पहले सेट से ही चीन की प्लेयर लुओ यू वू पर अपना दबाव बनाकर रखा जिसमें उन्होंने इसे 21-14 से अपने नाम किया। इसके बाद दूसरे सेट में भी सिंधु ने अपने इस बेहतरीन प्रदर्शन को जारी रखते हुए उसे 21-16 से जीता।

1.82 लाख करोड़ का हुआ जीएसटी संग्रह

नवंबर में मालामाल हुआ सरकारी खजाना

नई दिल्ली। दिसंबर की शुरुआत हो चुकी है और मोदी सरकार के लिए महीने की पहली तारीख को गुड न्यूज आई है। पहली तारीख को ही सरकार ने नवंबर में माल एवं सेवा कर यानी जीएसटी कलेक्शन का डाटा जारी कर दिया है। आंकड़ों के मुताबिक, नवंबर महीने में जीएसटी कलेक्शन 8.5 प्रतिशत बढ़ा है और सरकारी खजाने में 1.82 लाख करोड़ आए हैं, जबकि एक साल पहले की समान अवधि में ये 1.68 लाख करोड़ था। वहीं इससे पहले अक्टूबर महीने में सरकार को जीएसटी कलेक्शन से बड़ी रकम मिली थी और ये रिकॉर्ड 1.87 लाख करोड़ रहा था। वहीं सितंबर 2024 में महीने में ये आंकड़ा 1.73 लाख करोड़ था।

सिवनी में पलटी एंबुलेंस, चार लोगों की मौत

एंबुलेंस आंध्र प्रदेश से जा रही थी बिहार के पश्चिमी चंपारण

- हादसा जबलपुर-नागपुर राजमार्ग पर हुआ
- पांच घायलों को पुलिस ने पहुंचाया अस्पताल

सत्ता सुधार ■ सिवनी

मध्य प्रदेश के सिवनी जिले में बड़ा हादसा हुआ है। यहां एंबुलेंस पलटने से चार लोगों की मौत हो गई और पांच लोग घायल हैं। जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद जबलपुर रेफर कर दिया गया है। हादसे के बाद से घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। हादसा धूमा पुलिस थाना क्षेत्र में जबलपुर-नागपुर राजमार्ग पर हुआ है। एंबुलेंस आंध्र प्रदेश के कुरनूल से बिहार के पश्चिमी चंपारण जा रही थी। एक पैदल यात्री को टक्कर मारने के बाद एंबुलेंस खंभे से टकराकर पलट गई। एसडीओपी अपूर्व भलावी ने बताया कि एंबुलेंस आंध्र प्रदेश के कुरनूल से अनीश शाह (18) नाम के एक घायल व्यक्ति को बिहार के पश्चिमी चंपारण जिले में स्थित उसके पैतृक गांव ले जा रही थी। एंबुलेंस में दो चालक और उसके छह रिश्तेदार सवार थे। रास्ते में एंबुलेंस ने पैदल यात्री रंगलाल कुलस्ते को टक्कर मार दी। इसके बाद अनियंत्रित होकर एक खंभे से टकराकर पलट गई। हादसे में प्रतिमा शाह (35), प्रिंस शाह (4), मुकेश शाह (36) और सुनील शाह (40) की जान गई है।

महाराष्ट्र के नए सीएम के नाम की घोषणा आज! शिंदे बोले

हमारी सरकार के काम इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखे जाएंगे

व्यस्त चुनावी कार्यक्रम के बाद सतारा आराम करने आया था

एजेंसी ■ सतारा

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव परिणाम के बाद से ही मुख्यमंत्री के नाम पर मंथन जारी है। कौन होगा महाराष्ट्र का अगला मुख्यमंत्री के लिए महाराष्ट्र से लेकर दिल्ली तक कई बैठकों के दौर हो चुके हैं। रविवार को महाराष्ट्र के सतारा में कार्यवाहक सीएम एकनाथ शिंदे ने बता दिया कि महाराष्ट्र के नए मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा सोमवार को हो जाएगी। एकनाथ शिंदे ने कहा कि मैं अब ठीक हूं। व्यस्त चुनावी कार्यक्रम के बाद मैं यहां आराम करने आया था। मैंने सीएम के तौर पर अपने 2.5 साल के कार्यकाल में कोई छुट्टी नहीं ली। लोग मुझसे मिलने के लिए यहां आते हैं। इसी वजह से मैं बीमार भी हो गया। हमने हमेशा लोगों की बात सुनी, यह सरकार भी लोगों की बात सुनेगी।

पीएम के फैसले का समर्थन

एकनाथ शिंदे ने कहा कि मैंने पार्टी नेतृत्व को बिना शर्त समर्थन दिया है और मैं उनके फैसले का समर्थन करूंगा। पिछले 2.5 सालों में हमारी सरकार के काम इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखे जाएंगे। यही वजह है कि लोगों ने हमें ऐतिहासिक जनादेश दिया है और विपक्ष को विपक्ष का नेता चुनने का मौका नहीं दिया। सीएम उम्मीदवार का फैसला सोमवार को होगा और पांच दिसंबर को शपथ ग्रहण समारोह होगा।

चिंता संघ प्रमुख मोहन भागवत ने जनसंख्या में कमी पर जताई चिंता कहा- वृद्धि दर 2.1 से नीचे तो समाज नष्ट हो जाएगा

समाज को जिंदा रखने दो की बजाय पैदा करें तीन बच्चे

- संघ प्रमुख ने लोकसंख्या शास्त्र का हवाला दिया
- इस तरह से कई भाषाएं और समाज नष्ट हो गए

एजेंसी ■ नागपुर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने जनसंख्या में कमी को चिंता का विषय बताया। भागवत ने कहा कि अगर किसी समाज की जनसंख्या वृद्धि दर 2.1 से नीचे चली जाती है, तो वह समाज अपने आप नष्ट हो जाएगा। भागवत रविवार को नागपुर में कठले कुल सम्मेलन में एक सभा में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि कुटुंब समाज का हिस्सा है और हर परिवार एक इकाई है। लोकसंख्या शास्त्र कहता है कि अगर इस आकड़े से नीचे जाते हैं, तो समाज नष्ट हो जाता है। देश की जनसंख्या नीति 1998-2002 में तय की गई थी। उसके मुताबिक वृद्धि दर 2.1 से नीचे नहीं होनी चाहिए। इसके लिए दो की बजाय तीन बच्चे पैदा करें। यह संख्या इसलिए जरूरी है, ताकि समाज जिंदा रहे। अगर जनसंख्या वृद्धि दर घटी तो समाज लुप्त हो जाएगा।

जनसंख्या नियंत्रण नीति की जरूरत

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने एक साल बाद फिर कहा कि एक व्यापक जनसंख्या नियंत्रण नीति की जरूरत है। जो सभी पर बराबरी से लागू होती हो। जनसंख्या असंतुलन पर हमें नजर रखनी होगी। जब सभी पर बराबरी से एक नीति लागू होगी तो किसी को भी रियायतें नहीं मिलेंगी। कुछ साल पहले फर्टिलिटी रेट 2.1 था। दुनिया की आशंकाओं से उलट हमने बेहतर किया और इसे 2 तक लेकर आए। लेकिन और नीचे आना खतरनाक हो सकता है।

फिर छिड़ी बहस

संघ प्रमुख का यह बयान ऐसे समय आया है जब देश में जनसंख्या कानून लाने की मांग उठ रही है। साथ ही पिछले दिनों भारत ने आबादी के मामले में चीन को पीछे छोड़ दिया है। बहरहाल, संघ प्रमुख के इस बयान पर देश में एक बार फिर बहस छिड़ गई है। कुछ लोगों का कहना है कि भारत में पहले ही जनसंख्या विस्फोट हो चुका है। ऐसे में ज्यादा बच्चे ठीक नहीं। वहीं हिंदुओं का एक धड़ा कहता है कि भारत में मुस्लिम आबादी तेजी से बढ़ रही है, जबकि हिंदू कम संतानें पैदा कर रहे हैं। इस तरह हिंदू खतरे में है और उन्हें ज्यादा बच्चे पैदा करना चाहिए।

अब छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर ढेर किए गए सात नक्सली

मारे गए नक्सलियों पर घोषित था 46 लाख रुपए का इनाम

ढेर नक्सलियों में 25 लाख का इनामी पापन्ना भी शामिल

एजेंसी ■ जगदलपुर

राज्यों के समन्वय से नक्सलियों के विरुद्ध चलाए जा रहे नक्सल विरोधी अभियान में रविवार की सुबह छत्तीसगढ़-तेलंगाना राज्य की सीमा में मुलगू जिले में हुए पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में ग्रेहाउंड के जवानों को बड़ी सफलता मिली है। मुठभेड़ में 25 लाख के इनामी नक्सली तेलंगाना स्टेट कमेटी सदस्य कुरसम मंगू उर्फ पापन्ना समेत 46 लाख के इनामी सात नक्सलियों को ढेर कर दिया गया है। मारे गए छह नक्सलियों में आठ लाख का इनामी डिविजनल कमेटी सदस्य एगोलापु मल्लैया उर्फ मधु, दो एरिया कमेटी सदस्य मुचाकी देवा व मुचाकी जमुना व तीन अन्य नक्सली शामिल हैं।

हथियार भी मिले- सुरक्षा बल को मुठभेड़ स्थल से दो एक- 47 राइफल, एक जी 3 राइफल, एक इंसास राइफल, एक 303 राइफल, एक सिंगल बैरल ब्रिचलोडर राइफल सहित छह हथियार व गोला बारूद भी मिला है।

ब्रीफ न्यूज

समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी आज से : खाद्य मंत्री

भोपाल। भोपाल। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि खरीफ विपणन मौसम 2024-25 के लिए धान की खरीदी 2 दिसम्बर से शुरू होगी। धान कॉमन का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2300 और धान ग्रेड-ए का 2320 रुपये प्रति क्विंटल है। किसानों की एफएक्यू गुणवत्ता की उपज इन्हीं दरों पर उपार्जित की जाएगी। उन्होंने बताया है कि धान का उपार्जन 2 दिसम्बर से 20 जनवरी 2025 तक किया जाएगा। उपार्जन प्रत्येक सप्ताह के सोमवार से शुक्रवार तक होगा। समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी के बाद भुगतान, कृषक पंजीयन के दौरान आधार नम्बर से लिंक बैंक खाते में किया जायेगा। जिला स्तरीय समिति उपार्जन संबंधी सभी विवादों का अंतिम निराकरण तथा उपार्जित खाद्यान्न की गुणवत्ता की निगरानी करेगी। राज्य स्तर पर एक कंट्रोल-रूम भी स्थापित किया गया है। इसका दूरभाष नम्बर 0755-2551471 है, जो सुबह 9 से रात 7 बजे तक संचालित रहेगा।

मध्यप्रदेश में परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 4 दिसम्बर को

भोपाल। प्रदेश में 4 दिसम्बर को चयनित सेम्पल शालाओं में कक्षा-3, 6 और 9 में पढ़ने वाले विद्यार्थियों का परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण किया जाएगा। रिपोर्ट का केन्द्र सरकार द्वारा नीति निर्धारण में उपयोग किया जाएगा। राज्य शिक्षा केन्द्र ने सर्वेक्षण कार्य में पारदर्शिता रखे जाने के निर्देश दिए हैं। राष्ट्रीय सर्वेक्षण-2024 के संचालन की जिम्मेदारी एनसीईआरटी के पास है, जबकि सीबीएसई को सर्वेक्षण के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी दी गई है। प्रदेश में सर्वेक्षण के सुचारु और निष्पक्ष संचालन के लिये स्कूल शिक्षा विभाग ने स्पेशल ऑब्जर्वर नियुक्त किए हैं। यह ऑब्जर्वर जिला शिक्षा अधिकारी और जिला परियोजना समन्वयक से तालमेल रखकर सर्वेक्षण की व्यवस्था को तय करेंगे।

डॉ. यादव की विदेश यात्रा मप्र में निवेश का नया युग शुरू करेगी: शुक्ल

प्रदेश को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए मुख्यमंत्री संकल्पित

सत्ता सुधार ■ भोपाल

डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल ने मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से सौजन्य भेंट की और उनके सफल ब्रिटेन एवं जर्मनी दौरे के लिए बधाई दी। शुक्ल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव का यह दौरा प्रदेश में निवेश आकर्षित करने और मध्यप्रदेश को वैश्विक निवेश मानचित्र पर स्थापित करने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हुआ है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने निवेशकों को आकर्षित करने के लिए भूमि, बिजली और कर संबंधी सुविधाएं दी हैं। मेडिकल डिवाइस पार्क, स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट्स और उद्योग हब विकसित किए हैं। हर क्षेत्र के विकास के लिए वहां की विशेषताओं और क्षमता का पूरा उपयोग करने की रणनीति बनाई है। डिप्टी सीएम शुक्ल ने विश्वास जताया कि यह यात्रा मध्यप्रदेश में निवेश का नया युग शुरू करेगी। यह प्रदेश की अद्वितीय विकास यात्रा में मील का पत्थर साबित होगी।

डिप्टी सीएम ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश समग्र विकास के मार्ग पर तेजी से अग्रसर है। प्रदेश में क्षेत्रीय क्षमताओं और संसाधनों को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक क्षेत्र के संतुलित विकास के लिए ठोस योजनाएं बनाई जा रही हैं। निवेशकों को आकर्षित करने के लिए राज्य सरकार ने उद्योग-अनुकूल नीतियां लागू की हैं और व्यापार सुगमता (ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस) को प्राथमिकता दी है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव की यह यात्रा इस बात का प्रमाण है कि मध्यप्रदेश आज निवेश के लिए सबसे आकर्षक गंतव्य बन चुका है। हमने न केवल निवेश के लिए अनुकूल वातावरण बनाया है, बल्कि प्रत्येक निवेश प्रस्ताव को रोजगार के नए अवसरों में तब्दील करने का लक्ष्य रखा है। यह प्रदेश की प्रगति को नया आयाम देगा और युवाओं के लिए नए रोजगार सृजित करेगा। मुख्यमंत्री की इस यात्रा के दौरान ब्रिटेन और जर्मनी के विभिन्न निवेशकों और औद्योगिक संगठनों के साथ महत्वपूर्ण बैठकें हुईं। निवेशकों ने मध्यप्रदेश की प्रगतिशील नीतियों, सुदृढ़ बुनियादी ढांचे और उद्योगों के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता की सराहना की।

केंद्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री ने किया लड्डू प्रसाद वेंडिंग एटीएम का शुभारंभ

श्रीमहाकालेश्वर देश का पहला मंदिर जहां श्रद्धालु वेंडिंग एटीएम से ले सकेंगे प्रसाद

■ मंदिर के लड्डू प्रसाद एवं अन्नक्षेत्र को मिली 5-स्टार रेटिंग

■ ऐसी हाईटेक सुविधा देश के किसी अन्य मंदिर में नहीं

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं केंन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जे.पी. नड्डा और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को उज्जैन के श्रीमहाकालेश्वर मंदिर में वैदिक ऋचाओं की गूंज के बीच लड्डू प्रसाद वेंडिंग एटीएम का शुभारंभ किया। इस नवीन आधुनिक तकनीक से श्रद्धालुओं को सुविधाजनक रूप से प्रसाद प्राप्त होगा। उज्जैन का श्रीमहाकालेश्वर मंदिर देश का पहला ऐसा मंदिर है जहाँ श्रद्धालुओं को वेंडिंग एटीएम से प्रसाद लेने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

प्रसाद वेंडिंग एटीएम द्वारा क्यूआर कोड स्कैन कर पेमेंट करते ही प्रसाद के कूप से लड्डू का पैकेट मशीन से बाहर निकलेगा। मंदिर समिति ने कोयंबटूर की 5त्न टेक्नोलॉजी कंपनी से यह ऑटोमेटिक मशीन ली है। इस मशीन से 100 ग्राम, 200 ग्राम और 500 ग्राम लड्डू के पैकेट श्रद्धालु प्राप्त कर सकेंगे। यह हाईटेक सुविधा देश के किसी भी अन्य मंदिर में फिलहाल उपलब्ध नहीं है।

उल्लेखनीय है कि विश्व प्रसिद्ध बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक दक्षिणमुखी भगवान श्रीमहाकालेश्वर मन्दिर प्रबंध समिति द्वारा लड्डू प्रसाद निर्माण इकाई एवं निःशुल्क अन्नक्षेत्र संचालित किया जा रहा है। मंदिर के लड्डू प्रसाद एवं अन्नक्षेत्र में निःशुल्क भोजन प्रसादी को एफएसएसएआई द्वारा 5-स्टार रेटिंग के दर्जे में शामिल कर केन्द्र सरकार द्वारा प्रमाण-पत्र जारी किया जा चुका है। वर्ष 2021 में श्रीमहाकालेश्वर मन्दिर प्रबंध समिति द्वारा लड्डू प्रसाद के क्षेत्र में हाईजीनिक उत्कृष्टता में 5-स्टार रेटिंग प्राप्त की है। मंदिर का निःशुल्क अन्नक्षेत्र हाईजीनिक उत्कृष्टता 5-स्टार रेटिंग प्राप्त करने वाला देश का तीसरा धार्मिक संस्थान है। विगत दिनों भारत सरकार की एफएसएसएआई द्वारा उक्त दोनों इकाइयों का निरीक्षण कर ऑडिट किया गया। मूल्यांकन उपरान्त दोनों इकाइयों को उत्कृष्ट माना गया। श्रीमहाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति को सेफ भोग प्लेस का प्रमाण-पत्र भी प्राप्त है।

इस अवसर पर उज्जैन जिले के प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल, सांसद वीडी शर्मा, सांसद अनिल फिरोजिया, विधायक अनिल जैन कालूखेड़ा, सतीश मालवीय, महापौर मुकेश टटवाल आदि उपस्थित थे।

सीएम ने दीं बीएसएफ के स्थापना दिवस पर बधाई

सीएम डॉ. मोहन यादव ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के स्थापना दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दीं हैं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि जीवन पर्यंत कर्तव्य के वाक्य को चरितार्थ करते हुए सीमा सुरक्षा बल के जवान, विषम परिस्थितियों में देश की सीमाओं की सुरक्षा को समर्पित हैं। साहस, शौर्य, सजगता एवं समर्पण के साथ मातृभूमि की रक्षा के लिए जिन जवानों ने अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया, उन्हें सादर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। वहीं सीएम यादव ने नागालैंड वासियों को राज्य के स्थापना दिवस की बधाई दी है। उन्होंने कहा कि अद्वितीय प्राकृतिक सौंदर्य से समृद्ध और विशिष्ट जनजातीय संस्कृति का संवाहक नागालैंड राज्य अपने अनुपम सौंदर्य और संस्कृति के संरक्षण के साथ निरंतर प्रगति करता रहे तथा नागरिकों के जीवन में खुशहाली आए यही कामना है।

केंद्रीय मंत्री नड्डा और सीएम ने सपत्नीक किए श्रीमहाकालेश्वर के दर्शन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने अपने उज्जैन प्रवास के दौरान दोपहर श्रीमहाकालेश्वर मंदिर पहुंचकर सपत्नीक दर्शन कर पूजन-अभिषेक किया। पूजन अभिषेक पं.श्री राजेश पुजारी, श्री राम पुजारी और श्री आकाश पुजारी द्वारा सम्पन्न कराया गया।

केंद्रीय मंत्री नड्डा और मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सपत्नीक दर्शन-पूजन के बाद नंदीमंडपम् में ध्यान एवं पूजन किया। श्रीमहाकालेश्वर मंदिर की ओर से मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नड्डा को स्मृति-चिन्ह, दुपट्टा और प्रसाद भेंटकर सम्मान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव एवं सांसद वीडी शर्मा को मंदिर समिति की ओर से कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने स्मृति-चिन्ह, दुपट्टा और प्रसाद भेंटकर सम्मान किया। इस अवसर पर उज्जैन जिले के प्रभारी मंत्री श्री गौतम टेटवाल, राज्यसभा सांसद बालयोगी उमेशनाथ महाराज, सांसद अनिल फिरोजिया, विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, समेत जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

नड्डा ने कार्यकर्ताओं की सराहना कर दी बधाई

बूथों का डिजिटलाइजेशन पूरा, संगठन पर्व में इतिहास रचेंगे पार्टी कार्यकर्ता

सत्ता सुधार ■ भोपाल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने मध्यप्रदेश में सभी बूथ समितियों के गठन और सभी बूथों का डिजिटलाइजेशन पूर्ण हो जाने पर प्रदेश के पार्टी कार्यकर्ताओं को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि संगठन पर्व के दौरान प्रदेश के पार्टी कार्यकर्ता नया इतिहास रचने जा रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने संगठन पर्व में कठिन परिश्रम कर रहे पार्टी कार्यकर्ताओं के मार्गदर्शन एवं उत्साहवर्धन के लिए पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया है।

शर्मा ने कहा कि देश में 2 सितम्बर और मध्यप्रदेश में 3 सितम्बर से पार्टी के संगठन पर्व की शुरुआत हुई थी। शुरुआत से ही प्रदेश के कार्यकर्ताओं ने संगठन पर्व के प्रति अभूतपूर्व उत्साह दिखाया। चाहे प्राथमिक सदस्यता की बात हो या सक्रिय सदस्यता की, पार्टी कार्यकर्ताओं ने हर बार लक्ष्य से अधिक काम किया है। प्रदेश के कार्यकर्ताओं एवं पार्टी पदाधिकारियों ने पूरी गुणवत्ता और संपूर्णता के साथ समय सीमा में 100 प्रतिशत बूथ समितियों के गठन को संभव कर दिखाया। ये समितियां सर्वस्पर्शी, सर्वव्यापी और सर्वसमावेशी हैं। इनमें सभी जाति, वर्ग और आयु समूह के लोगों को शामिल किया गया है। सबसे प्रमुख बात यह है कि महिला सशक्तीकरण को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प की पूर्ति में योगदान देते हुए बूथ समितियों में भी 33 प्रतिशत महिला कार्यकर्ताओं को शामिल किया गया है।

उन्होंने कहा कि बूथ समितियों के गठन के साथ ही पार्टी कार्यकर्ताओं ने तमाम परेशानियों के बावजूद 100 प्रतिशत बूथ समितियों के डिजिटलाइजेशन को भी पूरा कर दिखाया, जो एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। पार्टी कार्यकर्ताओं के इन प्रयासों और परिश्रम की राष्ट्रीय अध्यक्षजगत प्रकाश नड्डा ने भी सराहना की है और उन्हें बधाई दी है। शर्मा ने कहा कि प्रदेश में संगठन पर्व अभी जारी है। इस दौरान विभिन्न नवाचारों के जरिए संगठन के रचनात्मक कार्यों को धरातल पर उतारकर हमारे संगठन ने आदर्श स्थापित किए हैं। विभिन्न जिम्मेदारियों को संभाल रहे पार्टी कार्यकर्ताओं तथा पदाधिकारियों के उत्साह से यह स्पष्ट हो चुका है कि इस बार मध्यप्रदेश भाजपा टी हर मापदंड पर शानदार प्रदर्शन करते हुए नया इतिहास रचने जा रही है।

विद्यार्थियों के लिए राज्य स्तरीय स्नेह समावेशी भारत क्विज

396 विजेताओं को मिलेंगे 2,43,500 रुपए के पुरस्कार

सत्ता सुधार ■ भोपाल

विश्व दिव्यांगजन दिवस के उपलक्ष्य में विद्यार्थियों के बीच दिव्यांगजनों के प्रति जागरूकता और समावेशन बढ़ाने के उद्देश्य से राज्य स्तरीय स्नेह समावेशी भारत क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। लायंस की स्थाई परियोजना संस्था स्नेह के संस्थापक डॉ. पंकज मारू ने बताया कि प्रतियोगिता 25 नवंबर से शुरू होकर 2 दिसंबर तक ऑनलाइन चलेगी। मध्यप्रदेश के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के कक्षा 9वीं से 12वीं तक के छात्र इसमें निःशुल्क पंजीयन करवा कर शामिल हो सकते हैं। प्रतियोगिता में शामिल सभी प्रतिभागियों को ऑनलाइन प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाएगा।

प्रतियोगिता में संभाग और राज्य स्तर पर विजेताओं को नकद पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। संभाग स्तर पर प्रथम पुरस्कार 1,000, द्वितीय पुरस्कार (दो विजेता) 500, तृतीय पुरस्कार (तीन विजेता) 300 रुपए है। राज्य स्तर पर प्रथम पुरस्कार 10 हजार, द्वितीय पुरस्कार (दो विजेता) 5 हजार और तृतीय पुरस्कार (तीन विजेता) को 3 हजार रूपये है। राज्यभर के कुल 396 विजेताओं को 2 लाख 43 हजार 500 रुपए की पुरस्कार राशि दी जाएगी।

आयुक्त सामाजिक न्याय डॉ. आरआर भोंसले ने बताया कि यह पहल दिव्यांगजनों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने और छात्रों में समावेशी सोच को प्रोत्साहित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

प्रतियोगिता के नियम

प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को 300 सेकंड में 15 बहुविकल्पीय प्रश्नों का उत्तर देना होगा। उन्हें फिफ्टी-फिफ्टी और प्रश्न परिवर्तन जैसी लाइफलाइन भी दी जाएगी। कम समय में उत्तर देने वाले प्रतिभागियों को बोनस अंक दिए जाएंगे। प्रतिभागी प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए http://snehnagda.org/quiz पर जाकर पंजीकरण कर सकते हैं।

दिव्यांग दिवस पर पूरे प्रदेश में हो कार्यक्रम: मंत्री कुशवाह

भोपाल। सामाजिक न्याय दिव्यांगजन कल्याण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा है कि 3 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस पर पूरे प्रदेश के दिव्यांगों की क्षमताओं और उपलब्धियां का उत्सव मनाते हुए एक समावेशी समाज के निर्माण में प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए कार्यक्रम किए जाएं। उन्होंने कहा कि हम सबको मिलकर सुगम वातावरण निर्माण और आईटीसी पारिस्थितिकी तंत्र को विकसित करने का कार्य करना चाहिए इससे दिव्यांगजनों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आने का मार्ग प्रशस्त होगा। मंत्री कुशवाह ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर राज्य के प्रमुख पर्यटक स्थलों एवं सार्वजनिक स्थान पर दिव्यांगजनों के कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। ऐसे आयोजनों से न केवल समावेशिता को बढ़ावा मिलेगा बल्कि जनता को सुगमता के महत्व के प्रति हम जागरूक भी कर सकेंगे। अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस हमारी समाज के इस वर्ग के प्रति प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करने वाला दिवस है। दिव्यांगजन, समाज की मुख्य धारा से जोड़कर आगे लाना और उनके लिए समान अवसर उपलब्ध कराना हम सब का दायित्व है।

मशीन से स्कैन होंगे वाहन, तत्काल मिलेगी एंट्री

विधानसभा के प्रवेश द्वार पर अब नहीं लगेगी वाहनों की कतार

सत्ता सुधार ■ भोपाल

पुलिस मुख्यालय ने विधानसभा के मुख्य प्रवेश द्वार पर स्कैनर लगा दिया है। जिससे सत्र के दौरान विधायकों को अब प्रवेश द्वार पर वाहन चैकिंग के लिए लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। स्कैनर 10 सेकंड के भीतर वाहन की संपूर्ण जांच करके अंदर जाने की अनुमति देगा। इसी महीने सत्र से स्वचालित यंत्र से वाहनों की जांच होगी।

विधानसभा के प्रमुख सचिव एपी सिंह ने बताया कि सत्र के दौरान माननीयों के वाहनों की जांच स्वचालित मशीन से 10 सेकंड में हो जाएगी। बिना जांच के वाहन अंदन प्रवेश नहीं कर पाएगा। फिलहाल प्रवेश द्वार क्रमांक-1 पर है। बाद में अन्य प्रवेश द्वारों पर यंत्र लगाए जाएंगे। यह व्यवस्था फिलहाल प्रवेश द्वार क्रमांक-1 पर शुरू की गई है। बाद में अन्य प्रवेश द्वारों पर भी यह स्वचालित यंत्र लगाए जाएंगे। विधानसभा सत्र के दौरान लगभग सभी विधायक प्रवेश द्वार क्रमांक एक से दाखिल होते हैं। इस दौरान सुरक्षा कर्मियों द्वारा वाहनों की जांच की जाती है। कभी-कभी सुरक्षा जांच में समय लगने पर विधायकों द्वारा आपत्ति दर्ज कराई जाती है।

सत्र के दौरान सुरक्षा बल द्वारा हर वाहन की जांच करना अनिर्वाय होता है। इसलिए सभी माननीयों के वाहनों की जांच होती है। पुलिस मुख्यालय ने स्वचालित जांच यंत्र स्थापित करा दिया है। पिछले दिनों से इसका परीक्षण भी जारी है। जो सफलता पूर्वक रहा है। विधानसभा के प्रमुख सचिव एवं अन्य अधिकारी इस व्यवस्था का निरीक्षण भी कर चुके हैं।

आगंतुकों के प्रवेश द्वार पर भी लगेंगे यंत्र : अगले चरणों में विधानसभा के प्रवेश द्वारा क्रमांक-3 एवं 5 पर भी स्वचालित जांच यंत्र लगाए जाएंगे जिससे अधिकारी, पत्रकार एवं अन्य आगंतुकों के वाहनों की जांच की जाएगी। सत्र के दौरान विधानसभा की सुरक्षा की जिम्मेदारी का दायित्व पुलिस के पास रहता है। अन्य दिनों में पुलिस के जवाब विधानसभा सुरक्षा बल के साथ सुरक्षा व्यवस्था संभालते हैं।

प्रक्रिया — पार्टी चिंतित, नेताओं में रार, कैसे होंगे समन्वय से चुनाव

मंडल अध्यक्षों के चुनाव शुरू, वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में होगा चयन

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मप्र भाजपा संगठन के चुनाव की प्रक्रिया के तहत रविवार से मंडल अध्यक्षों के चुनाव शुरू हो गए हैं। 15 दिसंबर तक मंडल अध्यक्षों के चुनाव होंगे। पार्टी ने इसके लिए जो फॉर्मूला बनाया है उसके अनुसार आपसी समन्वय से मंडल अध्यक्ष चुना जाना है, लेकिन विडंबना यह है कि अधिकांश जिलों में विधायकों और जिलाध्यक्षों में पटरी ही नहीं बैठ रही है। ऐसे में समन्वय से चुनाव कैसे हो पाएंगे। इस कारण एक हजार से अधिक मंडलों के चुनाव पार्टी के लिए खासी चिंता का विषय बने हुए हैं।

वर्तमान में ऐसे मंडल और जिला अध्यक्ष जिनका अपने क्षेत्र में काम अच्छा है और सांसद, विधायक के साथ भी सही तालमेल बना रहा है, ऐसे मंडल अध्यक्षों को पार्टी फिर मौका दे सकती है। पार्टी ने चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और केंद्रीय व प्रदेश नेतृत्व के बीच समन्वय स्थापित करने के लिए एक चार सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल भी भेजा है। यह प्रतिनिधि मंडल सभी जिलों का दौरा कर रहा है और चुनाव प्रक्रिया को सुचारु रूप से संचालित करने में सहयोग करेगा। मंडल और जिला अध्यक्षों के चुनाव में विवादों से बचने के लिए वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में उम्मीदवारों का चयन किया जाएगा।

पार्टी ने मंडल और जिला अध्यक्ष के लिए उम्र का क्राइटेरिया तय किया है जिसमें मंडल अध्यक्ष के लिए 45 वर्ष की उम्र और जिला अध्यक्ष के लिए अधिकतम 60 वर्ष की उम्र तय की है, लेकिन जिन कार्यकर्ताओं का संगठन में काम अच्छा है और उन्होंने पिछले चुनाव में पार्टी प्रत्याशी के लिए कड़ी मेहनत की है, ऐसे कार्यकर्ताओं को पार्टी नजरअंदाज नहीं करेगी। प्रदेश में एक तरफ रविवार से मंडल अध्यक्षों के चुनाव शुरू हुए हैं, वहीं दूसरी तरफ पार्टी की चिंता है कि नेताओं के बीच पटरी नहीं बैठ पाने के कारण चुनाव समन्वय के साथ कैसे हो पाएंगे। अधिकांश जिलों में विधायक और संगठन नेताओं के बीच पटरी नहीं बैठ रही है। यही वजह है कि क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल संभागों के दौरे कर समन्वय बनाने का काम कर रहे हैं।

मंडल चुनाव भले ही छोटे हों पर विधायक के लिए यही चुनाव सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण होते हैं। विधानसभा चुनाव में मंडल अध्यक्षों की सक्रियता सबसे ज्यादा महत्व रखती है। यही वजह है कि विधायक अपने विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मंडलों में अपने समर्थक कार्यकर्ताओं को ही मंडल अध्यक्ष बनवाने के लिए पूरी ताकत लगा देते हैं। इनमें कई उनके रिश्तेदार भी शामिल होते हैं, पर इस बार संगठन ने इस पर नकेल कस दी है। विधायक सांसद के रिश्तेदारों को अध्यक्ष बनाने पर रोक लगा दी गई है। हालांकि संगठन यह जानता है कि विधानसभा चुनाव में यदि जीतना है तो विधायक की राय को भी पर्याप्त तरजीह देना पड़ेगी। यही वजह है कि क्षेत्रीय संगठन महामंत्री संभागीय बैठकों में विधायकों को बुलाकर उनकी भी राय ले रहे हैं।

माधव नेशनल पार्क टाइगर रिजर्व घोषित

यह प्रदेश का आठवां टाइगर रिजर्व होगा

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर शिवपुरी जिले के माधव नेशनल पार्क को टाइगर रिजर्व घोषित कर दिया गया है। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) की तकनीकी समिति ने माधव राष्ट्रीय उद्यान को टाइगर रिजर्व के रूप में अधिसूचित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यह प्रदेश का आठवां टाइगर रिजर्व होगा। अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य-जीव) एल कृष्णमूर्ति ने बताया कि एनटीसीए की तकनीकी समिति ने प्रस्तावित बाघ अभयारण्य का कोर क्षेत्र 375 वर्ग किलोमीटर, बफर क्षेत्र 1276 वर्ग किलोमीटर और कुल क्षेत्रफल 1751 वर्ग किलोमीटर होगा। समिति ने राष्ट्रीय उद्यान में एक नर और एक मादा बाघ को छोड़ने की भी मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश पर राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) को माधव राष्ट्रीय उद्यान को टाइगर रिजर्व घोषित करने के लिये प्रस्ताव भेजा गया था। कृष्णमूर्ति ने बताया कि मध्यप्रदेश सरकार द्वारा की गयी संरक्षण पहल माधव राष्ट्रीय उद्यान और कूनो राष्ट्रीय उद्यान में वन्य-जीव प्रबंधन को मजबूत करेगी।

ब्रीफ न्यूज

उधार दिये रुपए वापस मांगने पर मारपीट

ललितपुर। मोहल्ला लेडिया आजादपुरा निवासी कुनाल कुशवाहा पुत्र लीलाधर ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि पड़ौस में रहने वाले मोनू कुशवाहा पुत्र रामा उर्फ रामप्रसाद ने उससे जरूरत होने पर 1200 रुपये उधार लिये थे, लेकिन काफी समय गुजरने पर भी उसने रुपये वापस नहीं किये। बीती देर शाम जब उसने मोनू से रुपये वापस मांगे तो मोनू ने अपने पिता रामा, मां विमला, पत्नी सविता के साथ एकराय होकर उसके साथ मारपीट कर दी, जिससे वह घायल हो गया। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर उक्त लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

युवती के साथ बैठे युवक ने की मारपीट

ललितपुर। शहर के मोहल्ला खिरकापुरा निवासी गोविन्द पुत्र भगवानदास कुशवाहा ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि बीते शनिवार की अपराह्न करीब ढ़ाई बजे वह कंचनधाम आश्रम पर काम करने को गया हुआ था। जहां जिला बरेली के आखे गौटिया निवासी मो.सलीम पुत्र अब्दुल सईद ललितपुर की एक युवती के साथ आपत्तिजनक स्थिति में बैठे हुये थे। जिस पर उसने दोनों को मंदिर में बैठने का कारण पूछा तो उक्त मो.सलीम ने उसके साथ गालियां देते हुये पास में रखा डण्डा सिर में दे मारा, जिससे वह घायल हो गया। मौके पर मंदिर के पुजारी शिवम पुत्र चंद्रभान, सिद्धू पुत्र पप्पू ने आकर उसे बचाया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने दोनों के खिलाफ बीएनएस की धारा 352, 115 (2), 351 (3) के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

ट्रेन में चढ़े यात्री का मोबाइल फोन चोरी

ललितपुर। मध्य प्रदेश के भोपाल अरहेड़ी निवासी उदय सिंह सूर्यवंशी ने जीआरपी पुलिस को मौखिक सूचना देकर बताया कि वह ट्रेन संख्या 18238 छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस से भोपाल की यात्रा कर रहा था। यात्रा के दौरान ललितपुर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन में चढने के बाद उसने देखा कि उसकी पेंट की जेब में रखा मोबाइल फोन नहीं था। फोन की उसने आसपास तलाश भी की, लेकिन वह नहीं मिला। उदय सिंह ने बताया कि उसका करीब 29 हजार रुपये का मोबाइल फोन किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर लिया है। मामले की सूचना पर जीआरपी पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ बीएनएस की धारा 305 (सी) के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

यूपीआई के जरिए खाते से निकाले 99 हजार

ललितपुर। सदर चौकी अंतर्गत मोहल्ला मऊठाना निवासी शिवम चौरसिया पुत्र गनेश प्रसाद ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह टिक्की का ठेला लगाकर अपना व परिवार का भरण पोषण करता है। बताया कि उसका खाता बैंक ऑफ बड़ौदा में खुला हुआ है। बताया कि बीती 5 अक्टूबर 2024 को शाम करीब 4.57 बजे किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसके खाते से 99 हजार रुपये यू.पी.आई. के माध्यम से निकाल लिये हैं। इस घटना के बाद से पीड़ित काफी मानसिक रूप से परेशान है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ बीएनएस की धारा 318 (4) व आई.टी. एक्ट की धारा 66 (डी) के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है।

कानूनी विमर्श : बिना कानूनी प्रक्रिया के न लें बच्चा गोद

अधिवक्ता संवाद की कार्यशाला में भारत में इससे जुड़े सभी नियम और कानूनों को लेकर हुआ चर्चा

बिना कानूनी प्रक्रिया के बच्चा गोद लेना अपराध है इसके अलावा बच्चा तस्करी का भी खतरा रहता है

सत्ता सुधार ■ ललितपुर

अक्सर ऐसा देखा जाता है कि कई लोग बिना किसी कानूनी प्रक्रिया के निराश्रित और निरक्षर लोगों से बच्चा गोद ले लेते है, जिससे चाइल्ड ट्रैफिकिंग की घटनाएं घटित होना का अंदेशा रहता। अधिवक्ता संवाद की कार्यशाला में गोद लेने की प्रक्रिया की बिंदुबद्ध चर्चा हुई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पैनल अधिवक्ता व लीगल सर्विसेज यूनिट फॉर चिल्ड्रन समिति के सदस्य अधिवक्ता पुष्पेन्द्र सिंह चौहान बताते हैं कि भारत में बच्चा गोद लेने की कानूनी प्रक्रिया हिंदू दत्तक और भरण पोषण अधिनियम 1956 और किशोर न्याय (बच्चों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम 2015 के तहत पूरी की जाती है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के अधीन केंद्रीय दत्तक-ग्रहण संसाधन प्राधिकरण इस प्रक्रिया की देखरेख करता है। सबसे पहले गोद

ले रहे अभिभावक को कारा (सी.ए.आर.ए.) वेबसाइट पर पंजीकरण करना होता है या अधिकृत एडॉप्शन एजेंसीज, राज्य एडॉप्शन रिसोर्स एजेंसी या जिला बाल संरक्षण इकाइयों के माध्यम से पंजीकरण कर सकते हैं। उसके पश्चात किसी अधिकृत एडॉप्शन एजेंसी के सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा एक होम स्टडी की जाती है। होम स्टडी में इस बात की पड़ताल की जाती है कि गोद लेने वाला दंपत्ति बच्चे की देखरेख करने में पूरी तरह सक्षम हैं या नहीं। होम स्टडी के बाद कारा (सी.ए.आर.ए.) पोर्टल के माध्यम से उस दंपत्ति को एक बच्चे का संदर्भ दिया जाता है। इसमें बच्चे का मेडिकल और सोशल बैक ग्राउंड होता है और दंपत्ति के पास इसे स्वीकार करने के लिए 48 घंटे का वक्त होता है। बच्चे को स्वीकार करने के बाद, उसे कुछ वक्त के लिए दंपत्ति के साथ देखभाल के लिए रखा जाता है।

इस अवधि में बच्चे और उसके दत्तक माता-पिता के बीच संबंधों के मजबूत होने की उम्मीद की जाती है और उसके बाद ही गोद लेने की कानूनी प्रक्रिया शुरू होती है। गोद लेने वाले दंपत्ति को संबंधित न्यायालय में गोद लेने की याचिका दाखिल करनी होती है। न्यायालय होम स्टडी रिपोर्ट, संबंधित दस्तावेज और अन्य आवश्यक कागजी कार्रवाई की समीक्षा करता है। फिर न्यायालय के द्वारा एक सुनवाई निर्धारित की जाती है जिसमें बच्चा गोद लेने के लिए जरूरी आदेश पारित किया जाता है। अधिकृत एडॉप्शन एजेंसी द्वारा समय-समय पर उस परिवार का फॉलो-अप लिया जाता है जिसने बच्चे को गोद लिया है। हर 6 महीने के अंतराल में ये फॉलो-अप दो साल तक किए जाते हैं। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पैनल अधिवक्ता व अधिवक्ता संवाद के सदस्य अधिवक्ता स्वतंत्र व्यास बताते हैं कि अकेली महिलाएं हिंदू दत्तक और भरण पोषण अधिनियम 1956 और किशोर न्याय (बच्चों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम 2015 के तहत किसी भी बच्चे को गोद ले सकती है। इसकी कानूनी प्रक्रिया ठीक वैसी ही होती है जैसी किसी दंपत्ति के लिए होती है व अकेला पुरुष किशोर न्याय (बच्चों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम 2015 के तहत किसी बच्चे को गोद ले सकते हैं। इसमें भी पंजीकरण, होम स्टडी रिपोर्ट से लेकर पूरी कानूनी प्रक्रिया वही होती है जो एक अकेली महिला के लिए होती है। परिवारों की बदलती संरचना को देखते हुए बच्चा गोद लेने की प्रक्रिया को सुधारने और सुव्यवस्थित करने की दिशा में निरंतर प्रयास हो रहे हैं, जिससे जरूरतमंद दम्पत्तियों और बच्चों को सही वातावरण मिल सके और वे एक खुशहाल भविष्य का निर्माण हो सके।

वरिष्ठ पत्रकार स्वर्गीय महेश तिवारी की स्मृति में विक्टोरिया गोल्ड कप का आगाज

अंडर 16 टूर्नामेंट का आयोजन वरदेही सुपर किंग ने बुंदेलखंड वॉरियर्स को हराकर ली बढ़त

सत्ता सुधार ■ ललितपुर

आई.पी.एल.की तर्ज पर निशी सर्वकक्त एकेडमी द्वारा स्व.पं.महेश तिवारी मसौरा की स्मृति में द विस्टेरिया गोल्ड कप अंडर 16 क्रिकेट टूर्नामेंट का पहला मैच रविवार को जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम खेला गया। बारदेही सुपर किंग ने बुंदेलखंड वॉरियर्स को 13 रन से हराकर लीग मैसज में बढ़त हांसिल कर ली है। मैच के मुख्य अतिथि कांग्रेस के प्रदेश महामंत्री गुडडू राजा बुंदेला, कांग्रेस प्रदेश महासचिव महाराज दतिया, घनश्याम सिंह, उप सभापति सहकारी बैंक श्रीकांत कुशवाहा, प्रधान मसौरा नीरज तिवारी ने सबसे पहले स्व.पं.महेश तिवारी के चित्र पर माल्यापर्ण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। तद्पश्चात ट्रॉफी का अनावरण कर खिलाडियों व टीम ऑनर को ड्रेस वितरण की। गुडडू राजा बुंदेला ने आयोजन कमेटी की सराहना करते हुए कहा कि ये छोटे छोटे बाच देश का भविष्य हैं। आज यहाँ खेल रहे कल देश के लिये खेलेंगे। उन्होंने कहा कि जिले में प्रतिभाएं हैं लेकिन उन्हें जरूरत है निखारने की। महाराज दतिया ने कहा कि खेल की कोई जात पात नहीं होती ना ही कोई छोटा बड़ा होता। खेल को खेल भावना से खेलना चाहिए। उन्होंने नन्हे खिलाडियों का उत्साहवर्धन किया। उप सभपति श्रीकांत कुशवाहा ने खिलाडियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन हमेशा होते रहना चाहिए, जिससे जिले की प्रतिभाओं में निखार आ सके। जिले के खेल प्रेमियों को मिलकर ऐसे आयोजन अधिक से अधिक कराना चाहिए।

वहीं उप कृषि निदेशक बसंत कुमार दुबे, जिला कृषि अधिकारी राजीव कुमार भारती, उप संभाग कृषि प्रसार अधिकारी सोनू मंगल ने खिलाडियों का उत्साह वर्धन करते हुए परिचय प्राप्त किया। बारदेही सुपर किंग ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 16.2 ओवर में 10 विकेट के नुकसान पर 130 रन बनाये। लक्ष्य का पीछा करते हुए बुन्देखण्ड वॉरियर्स ने 19 ओवर में 117 रन पर टीम ऑल आउट हो गई। जिससे बारदेही सुपर किंग ने 13 रन से लीग मैच जीत लिया। वही इरशाद खान ने 4 ओवर में 12 रन देकर चार विकेट लिये, जिससे वह प्लेयर ऑफ द मैच बने। पहले बल्लेबाजी करते हुए बारदेही सुपर किंग के सर्वाधिक रन बनाने बाले बल्लेबाज अमित रैकवार ने 50 रन, प्रियांश मालवीय 27 रन, अंशुल 17 रन, इरशाद 13 रन, शेष बल्लेबाज दहाई के अंक में नहीं पहुँच सके। अतरिक्त रनों के साठ टीम स्कोर 130 रन बना। वहीं बुंदेलखंड वॉरियर्स कि और से गेंदबाजी करते हुए अनमोल ने 4 में 19 रन देकर 3 विकेट लिये। अनुराज सिंह यादव ने 2.2 ओवर 20 रन देकर तीन विकेट झटके, कृष, सुशील व रजनीश ने एक -एक विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए बुंदेलखण्ड के बल्लेबाज रजनीश कुशवाहा ने 24 रन, सक्षम शिवहरे ने 22 रन, साहिल 16 रन, सजल जैन ने 13 रन, अनुराज सिंह यादव 11 रन बना सके। बाकी बल्लेबाज दो अंको को नहीं छू पाए, जिससे 117 रन पर टीम सिमट गयी। बारदेही सुपर किंग की ओर ह्यह्य् गेंदबाजी करते हुए इरशाद ने 4 ओवर में 12 रन देकर चार विकेट झटके। शिवम सिंह ने 3 ओवर में 17 रन दे कर दो विकेट लिये। रियांश शाक्य व प्रयांशू चौबे ने एक एक विकेट लिया। संचालन डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव मोहम्मद नसीम ने किया। निर्णायक भूमिका में अभिनव तोमर व आदित्य सेंगर रहे। स्कोरिंग का भार सिद्धार्थ जैन ने सम्भाला। मैच का आँखों देखा हाल प्रतीक श्रीवास्तव व विभांशु तिवारी ने सयुंक्त रूप से सुनाया। आयोजन कमेटी में पवन परमार, रामप्रताप सिंह, रत्नेश दीक्षित, विजय निरंजन, धर्मेंद्र गोस्वामी, विवेक कौशिक के आलावा अन्य सदस्य मौजूद रहे।

खेल मैदान के लिए जल्द जगह उपलब्ध कराने का मिला आश्वासन

ललितपुर। पूर्व नियोजित कार्यक्रम के तहत आज ग्यारहवें दिन भी तुवन मैदान को खेल मैदान घोषित करने के लिए नागरिक विकास मोर्चा, जिला क्रिकेट एसोसिएशन, भारतीय हिन्दू परिषद, फुटबॉल एसोसिएशन ने घंटाघर परिसर में धरना प्रदर्शन किया। धरना स्थल पर रविवार को अपर जिला अधिकारी अंकुर श्रीवास्तव ने समस्याओं को सुना और आश्वासन दिया। उनको बताया कि तुवन मैदान सिर्फ सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए है। व्यवसायिक कार्यक्रम के लिए नहीं है। इस पर एडीएम ने आश्वासन दिया कि अब इस मैदान जैसे आयोजनों को स्वीकृति नहीं दी जाएगी। खेल मैदान के लिए उन्होंने कहा कि चौकाबाग के स्थित जिला अस्पताल के पास, चांदमारी पर अति शीघ्र खेल मैदान दिया जाएगा। इस पर काम चल रहा है। वैकल्पिक व्यवस्था के स्टेडियम में बच्चों को खेलने के लिए व्यवस्था की जाएगी, खिलाड़ी प्रतिभाग करने से वंचित ना रहे। धरना स्थल पर नागरिक विकास मोर्चा के अध्यक्ष हरीबाबू शर्मा, पार्षद मनमोहन चौबे, करन पाल, जिला क्रिकेट एसोसिएशन अध्यक्ष शत्रुघन यादव, सचिव ब्रजबिहारी मिश्रा, देवेंद्र, अशोक टोनी, प्रमोद चौबे, सुधीर श्रीवास्तव, बॉबी राजा, बंटी बजाज, ब्रजेश पांडिया, राजीव जैन, राणाजी परमार, अशोक स्वर्णकार, संजय राठौर, रमेश श्रीवास्तव आदि उपस्थित थे।

भाजपा सदस्यता पर्व की मण्डल चुनाव को लेकर द्वितीय चरण की कार्यशाला आयोजित

सत्ता सुधार ■ ललितपुर

भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता पर्व 2024 के अन्तर्गत मण्डल चुनाव को लेकर द्वितीय चरण की कार्यशाला आयोजित हुई। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष राजकुमार जैन ने की। मुख्य अतिथि जिला चुनाव अधिकारी रामचंद्र मिश्रा उपस्थित रहे। शुरुआत में जिलाध्यक्ष ने कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए कहा कि ललितपुर में 1063 बूथ है और पूरे बूथों का सांगठनिक गठन कर चुके हैं। इसकी सूची जिला कार्यालय के आम पट पर भी चस्पा कर दी गई है। मुख्य अतिथि पूर्व क्षेत्रीय महामंत्री काशी प्रांत रामचंद्र मिश्र ने कहा कि हर चुनाव अधिकारी की पत्रावली एक से एक बढ़ कर एक है जिसमें सुदामा प्रसाद दुवे ने जो पत्रावली प्रस्तुत की है वह प्रदेश स्तरीय है। अब मण्डल चुनाव अधिकारियों की जिम्मेदारी बनती है कि मण्डल में चुनाव निष्पक्ष तथा भरसक सामंजस्यता पूर्ण हो। इसके लिए मण्डल चुनाव अधिकारी को हमारे विचार परिवार के लोगों, पूर्व पदाधिकारियों से भी वार्ता करके एक अच्छा वातावरण खड़ा करना होगा और व्यवस्थित चुनाव कराके किसी निष्ठावान, लगनशील कार्यकर्ता को पदाधिकारी बनाना चाहिए। भाजपा के संगठन में मण्डल अध्यक्ष पचास साठ बूथों का सांगठनिक मालिक होता है अगर वह सांगठनिक रुप से बहुत मजबूत होगा तो निश्चित तौर पार्टी भी वहां मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि मण्डलों के चुनाव को लेकर हर मण्डल में सात तारीख को ग्यारह बजे एक मण्डलीय स्तर की कार्यशाला होगी।जिसमें प्रत्येक बूथ अध्यक्ष को अनिवार्य रुप से उपस्थित रहना होगा। सदर विधायक रामरतन कुशवाहा एड ने कहा कि हम सब को चुनाव के साथ साथ कुछ अन्य कार्यक्रम भी करने हैं। राज्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि हमारे सभी चुनाव अधिकारियों का दायित्व है कि वह ऐसा प्रयास करें कि निष्ठावान, ईमानदार, वफादार और पार्टी के हित में लगातार करने बाले कार्यकर्ताओं को ही संगठन में दायित्व दिये जाने का प्रयास किया जाये। कार्यशाला में जिले भर के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एक्सपोजर विजिट पर बच्चों ने देखी देवगढ़ की विरासत

ललितपुर। राष्ट्रीय आविष्कार के तहत उच्च प्राथमिक विद्यालय के बच्चों की एक्सपोजर विजिट विकास खंड जखौरा ने देवगढ़ स्टेट ऐतिहासिक इमारत का कराया गया। विकास खंड जखौरा के विभिन्न विद्यालयों के चयनित 100 बच्चों बच्चों को एक्सपोजर विजिट कराया गया। इस एक्सपोजर विजिट में दशावतार मंदिर का सर्वप्रथम विजिट कराया गया जिसका पूर्ण परिचय वहां पर स्थित गाइड ने बच्चों को कराया। बच्चों के मन में आए विभिन्न प्रश्नों के जवाब भी गाइड ने दिए। तत्पश्चात देवोदय क्षेत्र देवगढ़ के समस्त मंदिरों का अवलोकन भी बच्चों को कराया गया। तत्पश्चात बच्चों को घेरे में बिठाकर पेन और कॉपी देकर विजिट में जो भी चीज अच्छी लगी उसके बारे में लिखने को कहा गया उसके बाद सारे बच्चों को 10- 10 के ग्रुप में खेल खिलाया गया। एक्सपोजर विजिट में गए समस्त बच्चों का इंट्रोडक्शन कराया गया जिसमें एक उनकी रुचि के बारे में भी पूछा गया। एक्सपोजर विजिट में सारे बच्चे बहुत ही प्रफुल्लित नजर आए। इस एक्सपोजर विजिट में खंड शिक्षा अधिकारी भुवनेंदु अडजरिया, समस्त, ललिता खैर, प्रफुल्ल जैन, राजेश वर्मा, शैलेंद्र वर्मा, अखिलेश गोस्वामी, आदर्श रावत, सुषमा साध, अनिता कुशवाहा, सीमा जैन, बबीता बुंदेला, अंशुल चौरसिया, शिल्पी गुप्ता, मोहम्मद इसरार, राकेश, मनोज आदि स्टाफ भी मौजूद रहे।

केन्द्रीय राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल आज ललितपुर में

ललितपुर। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं उर्वरक राज्यमंत्री भारत सरकार अनुप्रिया पटेल राष्ट्रीय अध्यक्ष अपना दल (एस) सोमवार को ललितपुर मुख्यालय के सिविल लाइन स्थित रिमझिम गार्डन में पूर्वाह्न 11 बजे जिला कार्यकर्ता सम्मेलन जनसभा को संबोधित करेंगी। यह जानकारी देते हुये जिलाध्यक्ष मनोहर पटेल व जिला महासचिव राजेन्द्र यादव ने संयुक्त रूप से बताया कि कार्यकर्ताओं को संगठन के बारे में जानकारी देते हुये आगामी कार्यक्रम से भी अवगत कराया जायेगा। उन्होंने जिले भर के कार्यकर्ताओं से निर्धारित समय व स्थान पर पहुंचने का आह्वान किया है।

मिशन शक्ति फेज-5 अभियान जारी

अपने-अपने थाना क्षेत्रों में जाकर महिलाओं को किया गया जागरूक

सत्ता सुधार ■ ललितपुर

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन हेतु चलाए जा रहे मिशन शक्ति फेज-5.0 के तहत पुलिस अधीक्षक मो. मुश्ताक व अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार के पर्यवेक्षण में जनपद के सभी थानों द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा, चौराहों, स्कूलों/कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उ.प्र. राज्य ग्रामीण

आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, पी.एम. स्वानिधि योजना, पी.एम. सम्मान निधि योजना, वन स्टाप सेन्टर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, प्रधानमंत्री फ्री सिलाई योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, कन्या सुमंगला योजना, महिला ई-हाट योजना तथा विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी.एम. हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साईबर क्राईम हेल्प लाईन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया। उल्लेखनीय है कि शासन और पुलिस विभाग द्वारा शारदीय नवरात्र के प्रथम दिवस 03 अक्टूबर 2024 से मिशन शक्ति के तहत पंचम चरण का अभियान 90 दिवस तक चलाया जाएगा।

चुनाव पहले मण्डल फिर जिला अध्यक्ष पद पर होगा चुनाव

भाजपा में चुनाव प्रक्रिया से चुने जाएंगे जिला अध्यक्ष पद : रामचंद्र मिश्रा

सत्ता सुधार ■ ललितपुर

भारतीय जनता पार्टी में संवैधानिक प्रक्रिया को अपनाते हुये राष्ट्रीय स्तर से लेकर प्रथम इकाई तक निर्वाचन सम्पादित कराये जाते हैं। इस बार बूथ अध्यक्ष का चुनाव सम्पन्न हो चुका है, अब मण्डल और उसके बाद जिला अध्यक्ष पद के लिए चुनाव प्रक्रिया अपनायी जा रही है। जिले के तेरह मण्डल में अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर रविवार को सुल्तानपुर से आये चुनाव अधिकारी रामचंद्र मिश्रा ने पत्रकारों के समक्ष चुनाव की पूरी रूपरेखा रखी। चुनाव अधिकारी रामचंद्र मिश्रा ने बताया कि ललितपुर में कुल 1063 बूथ हैं, जिनमें से एक हजार बूथों की आख्या प्राप्त हुयी है, जबकि 63 बूथों की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने बताया कि बूथ अध्यक्ष का चुनाव सम्पन्न हो चुका है। बूथ गठन के लिए कम से कम 50 सदस्य होना अनिवार्य है। इससे 1 अध्यक्ष और एक जनप्रतिनिधि चुनकर आयेगा। बताया कि आगामी 11 दिसम्बर को जिले के सभी 13 मण्डलों के अध्यक्ष व मंत्री पद का चुनाव सम्पन्न होने जा रहा है, जिसके बाद 12 दिसम्बर को यदि कोई व्यवधान आता है तो ऐसी समस्याओं का समाधान करते हुये मण्डल अध्यक्षों की घोषणा कर दी जायेगी। मण्डल अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर उनके द्वारा कार्यशाला का आयोजन किया गया है। इस कार्यशाला के जरिए चुनाव अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जायेगा। बताया कि मण्डल अध्यक्ष पद के लिए पार्टी का कम से कम दो वर्ष पहले से सक्रिय सदस्य होना अनिवार्य है और प्रत्याशी की उम्र 45 वर्ष से अधिक न हो। इसके अलावा अनुशासनहीनता के आरोप न हों और जो लगातार दो बार मण्डल अध्यक्ष रह चुका है, वह तीसरी बार चुनाव लडने योग्य नहीं होगा। जिलाध्यक्ष के चुनाव को लेकर पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि 15 से 30 दिसम्बर के मध्य जिला अध्यक्ष पद के लिए भी चुनाव प्रक्रिया अपनायी जायेगी, उसके लिए अलग से प्रशिक्षण दिया जायेगा। जिलाध्यक्ष चुनाव में तेरह मण्डल से चुनकर आने वाले अध्यक्ष व जनप्रतिनिधि कुल 26 मतदाता होंगे, जो कि सामाजिक समीकरणों के आधार पर अध्यक्ष पद के लिए मैदान में आने वाले प्रत्याशियों में से जिलाध्यक्ष पद का चुनाव करेंगे। इस दौरान राज्यमंत्री मनोहरलाल पंथ, सदर विधायक रामरतन कुशवाहा, जिलाध्यक्ष राजकुमार जैन, बुन्देलखण्ड विकास बोर्ड सदस्य प्रदीप चौबे, पूर्व जिलाध्यक्ष हरीराम निरंजन, नगराध्यक्ष मनीष अग्रवाल, वंशीधर श्रीवास, देवेन्द्र श्रीवास्तव गुरू के अलावा अनेकों पदाधिकारी मौजूद रहे।

अन्तर्राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण दिवस मनाया

ललितपुर। जिला एड्स समन्वय समिति एवं सोसायटी फॉर प्रगति भारत द्वारा महरां स्थित एक महाविद्यालय के सभागार में अंतर्राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण मनाया गया। जिसके अंतर्गत जागरूकता संगोष्ठी एवं अधिकार का मार्ग अपनाओं पर हस्ताक्षर अभियान सम्पन्न हुआ। जिसमें जिला क्षय रोग/एड्स नियंत्रण अधिकारी डा.आर.एन.सोनी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इसमें कार्यकारी निर्देशिका ने जिला में संचालित लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना के बारे में जानकारी दी।

इसके उपरांत सुरक्षा क्लीनिक काउन्सलर ने गुप्त रोगों के बारे में जानकारी दी। मनोज गुप्ता ने टीवी के कारण, लक्षण और रोकथाम पर चर्चा की। संचालन जिला कार्यक्रम प्रबंधक हरेंद्र रिछारिया ने व आभार प्राचार्य व्यक्त किया। इस दौरान दीपाली पटैरिया, अतुल कुशोलिया के अलावा अनेकों लोग मौजूद रहे।

ब्रीफ न्यूज

किसी ने नहीं सुनी तो न्यायालय का दरवाजा खटखटाने पर पांच माह बाद मुकदमा दर्ज

समथर झांसी। किसी ने नहीं सुनी तो न्यायालय का दरवाजा खटखटाने पर कस्बा के एक नाबालिग युवक के साथ डरा धमकाकर एवं लालच देकर अप्राकृतिक कृत्य करने पर पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर करीब पांच माह बाद पास्को एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। जानकारी के अनुसार कस्बा के मोहल्ला नई वस्ती निवासी चंद्रकांत तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि दिनांक 25 जुलाई 2024 को दोपहर करीब एक और दो बजे के बीच में कस्बा के मोहल्ला नई वस्ती के धर्म प्रकाश व्यास मेरे आठ बर्षीय पुत्र को धमकाकर एवं लालच देकर ले गए। और अप्राकृतिक घिनौनी हरकत करने लगें।

चाचा एवं चचेरे भाई ने लाठी डंडों, हथियार से किया हमला

समथर झांसी। थाना क्षेत्र के ग्राम लावन में पिता पुत्र पर सगे चाचा एवं चचेरे भाई ने लाठी डंडों एवं हथियार से हमला कर दिया। जिसमें पिता पुत्र जख्मी हो गए। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। जानकारी के अनुसार निकटवर्ती ग्राम लावन निवासी हेमंद्र पुत्र प्रभु दयाल ने पुलिस से शिकायत करते हुए। बताया कि दिनांक 30/11/2024 को समय करीव शाम करीब सात बजकर तीस मिनट के लगभग में व मेरे पिता अपने घर के बाहर बैठे थे। तभी मेरे परिवार के उदित पुत्र स्व0 श्री कलकाई व रामलखन पुत्र उदित हम लोगो के पास आये व किसी बात को लेकर हम लोगो के साथ गाली गलौज करने लगे ।जब मेरे पिता ने गाली देने मे मना किया। तो दोनो लोगो ने हम लोगो पर लाठी डंडो व हथियार से मारपीट कर दिया।

प्रो. मुकेश पांडे के जीवन वृत पर पुस्तक का विमोचन

झाँसी। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय एवं भारतीय शिक्षा परिषद के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हो रहे तीन दिवसीय कार्यक्रम में आज कुलपति प्रोफेसर मुकेश पाण्डेय पर प्रकाशित पुस्तक का विमोचन शिक्षा मंत्री उत्तर प्रदेश योगेंद्र उपाध्याय के कर कमलो द्वारा किया गया जो चर्चा का विषय रही, विश्वविद्यालय के इनक्यूबेशन सेंटर में इनक्यूबेट हो रहे स्टार्टअप मेमोर टेल प्राइवेट लिमिटेड ने प्रोफेसर मुकेश पांडे के जीवन वृत पर एक पुस्तक प्रकाशित की इस पुस्तक को कुलपति के अनुभवो के आधार पर संकलित किया गया है एवं किस प्रकार से उन्होंने पहले इंडस्ट्री फिर एकेडमिक्स और एकेडमिक्स में भी असिस्टेंट प्रोफेसर से अपना जीवन शुरू करके किस प्रकार से कुलपति पद तक की यात्रा की मेमोर टेल के फाउंडर एवं डायरेक्टर सहज़ेब खान एवं अभिनव शाक्य ने बताया कि प्रो. मुकेश पांडेय के जीवन चक्र में आए हुए सभी संघर्षों एवं उपलब्धियां का विस्तृत विवरण है।

पुल की ऊंचाई एवं लम्बाई बढ़ाए जाने की मांग

भंड्रा। ग्राम पंचायत धायपुरा में विवाह घर का निर्माण करवाने के लिए ग्राम निवासी श्रीकांत गुप्ता ने झांसी, ललितपुर सांसद अनुराग शर्मा को प्रार्थना पत्र देकर ग्राम धायपुरा में कुडार नदी पर बनने वाले पुल की ऊंचाई एवं लम्बाई बढ़ाए जाने की मांग की है।

प्रा विद्यालय गाता की इंचार्ज प्रधानाध्यापिका एक दिन पहले का दस्तखत कर मिली अनुपस्थित

उप जिलाधिकारी के निरीक्षण में खुली शैक्षणिक व्यवस्था की पोल

सत्ता सुधार ■ टहरौली

उच्च प्राथमिक विद्यालय एवं प्राथमिक विद्यालय गाता के औचक निरीक्षण ने इन विद्यालयों के शैक्षणिक व्यवस्था की पोल खोल कर रख दी है। उप जिलाधिकारी टहरौली अजय कुमार यादव 9.40 बजे उच्च प्राथमिक विद्यालय गाता में निरीक्षण के लिए पहुंचे तो विद्यालय परिसर में गंदगी का अंबार लगा हुआ था मौके पर 75 छात्र छात्राओं के सापेक्ष केवल 13 बच्चे ही विद्यालय में मौजूद मिले जिनका शैक्षणिक स्तर बेहद निम्न था,विद्यालय में नियुक्त सहायक अध्यापक राहुल यादव, राहुल स्वर्णकार व अनुदेशक अरविंद कुमार अनुपस्थित पाए गए।

इसी परिसर में स्थित प्राथमिक विद्यालय की इंचार्ज प्रधानाध्यापिका सविता वर्मा हाजिरी रजिस्टर में एक दिन पहले ही 8:40 बजे उपस्थिति का हस्ताक्षर कर विद्यालय से

नदारत मिलीं वहीं 106 छात्रों के सापेक्ष मौके पर केवल 25 छात्र छात्राएं ही विद्यालय में उपस्थित मिले और विद्यालय में पदस्थ शिक्षामित्र संजीव कुमार व सुधा देवी अनुपस्थित मिलीं जिस पर एसडीएम के द्वारा जब खण्ड शिक्षा अधिकारी गुरसरांय से दूरभाष पर वार्ता की गई तो उन्होंने बताया कि उनके द्वारा किए गए निरीक्षण में भी उपर्युक्त शिक्षामित्र अनुपस्थित मिले थे। इसके अलावा विद्यालय परिसर में एक गुमटी रखकर अनाधिकृत कब्जा पाया गया जिसको हटाने के लिए उप जिलाधिकारी द्वारा हल्का लेखपाल व पुलिस को निर्देशित किया गया।

उप जिलाधिकारी अजय कुमार के द्वारा तहसील टहरौली की शैक्षणिक व्यवस्था को सुधारने के लिए प्रतिमाह स्कूलों का निरीक्षण कर शिक्षा विभाग एवं उच्च अधिकारियों को रिपोर्ट भेजकर कार्यवाही के लिए लिखा जा रहा है लेकिन इसके बाद भी सरकारी स्कूलों की शिक्षण व्यवस्था में सुधार होता दिख नहीं रहा है जिसके कारण देश के नौनिहालों का भविष्य खतरे में है।

इनका कहना है...

निरीक्षण के दौरान विद्यालय में गंदगी व शैक्षणिक स्तर खराब मिलने के साथ ही अन्य कई खामियां मिलीं है कार्यवाही के लिए रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेज दी गई है।

उप जिलाधिकारी टहरौली अजय कुमार यादव

मानव जीवन का सर्वोत्कृष्ट फल सत्संग है: महंत राधामोहन दास

झाँसी। सिविल लाइन ग्वालियर रोड स्थित कुंज बिहारी मंदिर में गद्दी पर आसीन रहे सभी गुरु आचार्यों की पुण्य स्मृति में आयोजित एक वर्षीय भक्तमाल कथा का शुभारंभ रविवार 1 दिसंबर से करते हुए कथा व्यास बुंदेलखण्ड धर्माचार्य महंत राधामोहन दास महाराज ने प्रथम दिवस भक्ति महारानी के श्रृंगार की कथा का वर्णन किया। अपने श्रीमुख से कथा का रसास्वादन कराते हुए उन्होंने कहा कि मानव जन्म का सर्वोत्कृष्ट फल सत्संग है। भगवान के चरण कमलों की उपासना से बढकर कुछ भी नहीं है। उनके चरणों की प्राप्ति होने के बाद ही जीव के मन में ज्ञान और भक्ति का समावेश होता है। भक्तमाल कथा में प्रियादास जू महाराज लिखते हैं÷श्रद्धा ही फुलेल उबटनों श्रवण कथा मेल जो अभिमान अंग अंग छुडाईये। वे कहते हैं कि जब तक शरीर में अहमता और संसार में ममता के कारण लोगों का चित्त संसार में भ्रमित हो रहा है, किंतु वेद और गुरु के वचनों में विश्वास होना ही श्रद्धा है। अर्थात अपने मन के भीतर चरणों में अगाद स्नेह करो। भगवान की भक्ति हरि सेवा साधु सेवा दो प्रकार से करनी चाहिए। किंतु वह जब तक संभव नहीं है जब तक आपके अंग अंग अहंकार रुपी मैल लगा हुआ है। इस अहंकार रुपी मैल को छुडाने के लिए भक्ति रुपी उबटन लगाना होगा तभी हमारा मन सुंदर होगा। उन्होंने कहा कि तन सुंदर हो न हो मन सुंदर होना चाहिए क्योंकि भगवान सुंदर मन वाले लोग ही प्रिय हैं।

अतिक्रमणकारियों को दी चेतावनी व्यापारियों ने पक्षपात रवैया का आरोप लगाया

छावनी परिषद ने चलाया होर्डिंग्स हटाओ अभियान

सत्ता सुधार ■ बबीना/झांसी

छावनी परिषद बबीना ने शुक्रवार को कस्बे के मुख्य बाजार और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर होर्डिंग्स हटाने का अभियान चलाया। इस अभियान के तहत सड़क के दोनों ओर लगे बैनर, पोस्टर और होर्डिंग्स को हटाया गया। छावनी परिषद के अधिकारियों और कर्मचारियों ने पीआरडी जवानों की मदद से बिजली के खंभों और सार्वजनिक स्थानों पर लगे अवैध होर्डिंग्स और पोस्टर्स को हटाया। इस दौरान छावनी परिषद के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी भी अभियान में शामिल रहे। अभियान के दौरान अधिकारियों ने सड़क किनारे अतिक्रमण करने वाले लोगों को सख्त चेतावनी दी और उन्हें शीघ्र अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया।

अधिकारियों ने कहा कि यदि समय पर अतिक्रमण नहीं हटाया गया, तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। छावनी परिषद का कहना है कि यह अभियान कस्बे को स्वच्छ और

व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से चलाया गया है। अधिकारियों ने जनता से अपील की है कि वे अपने बैनर और पोस्टर लगाने से पहले उचित अनुमति लें और सार्वजनिक स्थलों का दुरुपयोग न करें। यह अभियान बबीना क्षेत्र में स्वच्छता और यातायात को सुगम बनाने के प्रयासों का हिस्सा है, जिससे बाजार और सार्वजनिक स्थल अव्यवस्थित न दिखें।इस कारवाही से व्यापारियों में काफी आक्रोश दिखाई दिया उन्होंने अतिक्रमण हटाने वाले दस्ते पर पक्षपात के आरोप लगाए और कहा जिन लोगों ने फुटपाथ और नालियों पर पक्के निर्माण कर लिए हे उन पर कारवाही क्यों नहीं कि गई।

वैज्ञानिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन राजकीय इण्टर कॉलेज, सकरार झाँसी में 06 दिसम्बर को

झांसी। जिलाधिकारी/अध्यक्ष विज्ञान क्लब ने अवगत कराया है कि संयुक्त निदेशक, विज्ञान एवं प्राद्यौगिकी परिषद उ0प्र0, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग उ0प्र0 शासन के निर्देशानुसार जनपद में विज्ञान लोकप्रियकरण एवं संचार कार्यक्रम के अन्तर्गत स्वच्छ पर्यावरण एवं स्वस्थ जीवन अन्धविश्वासों के विरूद्ध वैज्ञानिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है। जनपद में छात्र/छात्राओं के मध्य विज्ञान के प्रति मानसिक सोच विकसित करने के लिए ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के छात्र/छात्राओं हेतु विज्ञान प्रतियोगिता कार्यक्रम व समाज में फैले अन्धविश्वासों व पाखंडों को रोकने तथा इसके विरूद्ध वैज्ञानिक चमत्कारों के माध्यम से छात्र/छात्राओं एवं जनमानस को जागरूक करना है। उक्त कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 02.12.2024 को सूरज प्रसाद राजकीय बा0इ0कॉ0, झाँसी में अन्ध विश्वास के विरूद्ध वैज्ञानिक जागरूकता, कार्यकम एवं स्वच्छ पर्यावरण और स्वस्थ जीवन (शहरी) तथा दिनांक 06.12.2024 को राजकीय इण्टर कॉलेज, सकरार झाँसी में अन्ध विश्वास के विरुद्ध वैज्ञानिक जागरूकता कार्यकम एवं) स्वच्छ पर्यावरण और स्वस्थ जीवन (ग्रामीण) जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति में प्रातः 10ः00 बजे से किया जायेगा।

एचआईवी/एड्स जागरूकता को लेकर नगरा में विशाल मेगा शिविर का आयोजन

झाँसी। उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी एवं जिला क्षयरोग अधिकारी के निर्देशन में और डॉ0 एस के गुप्ता नोडल अधिकारी के मार्गदर्शन में सम्पूर्ण सुरक्षा केंद्र जिला चिकित्सालय झांसी दुवारा पूर्व नियोजित योजना के तहत एक मेगा शिविर का आयोजन जुगनू मैरिज हाल नगरा झाँसी मे किया गया। इस मेगा शिविर का शुभारंभ प्रमुख मंडलीय अधीक्षक डॉ0 पी0के0 कटियार जिला चिकित्सालय झाँसी, डॉ. यू एन सिंह जिला क्षयरोग अधिकारी झाँसी एवं अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी जी के दुवारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन रूपेश नामदेव जिला समन्वयक जी दुवारा किया गया। सर्व प्रथम उपस्थित सभी अतिथियों का ग्रीन वेलकम किया गया, प्रमुख मंडलीय अधीक्षक डॉ0 पी0के0 कटियार द्वारा एचआईवी/एड्स के बारे मे ज्यादा से ज्यादा लोगों के बीच जागरूकता फैलाने को लेकर चर्चा की गई। साथ में मेगा शिविर का आम जनमानस को ज्यादा से ज्यादा सेवाओं का लाभ उठाने की बात की और डॉ0 एस0 के0 गुप्ता नोडल व पूरी टीम के सराहनीय कार्य को लेकर बधाई दी। इसी क्रम में डॉ यू एन सिंह जिला क्षयरोग अधिकारी ने एचआईवी/ एड्स जैसी स्थिति से बचने के लिए चार कारणों एवं बचाव के बारे मे आम जनमानस को जागरूक करने की बात की और उपस्थित सभी सहभागियों को बताया है कि लक्षित उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु कार्य को गति देना है जिसके लिए बेहतर नियोजन हो ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को जागरूक किया जाए एवं एचआईवी/एड्स जैसी स्थिति से लोगों को बचाया जा सकें और साथ में मीडिया के माध्यम से भी एचआईवी/एड्स के बारे मे आम जनमानस को जागरूक करने के लिए प्रेरित किया। डॉ0 एस0 के0 गुप्ता ने उपस्थित सभी सहभागियों को समय से जांच करने के क्या क्या फायदे होते है एवं सम्पूर्ण सुरक्षा केंद्र क्या करता है इसको लेकर विस्तार से बताया। शैलेन्द्र यादव (दिशा यूनिट झाँसी) ने मेगा शिविर के उद्देश्य क्या है इसको लेकर आम जनमानस को बताया। इस कार्यक्रम के माध्यम से नगरीय स्वास्थ्य केंद्र पुलिया न09 एवं नगरा के डॉक्टर को मिमेन्टो एवं स्टाफ को सर्टिफिकेट वितरित किए गए।

मूंगफली की उपज आढ़तियों को बेचनी पड़ रही

मऊरानीपुर । क्षेत्र के किसी भी ग्राम पंचायत में शासन प्रशासन द्वारा किसानों को मूंगफली की उपज बेचने के लिए सरकारी खरीफ खरीद केंद्र नही खुलने से ओने पोने दामों में मूंगफली की उपज आढ़तियों को बेचनी पड़ रही है। ग्राम पंचायत घाटकोटरा, देवरी घाट, पुरवा, खिलारा, भण्डरा, बसरिया, कदौरा, भानपुरा, खकौरा, बिरगुआं, कुअरपुरा, पठा, ढ़करवारा, हरपुरा, पंचमपुरा, भदरवारा, धायपुरा, नयागांव, बरुआमाफ आदि ग्रामों के किसानों ने जिला प्रशासन से मूंगफली की उपज बेचने के लिए भण्डरा में बनी नवीन गल्ला मंडी में सरकारी मूंगफली खरीद केंद्र खोले जाने की मांग की है।

प्रभारी निरीक्षक ने क़स्बा में पैदल गस्त कर परखी व्यवस्थाएं

कटेरा/झाँसी। प्रभारी निरीक्षक थाना कटेरा अमरनाथ सिंह द्वारा पुलिस बल के साथ शांति सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह चौकस रखने की दृष्टि से शुक्रवार की शाम को क़स्बा के मुख्य बाजार,बस स्टैंड,प्रमुख चौराहे,धार्मिक स्थलों की सुरक्षा व्यवस्था को परखा प्रभारी निरीक्षक अमरनाथ सिंह ने पैदल गश्त के दौरान नगरवासियों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को जाना नगरवासियों को विश्वास दिलाया कि कटेरा पुलिस हमेशा उनके साथ है आपसी सौहार्द से रहे आपातस्थिति होने पर तत्काल सूचना दे तत्काल प्रभाव से समस्या का समाधान किया जाएगा उन्होंने कहा कि नगर में कानून व्यवस्था कायम रखने व अपराधियों पर अंकुश लगाये रखने के लिए पुलिस बल द्वारा प्रतिदिन पैदल गश्त किया जा रहा है पैदल गश्त के दौरान संदिग्ध लोगों से भी पूछताछ की जाती है साथ ही क़स्बाइयों से कहा की शर्दियों का मौसम आरम्भ हो रहा है और शादियों का भी सीजन आ गया है ऐसे में चोरिया होने का अंदेशा रहता है इसलिए सतर्क रहने की आवश्यकता है।

कायस्थ समागम में दिनेश खरे व जयप्रकाश श्रीवास्तव ने जन-जन से पहुंचने की अपील

झांसी। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा का 8 दिसंबर 2024 को लखनऊ में हो रहे कायस्थ समागम में कायस्थ संघ अंतरराष्ट्रीय के दिनेश खरे व जयप्रकाश श्रीवास्तव ने जन-जन से पहुंचने की अपील की अखिल भारतीय कायस्थ महासभा ने दिनेश खरे को ÷अंतरराष्ट्रीय समन्वयक के पद पर नियुक्त किया है। यह नियुक्ति उनके समाज के प्रति समर्पण, कार्यकुशलता, और भगवान चित्रगुप्त के प्रति उनकी निष्ठा को ध्यान में रखते हुए की गई है।कायस्थ समाज के उत्थान के लिए निरंतर प्रयासरत खरे को इस महत्वपूर्ण पद पर नियुक्ति की घोषणा अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के मुख्य संरक्षक, राष्ट्रीय अध्यक्ष और कार्यकारिणी ने की। महासभा के अधिकारियों ने खरे की कार्यशैली और समाज के प्रति उनकी मेहनत की सराहना की और विश्वास व्यक्त किया कि दिनेश खरे का उद्देश्य कायस्थ समाज को एकजुट और सशक्त करना है, ताकि वह दुनिया भर में अपनी पहचान बना सके। महासभा का मानना है कि खरे के नेतृत्व में कायस्थ समाज को नई दिशा मिलेंगी और महासभा को जनजन तक पहुंचाने में सफलता मिलेगी।

शोक सभा हुई **मऊरानीपुर ।** ग्राम पंचायत धायपुरा में सिद्धप्रकाश खरे की अध्यक्षता में शोक सभा हुई। जिसमें ग्राम के ही निवासी परसुराम उर्फ भोला यादव का निधन हो जाने पर दिलीप महाराज, हरगोविंद सिंह, रामपाल परिहार, दीनदयाल गुप्ता, राजू गुप्ता, गणेश गुप्ता, भूपेंद्र गुप्ता, संदीप साहू आदि ने शोक व्यक्त किया। इसी क्रम में सुभाष मौर्य भंड्रा की अध्यक्षता में शोक सभा हुई। जिसमें ग्राम ढ़करवारा निवासी प्रेमनारायण तिवारी की चाची किशोरी देवी का निधन हो जाने पर गनेश सोनी, ज्ञानेश, लखनलाल, हिरदेश, सुरेन्द्र कांत, राहुल, राजेन्द्र सिंह चौहान आदि ने शोक व्यक्त किया।

समाजवादी पार्टी चाहती है दंगा हो, आस्था जगाने का काम धीरेन्द्र शास्त्री कर रहे: बेबी रानी मौर्य

झांसी। विकास कार्यों की समीक्षा और निजी कार्यक्रम में शामिल होने झांसी आई उत्तर प्रदेश सरकार की मंत्री बेबी रानी मौर्य ने समाजवादी पार्टी पर आरोप लगाते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी चाहती है कि दंगा फैले, उपद्रव हो। वही उन्होंने सनातन एकता को पद यात्रा पर कहा कि ईश्वर को साथ लेकर आस्था जगाने का काम कोई कर रहा तो वह बागेश्वरधाम सरकार धीरेन्द्र शास्त्री कर रहे । शनिवार को सर्किट हाउस पहुंची प्रदेश सरकार की मंत्री बेबी रानी मौर्य से सवाल किया गया कि संभल में हुए बबाल के बाद जा रहे

सपाइयों को रोकने पर उनके द्वारा सरकार पर आरोप लगाया गया कि सरकार लोकतंत्र की हत्या कर रही है। इस सवाल पर बेबी रानी मौर्य ने कहा कि संभल में जिस प्रकार से पत्थरबाजी हुई, उपद्रव हुआ उस पर सरकार ने जो कार्यवाही की है वह बिल्कुल सही है। साथ ही उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी तो चाहती है कि दंगा फैले ओर उपद्रव हो। वही सनातन पैदल यात्रा को भाजपा से जोड़ा जा रहा है। इस सवाल पर बेबी रानी मौर्य ने कहा कि ईश्वर को साथ लेकर आस्था जगाने का कोई काम कर रहा है तो वह बागेश्वर धाम सरकार कर रही है। वही बंगला देश के सवाल पर उन्होंने कहा कि वह दूसरा देश है वहां की स्थित वहां के प्रधानमंत्री ओर राष्ट्रपति को देखनी चाहिए। इसके बाद वह सर्किट हाउस में विकास कार्यों की समीक्षा में शामिल हुई। समीक्षा में जिलाधिकारी झांसी, एसएसपी, जिला पंचायत अध्यक्ष, गरौठा विधायक जवाहर लाल राजपूत, जिलाध्यक्ष हेमंत, सहित कई विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

विवाद मोबाइल और पैसे लूटने का आरोप,पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ की

बबीना हाइवे पर युवकों द्वारा बस कंडक्टर और ड्राइवर से मारपीट

सत्ता सुधार ■ बबीना/झांसी

सेना भर्ती से लौट रहे कुछ युवकों द्वारा बस कंडक्टर और ड्राइवर के साथ मारपीट कर उनका मोबाइल और पैसे लूटने का मामला सामने आया है। घटना शुक्रवार शाम करीब 6 बजे की है, जब सागर से झांसी की ओर जा रही छावड़ा कंपनी की बस बबीना भेल हाइवे पर पहुंची।बस में ललितपुर से कुछ युवक सवार हुए थे। यात्रा के दौरान सीट और किराए को लेकर युवकों का कंडक्टर से विवाद हुआ। जब बस भेल हाइवे पर रुकी, तो युवकों ने बस से उतरने के दौरान कंडक्टर और ड्राइवर से गाली-गलौज शुरू कर दी। इसके बाद उन्होंने मारपीट करते हुए कंडक्टर का मोबाइल फोन और पैसे लूट लिए और मौके से फरार हो गए।

घटना के कारण सवारियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। सवारियों ने भी इस घटना की पुष्टि की है कि युवकों ने कंडक्टर से पैसे और मोबाइल छीन लिया था। घटना के बाद कंडक्टर और ड्राइवर ने बबीना थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस को दी गई शिकायत में उन्होंने युवकों पर जानबूझकर मारपीट और लूटपाट करने का आरोप लगाया है और सख्त कार्रवाई की मांग की है। बबीना पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आरोपी युवक सेना भर्ती प्रक्रिया से लौट रहे थे। सीट को लेकर विवाद ने इस घटना को अंजाम दिया। पुलिस ने घटना स्थल के पास से एक मोबाइल बरामद किया है। थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और पुलिस युवकों की तलाश में जुट गई है। अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

विद्युत की कटौती के चलते सभी परेशान

मऊरानीपुर। 33/11 विद्युत उपकेंद्र भंड्रा से तीन दर्जन से अधिक ग्रामों में विद्युत पहुंचाई जाती है। लेकिन एक पखवाड़े से सुबह पांच से सात बजे होने वाली विद्युत की कटौती के चलते छात्र, ग्रहणियां तथा किसानों को खासी परेशान होने लगी है। बिजली उपभोक्ताओं ने संबंधित विभाग से सुबह का रोस्टर बदले जाने की मांग की है। ग्राम पंचायत खिलारा निवासी छात्र नमन मिश्रा, आयुष्मान द्विवेदी, ग्रहणी रजनी देवी, ममता, गनेशी रेखा तथा किसान गोकुल विश्वकर्मा, संतोष द्विवेदी, मोहन सिंह, ओमप्रकाश आदि ने बताया कि इसी महीने की 15 तारीख से बिजली विभाग द्वारा जारी किया गया नया रोस्टर के चलते सुबह 5 से 7 बजे तक विद्युत की कटौती की जाने से लगी है जिससे ज्यादा परेशानी बढ़ गई है।

बुंदेलखंड को झुनझुना नहीं राज्य चाहिए: कुंवर सत्येन्द्र पाल सिंह

पद यात्रा निकाल कर जनता से सहयोग की अपील की

झांसी। बुंदेलखंड क्रांति दल की मासिक बैठक खंडेराव गेट बाहर स्थित गणेश भवन पर राष्ट्रीय अध्यक्ष कुंवर सत्येन्द्र पाल सिंह की अध्यक्षता में एवं श्रीवास समाज के अध्यक्ष कालीचरण श्रीवास के मुख्य आतिथ्य में आयोजित की गई। बैठक में बुंदेलखंड राज आंदोलन को विस्तार देने पर चर्चा की गई । गांव गांव जनसंपर्क करने का निर्णय लिया , निर्णय लिया गया कि घर घर पर जय जय बुंदेलखंड लिखने का आग्रह जनता से किया जाएगा। बैठक के उपरांत पद यात्रा निकाली गई जिसमें कार्यकर्ताओं ने बुंदेलखंड तो लेंगे लेंगे, जय जय बुंदेलखंड के गगनभेदी नारे लगाते हुए जनता से बुंदेलखंड राज्य आंदोलन में सहयोग की अपील की। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए और सत्येंद्र पाल सिंह ने कहा की बुंदेलखंड को झुनझुना नहीं अलग राज्य चाहिए। बुंदेलखंड की धरती का शोषण हो रहा है। पृथक बुंदेलखंड राज हमारे लिए बहुत जरूरी है , बुंदेलखंड की जनता परेशान है ,किसानों को खाद और पानी नहीं मिल पाता है।

ब्रीफ न्यूज

चिन्मय दास की दवा भी करा दी बंद, जेल में मिलने पहुंचे दो पुजारी गिरफ्तार

ढाका। हिंदू संत चिन्मय दास प्रभु की गिरफ्तारी, बेल से इनकार के बाद ही भारत के साथ भी बांग्लादेश के संबंध बिगड़ने लगे हैं। वहीं अब खबर है कि बांग्लादेश प्रशासन ने एक और ऐसा ही कदम उठा लिया है। शुक्रवार को चिन्मय दास प्रभु को जेल मे दवाई देने पहुंचे एक और पुजारी को गिरफ्तार कर लिया गया। बता दें कि चिन्मय दास प्रभु को राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। रिपोर्ट की मानें तो दो पुजारी जेल में चिन्मय दास प्रभु से मिलने और उन्हें दवाई देने लगए थे। वापस लौटते वक्त दोनों को ही पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इसपर बांग्लादेश की सरकार की तरफ से कोई पुष्टि नहीं की गई है। बांग्लादेश सम्मिलितो सनातनी जागरन जोत संस्था की तरफ से कहा गया है कि दो अन्य पुजारियों को भी गिरफ्तार किया गया है। इसकोन कोलकाता के उपाध्यक्ष राधारमन दास के मुताबिक इस बात की जानकारी मिली है कि इस्कोन के दो अन्य संतों को गिरफ़्तार किया गया है।

मियामी में मॉडल ने पहले अपने पिता को मारी गोली

वाशिंगटन। अमेरिका के फ्लोरिडा से चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यह मियामी शहर में हुए मर्डर और फिर आत्महत्या ने हर किसी को हैरान कर दिया है। दरअसल एक मॉडल ने अपने पति को 5 गोलियां मारकर मौत के घाट उतार दिया। इसके बाद खुद को भी गोली मारी और अपनी जान ले ली। घटना के बारे में दूसरों को तब पता चला जब उन्होंने बालकनी से नीचे जमीन पर खून को गिरते हुए देखा। महिला की पहचान 27 साल की मॉडल सबरीना कास्निकी के तौर पर हुई हैं। मॉडल ने मियामी के बीच क्लब में वारदात को अंजाम दिया। रात के करीब साढ़े 12 बजे अचानक मॉडल ने अपने 34 साल के पति पजतिम कास्निकी को 5 गोलियां मार दी। इसके बाद खुद को भी गोली मारकर आत्महत्या कर ली।

कोर्ट ने इमरान को दंगे मामले में साजिश रचने और उकसाने का दोषी ठहराया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की एक कोर्ट ने जेल में बंद देश के पूर्व पीएम इमरान खान को पिछले साल हुए दंगों में अपराधियों को उकसाने और साजिश रचने का दोषी करार दिया है।पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक पर 9 मई 2023 की हिंसा के संबंध में लाहौर में कई मामले दर्ज किए गए थे, जिनमें अपने समर्थकों को सरकारी और सैन्य भवनों पर हमला करने के लिए उकसाने का आरोप भी शामिल था। आतंकवाद निरोधक कोर्ट के न्यायाधीश ने पिछले साल 9 मई के दंगों के आठ मामलों में पूर्व पीएम इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद जमानत याचिकाओं के बारे में जारी एक लिखित आदेश में टिप्पणी की कि ये अपराध सीआरपीसी की धारा 497 के निषेधात्मक खंड के अंतर्गत आते हैं। न्यायाधीश ने कहा कि अभियोजन पक्ष ने षड्यंत्र रचने के आरोप को साबित करने के लिए गवाहों के बयान और याचिकाकर्ता के खिलाफ उकसाने के आरोप को साबित करने के लिए ऑडियो/विजुअल सबूत पेश किए।

जॉर्जिया में एक प्रदर्शनकर्ता विरोध प्रदर्शन के दौरान धमाके करते हुए।

बांग्लादेशी प्रोफेसर के टिप्पणी ने भारतीय रक्षा जानकारों की बढ़ाई चिंता

एजेंसी ■ ढाका

बांग्लादेशी प्रोफेसर डॉक्टर शाहिदुज्जमां ने एक बेहद खतरनाक टिप्पणी कर जेएफ-17 लड़ाकू विमान खरीदने और भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों में अलगाववादी गुटों को समर्थन देने की वकालत की है। इंडियन डिफेंस रिसर्च विंग की रिपोर्ट के मुताबिक वायरल वीडियो क्लिप में शाहिदुज्जमां ये कहते दिख रहे हैं। पाकिस्तान में बने जेएफ-17 खरीदने की उनकी सलाह ने भारत ही नहीं बांग्लादेश में भी रक्षा जानकारों को चिंतित कर दियास है। रिपोर्ट के मुताबिक, डॉक्टर शाहिदुज्जमां ने भारत पर भरोसा ना करने और अपनी सैन्य ताकत बढ़ाने पर जोर दिया है। उन्होंने जेएफ-17 की अमेरिकी जेट एफ-35 से तुलना कर कहा कि दोनों लड़ाकू विमान बराबर ताकत रखते हैं। इसके बाद बांग्लादेश को पाकिस्तान से जेएफ-17 लड़ाकू विमानों के तीन स्क्वाड्रन खरीदने चाहिए। साथ ही असम, मणिपुर और मिजोरम में अलगाववादी आंदोलनों को बांग्लादेश की ओर से समर्थन दिया जाना चाहिए। बांग्लादेशी एक्सपर्ट डॉक्टर शाहिदुज्जमां पाकिस्तान के साथ परमाणु समझौते के प्रस्ताव के लिए भी चर्चा में रह चुके हैं। उन्होंने फिर से अपने बयान से विवाद खड़ा कर दिया है। इस विवाद की वजह जेएफ-17 की खरीद की वकालत करने से ज्यादा ये कहना है कि बांग्लादेश को भारत के असम, मणिपुर और मिजोरम जैसे राज्यों में में विद्रोहियों को समर्थन करना चाहिए।

थाईलैंड में रेंटल वाइफ का चलन बढ़ा महिलाएं बन रहीं पर्यटकों की बीवी

ये बिजनेस थाईलैंड में बना बड़े आय के स्रोत, इसे रोकने नहीं है कानून

एजेंसी ■ बैंकाक

थाईलैंड में रेंटल वाइफ का चलन काफी बढ़ रहा है। अगर अपनी भाषा में कहे तो किराए की बीवियां। ये चलन इस देश में खूब है। ऐसी बीवियों को ब्लैक पर्ल भी कहा जाता है। पिछले दिनों इस पर एक किताब प्रकाशित हुई थी, जो काफी चर्चा में रही। थाईलैंड के पटाया में ये विवादास्पद प्रथा है। यहां लोग इसे ÷भाड़े पर पत्नी÷ वाइफ आन हायर उद्योग कहते हैं। ये विवाह की एक अस्थायी व्यवस्था है जहां महिलाएं, जो गरीब ग्रामीण क्षेत्रों से होती हैं, वह विदेशी पर्यटकों की बीवी बन जाती हैं।

यह प्रथा मुख्य रूप से थाईलैंड के पटाया के रेड लाइट जिले के बार और नाइट क्लबों में होती है। किताब में लिखा है कि थाईलैंड में पत्नी को किराए पर देने की विवादास्पद और छिपी हुई प्रथा किस तरह रही है और अब ये फिर से बढ़ रही है। ये बिजनेस थाईलैंड में बड़े आय के स्रोत के रूप में उभरा है। खासतौर पर उन युवाओं के लिए जो पारंपरिक नौकरियों से अच्छा पैसा नहीं कमा पा रहे हैं। वह ÷रेंटल बीवी÷ या ÷रेंटल गर्लफ्रेंड÷ जैसी सेवाओं के जरिए अच्छा पैसा कमा रहे हैं। थाईलैंड में ÷किराये की पत्नियों÷ की अवधारणा विवादास्पद प्रथा है, जिसमें आर्थिक तौर पर गरीब पृष्ठभूमि से आने वाली महिलाएं पैसा कमाने के लिए विदेशी पर्यटकों के साथ बीवी की तरह रहने लगती हैं, उसे घरेलू सेवाएं भी देती हैं। यह व्यवस्था औपचारिक विवाह नहीं है, बल्कि एक अस्थायी ठेके की तरह होता है, जो कुछ दिनों से लेकर कई महीनों तक चल सकता है।

ये महिलाएं मुख्य रूप से बार और नाइट क्लबों में काम करती हैं। पैसे कमाकर अपने परिवारों का समर्थन करने के लिए इस तरह के काम में आती हैं। इन महिलाओं को ब्लैक पर्ल कहा जाता है। आमतौर पर ये पार्टनर या टूर गाइड के रूप में काम करती हैं। रेंटल बीवियों के किराये का समय कोई तय नहीं होता, ये कांट्रैक्ट पर निर्भर है। इसमें मिलने वाला पैसा सुंदरता, शिक्षा और उम्र जैसे मामलों पर भी निर्भर करता है। इसमें रेंटल बीवी की कांट्रैक्ट मैरिज की रकम 1600 डालर से 116,000 डालर तक हो सकती है। कभी कभी इसमें जब समय के साथ रिश्ते विकसित हो जाते हैं तो कुछ महिलाएं आखिरकार अपने ग्राहकों से शादी कर लेती हैं या लंबे समय तक उनकी पार्टनर जैसे रोल में रहकर पैसा पाती रहती हैं।

रेंटल बीवी थाईलैंड में बिजनेस का रूप ले चुका है। इसमें पटाया और थाईलैंड के कई शहरों में विदेशी पर्यटक आकर बार, रेस्तरां और नाइट क्लब जैसी जगहों पर इन महिलाओं से सीधे संपर्क करते हैं। फिर दोनों ओर से दिलचस्पी दिखती है तो मामला आगे बढ़ता है। आपस में साथी की शर्तों के बारे में बातचीत होती है। महिलाएं किराये की अवधि के दौरान अपने ग्राहकों के साथ रहना शुरू करती हैं। कुछ रिश्ते स्थायी व्यवस्था में बदल जाते हैं। जहां महिलाओं को किराये की अवधि से परे आवास या वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

हालांकि इसे लेकर थाईलैंड में कोई कानून नहीं है। इन व्यवस्थाओं को नियंत्रित करने वाले कोई औपचारिक सुरक्षा या नियम नहीं हैं, इसलिए इन्हें अब खासा बढ़ावा मिल रहा है। थाईलैंड सरकार भी स्वीकार करती है कि इस तरह की प्रथा देश में चल रही है और इसे नियंत्रित करने वाले कोई कानून नहीं हैं। कुछ हद तक ये वेश्यावृत्ति से मिलती जुलती प्रथा है। थाईलैंड में ÷रेंटल गर्लफ्रेंड÷ या ÷रेंटल बीवी÷ जैसे कॉन्सेप्ट्स हाल के वर्षों में तेजी से चर्चा में आए हैं। यह ट्रेंड मुख्यतः जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों से प्रेरित है, जहां इस तरह की सेवाएं पहले से लोकप्रिय हैं। अब थाईलैंड में इस बिजनेस के बढ़ने के पीछे कई सामाजिक और आर्थिक कारण हैं।

अब डॉलर पर जंग: भड़के ट्रंप ने कहा- अलग मुद्रा बनाने वाले देशों को नहीं छोड़ेंगे

एजेंसी ■ वॉशिंगटन

दुनिया में डॉलर को लेकर नई बहस शुरु हो गई है। कई देश डॉलर के विकल्प का समर्थन कर रहे हैं। इस पर अमेरिका को घोर आपत्ति है। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुस्से में यहां तक कह दिया कि यदि ब्रिक्स देशों ने अमेरिका के डॉलर को रिप्लेस करने के लिए कोई नई करेंसी लॉन्च की तो वह इन देशों पर 100 फीसदी टैरिफ लगा देंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिकी डॉलर को कमजोर करने की कोई साजिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बता दें कि ब्रिक्स देशों में भारत के साथ ब्राजील, रूस, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, यूएई और ईरान शामिल हैं। इसके अलावा अजरबैजान तुर्की और मलेशिया भी इसकी सदस्यता चाहते हैं।

बता दें कि ब्रिक्स में भारत शामिल जरूर है लेकिन कई ऐसे देश भी हैं जिनसे अमेरिका का 36 का आंकड़ा रहता है। इसमें रूस और ईरान भी शामिल हैं। ऐसे में डोनाल्ड ट्रंप की इस धमकी को मुख्यतः रूस और ईरान के नजरिए से देखा जा रहा है। इसी साल रूस में हुए ब्रिक्स सम्मेलन में वैकल्पिक मुद्रा की बात की गई थी। रूस इसका ज्यादा समर्थन कर रहा था। चर्चा थी कि ब्रिक्स देश अमेरिकी मुद्रा को चुनौती देने की तैयारी कर रहे हैं। इसीलिए डोनाल्ड ट्रंप ने धमकाना शुरू कर दिया है।

सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अलग मुद्रा बनाने या फिर डॉलर के खिलाफ दूसरी मुद्रा का समर्थन करने पर भी अजाम भुगतना होगा। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स देशों को अमेरिका को निर्यात करने के लिए डॉलर का इस्तेमाल जारी रखना होगा। अगर ऐसा नहीं किया गया तो उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया जाएगा। राष्ट्रपति चुनाव में जीत के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने चीन, कनाडा और मेक्सिको से आने वाले सामान पर टैरिफ लगाने का ऐलान किया था। उन्होंने कहा था कि अगर अवैध प्रवासियों पर रोक नहीं लगाई गई तो कनाडा और मेक्सिको पर 25 फीसदी का टैरिफ लगा दिया जाएगा। डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को हमेशा ही अपना बड़ा सहयोगी बताया है। पहली बार है जब उन्होंने ऐसे संगठन पर निशाना साधा है जिसमें भारत भी शामिल है।

देश की पहली सबमरीन केबल की मरम्मत की वजह से रहेगा इंटरनेट बंद

बांग्लादेश में इंटरनेट सेवाएं आज बाधित रहेंगी

एजेंसी ■ ढाका

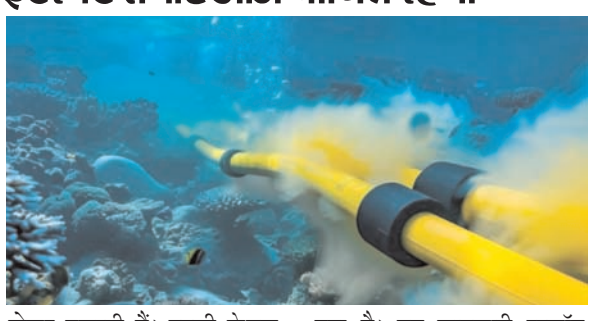

बांग्लादेश में 2 दिसंबर की रात इंटरनेट सेवाएं तीन घंटे के लिए बंद रहेंगी। यह रुकावट देश की पहली सबमरीन केबल की मरम्मत की वजह से हो रही है। देश की पहली सबमरीन केबल प्रणाली, जिसे एसईए-एमई-डब्ल्यूई4 कहा जाता है, कॉक्स बाजार जिले में स्थित है, जो राजधानी ढाका से लगभग 400 किमी दक्षिण-पूर्व में है। बांग्लादेश सबमरीन केबल्स पीएलसी के अनुसार 2 दिसंबर को सुबह 3ः00 बजे से लेकर 5ः59 बजे तक मरम्मत का काम भारत के चेन्नई लैंडिंग स्टेशन और सिंगापुर के टुआस लैंडिंग स्टेशन के पास किया जाएगा। इस दौरान इंटरनेट सेवाएं अस्थायी रूप से बंद रहेंगी। बांग्लादेश में इंटरनेट बैंडविड्थ मुख्य रूप से दो सबमरीन केबल्स के जरिए आती है, जो गहरे समुद्र से होकर गुजरती हैं। पहली केबल दक्षिण-पूर्वी कॉक्स बाजार में और दूसरी केबल बांग्लादेश के पातुआखाली जिले के कुआकाटा में स्थित है, जो ढाका से लगभग 204 किमी दक्षिण में है। वहीं बांग्लादेश में गिरफ्तार किए गए इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शियसनेस (इस्कॉन) के संत चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तार के विरोध में भारत में हो रहे विरोध के बीच इस्कॉन के एक और संत को बांग्लादेश में गिरफ्तार कर लिया गया है। यह जानकारी इस्कॉन कोलकाता के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दी। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश पुलिस ने श्याम दास को भी हिरासत में ले लिया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए संत का नाम श्याम दास है। उन्होंने श्याम दास की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा करते हुए सवाल उठाया, क्या ये साधु आतंकवादी दिखते हैं वहीं चिन्मय प्रभु को इस हफ्ते की शुरुआत में बांग्लादेश पुलिस ने गिरफ्तार किया था।

अलेप्पो में घुसे विद्रोहियों पर बरसाए बम, सीरिया में रुस ने उतारी सेना

अलेप्पो। शहर अलेप्पो में इस्लामिक विद्रोहियों के हमले के बाद रूस की सेना राष्ट्रपति बशर अल असद की मदद को उतर पड़ी है। 2020 में गृह युद्ध थमने के बाद एक बार फिर से बशर अल असद के लिए बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। 2011 से 2020 तक चले गृह युद्ध में लाखों लोग मारे गए थे। इसके बाद 2020 में सीजफायर का समझौता हुआ था।

रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि एयरफोर्स असद की सेना की मदद कर रही है और विद्रोहियों पर हवाई हमले कर रही है। हयात तहरीर-अल शाम के लड़ाकों ने 40 फीसदी अलेप्पो शहर पर कब्जा कर लिया है। वहीं शनिवार को ही असद ने अपनी सेना को सुरक्षित निकलने का आदेश दे दिया था। हजारों सीरियाई विद्रोही अत्याधुनिक हथियारों के साथ और वाहनों में सवार होकर अलेप्पो के अंदर फैल गए। स्थानीय निवासियों और लड़ाकों ने यह जानकारी दी।

प्राग में क्रिस्मस से पहले ओल्ड टाउन स्कवायर में सजा हुआ एक बाजार।

फर्जी शादी कर चीन की महिलाएं कुछ ही महीनों में बन रही मालामाल

शादी की बेताबी ने युवक को किया कंगाल, दुल्हन ने किया गोलमाल

एजेंसी ■ बीजिंग

बड़े-बुजुर्ग कहते रहे हैं कि किसी भी काम में जल्दबाजी ठीक नहीं होती है खास कर शादी-ब्याह के मामले में। यह बहुत ही सोच-समझ कर करने चाहिए। यह जिंदगी भर साथ निभाने वाला रिश्ता होता है, लेकिन शादी को लेकर बेताबी एक युवक को भारी पड़ गई। यह युवक दुल्हुन की तलाश के लिए मैचमेकिंग एजेंसी के पास पहुंचा, वहां उसे जिस लड़की की फोटो दिखाई वह देखते ही उसे पसंद आ गई। उस युवक को जो लड़की पसंद आई उसके लिए उसने अपनी पूरी जेब खाली कर दी। उसने लड़की के परिवार को रिझाने के लिए करीब 13.75 लाख रुपए का तोहफा दिया। शादी होने के बाद उसके साथ कुछ ऐसा हुआ, जो उसने सपने में भी नहीं सोचा था। शादी के दो महीने बाद ही उसकी दुल्हन बार-बार शहर से बाहर जाने लगी। इसके साथ ही वह उस पर घर और कार खरीदने का दबाव डालने लगी। एक दिन अचानक वह घर से बाहर गई तो लौटी ही नहीं। उस युवक ने अपनी पत्नी को बहुत ढूंढा, लेकिन वह नहीं मिली। ऐसे में वह उस एजेंसी के पास गया, जिसने उसकी शादी करवाई थी, लेकिन वह कंपनी भी बंद हो चुकी थी।

इस तरह की मुसीबत से गुजरे वाला वह अकेला नहीं था। चीन में ऐसी ही शादी कराने वाली कई फर्जी कंपनियां हैं जिसका अब भंडाफोड़ हुआ है। ये कंपनियां शादी के लिए बेताब पुरुषों को फंसाकर ठगी कर रही थीं। इसके लिए महिलाओं को दुल्हन बनाकर उनके सामने पेश किया जाता था। इनमें से कुछ महिलाओं ने तो फर्जी विवाह के जरिये कुछ ही महीनों में 35 लाख रुपए कमा लिए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हुआगुओयुआन पुलिस स्टेशन में एक साल में मैट्रिमोनियल फ्रॉड के 180 मामले दर्ज हुए हैं। ये मैट्रिमोनियल कंपनियां देशभर के छोटे शहरों से अविवाहित पुरुषों को खोजती थीं और महिलाओं की भर्ती करती थीं। इन महिलाओं में से ज़्यादातर तलाकशुदा और कर्ज में डूबी हुई होती थीं, उन्हें पैसे कमाने के लिए इस जालसाजी में शामिल होने के लिए राजी किया जाता था। महिलाओं को पुरुषों से दुल्हन के रूप में मिलवाया जाता था और जब वे शादी के लिए राजी हो जाते थे तो उन्हें एजेंसी के साथ कॉन्ट्रैक्ट साइन करने और अपनी दुल्हन की कीमत के रूप में लाखों युआन का भुगतान करने के लिए कहा जाता। हालांकि, शादी के तुरंत बाद दुल्हन भाग जाती थीं या फिर अलग-अलग तरीकों से पुरुषों पर तलाक का दबाव डालती थीं। इस तरह की शादी को 'फ्लैश वेडिंग' कहा जाता है। इस जालसाजी के जरिये एक महिला ने तीन महीनों में कई फ्लैश मैरिज करके 3,00,000 युआन (35 लाख रुपये) कमाए। उसने पिछले साल दिसंबर में एक क्लाइंट के साथ शादी के लिए रजिस्ट्रेशन कराया था, लेकिन घरेलू हिंसा के आरोपों के बाद उसे तलाक के लिए अर्जी दे दी। उसने दुल्हन की कीमत वापस नहीं की।

महिला ने 5,900 करोड़ रुपए कचरे में फेंके, एक्स बॉयफ्रेंड को किया कंगाल

एजेंसी ■ वेल्स

यूके के वेल्स में जेम्स हावेल्स का हार्ड ड्राइव, जिसमें आठ हजार बिटकॉइन थे, उनकी एक्स गर्लफ्रेंड ने गलती से कचरे में फेंक दिए। आज बिटकॉइन की कीमत करीब 5,900 करोड़ रुपए है, लेकिन यह कचरे के ढेर में दबा पड़ा है। जेम्स की एक्स गर्लफ्रेंड हैल्फिना एडी-इवांस ने बताया कि यह हादसा घर की सफाई करते समय हुआ। उन्होंने कहा कि जेम्स ने मुझसे कचरे का एक बैग फेंकने को कहा था। मुझे नहीं पता था कि उसमें क्या है। जेम्स अपने नुकसान के लिए मुझे जिम्मेदार नहीं ठहरा सकता है।

जेम्स अब उस हार्ड ड्राइव को पाने के लिए दर-दर भटक रहा है, जिस बैग में उनकी हार्ड ड्राइव थी, वह बैग न्यूपोर्ट शहर के कूड़ाघर में पहुंच गया, जिसमें जेम्स का कचरे का बैग एक लाख टन कचरे के नीचे कहीं दब गया है। हालांकि, इस खजाने को ढूंढ पाना नामुमकिन है, लेकिन जेम्स ने हार नहीं मानी है।

जेम्स ने न्यूपोर्ट सिटी काउंसिल पर 495 मिलियन पाउंड यानी करीब 4,900 करोड़ रुपए का मुकदमा दायर किया है। उन्होंने आरोप लगाया है कि प्रशासन उन्हें कचरे के ढेर तक पहुंचने नहीं दे रहा है। जेम्स ने कहा कि इस खजाने की कीमत हर दिन बढ़ती जा रही है। मुझे इसे पाना होगा। जेम्स ने वादा किया है कि अगर उन्हें उनकी हार्ड ड्राइव वापस मिलती है।

दहेज ही सबसे बड़ी योग्यता, दहेज की बलि चढ़ती बेटियां?

दहेज का दानव प्रतिदिन बेटियों को निगल रहा है दहेज के दानव का खात्मा करना होगा द्य आज भले ही लडकी कितनी भी उच्च शिक्षित हो मगर पहली शर्त यही होती है कि यहां से कितना दहेज मिल सकता है दहेज ही सबसे बड़ी योग्यता बन गई हैं। विश्व गुरु कहलाने वाले भारत में बढ़ रही दहेज की संस्कृति को रोकना होगा।प्रतिदिन दहेज के लालचियों द्वारा बेटियों को दहेज की बलि चढ़ाया जा रहा है।देश के हर राज्य में दहेज के मामले प्रकाश में आ रहे हैद्य दहेज हत्याओं की बढती घटनाएं अशुभ सकेत है आखिर दहेज हत्याऐ क्यों नहीं रुकती है यह एक यक्ष प्रशन बनता जा रहा है।भारत में दहेज हत्याओं की प्रतिशतता दर बढ़ती ही जा रही हे 18 से 20 वर्ष की लड़कियों की संख्या के ज्यादा मामले प्रकाश में आ रहे हैं।इकलौती बेटियां बलि चढ़ाई जा रही है।समझ नहीं आता कि समाज के लोग चुप क्यों है अगर आज दूसरों की बेटी जलानें के मामले में चुप है मगर कल जब उनकी बेटियों के साथ ऐसा होगा तब भी क्या चुप रहेगें।समाज को इन लोभियों का खात्मा करना होगा। दहेज प्रथा ने आज इतना भयानक रुप धारण कर लिया है कि समाज का प्रत्येक वर्ग इसके कारण दुखी है इसकी भयानकता का प्रमाण प्रतिदिन हो रही घटनाओं में साक्षात नजर आ रहा है। आज सोना 77350 रूपये और चांदी 90297 हो चूका है द्य गरीब लोग कहाँ से ज़ेवर देंगें द्य सरकार को सख्त क़ानून बनाना होगा तभी यह आभिशाप मिट सकता है द्य दहेज उन्मूलन के लिए प्रतिवर्ष लाखों रुपया खर्च किया जाता है सैमीनार लगाए जातें है रैलियां निकाली जाती है नारे लिखे जाते है, मगर नतीजा कुछ नहीं निकलता। जो जनता के मसीहा ऐसे कानून बनाते है वही लोग इसका सरासर उल्लघन करते हैं।बेशक देश में दहेज के खिलाफ ढेरों कड़े कानून बनाए है मगर यह कानून फाईलों की धूल चाट रहे हैं। पिछले बीते दस सालों के यह आंकडे बहुत ही खौफनाक तस्वीर प्रस्तूत कर रहे हैं। आज बेटियों को जलाया जा रहा है यातनाएं दी जा रही हैं ऐसे कई रुह कंपा देने वाले मामले हर रोज देखने को मिल रहे हैं। गरीब घरों की बेटियां चारदीवारी के अन्दर ही अन्दर घूटती रहती है उनकी सिसकियां देखने वाला कोई नहीं है क्योकि उन्हे डर होता है कि यदि विरोध किया तो न घर की रहेगी न घाट की रहेगी इसलिए चुपचाप नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं।राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड व्यूरों में दर्ज मामले चैकानें वाले है हर वर्ष इन घटनाओं में बेतहाशा वृद्धि हो रही है मगर सरकारें मूकदर्शक बनी हुई हैं।कानूनों का उल्लघन हो रहा है।दहेज प्रथा की जड़े गहरी होती जा रही है अगर समय रहते इन जड़ों को काटा नहीं गया तो बाद में पछतानें के सिवाय कुछ हासिल नहीं होगा।आज गरीबों की बेटियों को दहेज के लिए मारा जा रहा है।दहेज लोभियों को जमानतों पर छोड़ा जा रहा है।पैसें के बल पर जेलों से रिहा हो रहे है।फिर न्याय की उम्मीद किस से करें।

प्रदूषण से बढ़ती मौतों के लिये कौन जिम्मेदार?

▪ ललित गर्ग

कहते हैं जान है तो जहान है, लेकिन भारत में बढ़ते प्रदूषण के कारण जान और जहान दोनों ही खतरे में हैं। देश एवं दुनिया की हवा में घुलते प्रदूषण का 'जहर' अनेक बार खतरनाक स्थिति में पहुंच जाना चिन्ता का बड़ा कारण हैं। प्रदूषण की अनेक बंदिशों एवं हिदायतों के बावजूद प्रदूषण नियंत्रण की बात खोखली साबित हो रही है।

राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस हर साल 2 दिसंबर को मनाया जाता है। यह दिन प्रदूषण के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का मकसद, प्रदूषण नियंत्रण तकनीकों, नीतियों, और प्रदूषण को कम करने के महत्व पर ध्यान आकर्षित करना है। यह दिन भोपाल गैस त्रासदी में अपनी जान गंवाने वाले लोगों की याद में मनाया जाता है। यह त्रासदी 2-3 दिसंबर, 1984 की रात को हुई थी। इस त्रासदी में ज़हरीली गैस मिथाइल आइसोसाइनेट (एमआईसी) के कारण सैकड़ों लोगों की मौत हो गई थी। कहते हैं जान है तो जहान है, लेकिन भारत में बढ़ते प्रदूषण के कारण जान और जहान दोनों ही खतरे में हैं। देश एवं दुनिया की हवा में घुलते प्रदूषण का 'जहर' अनेक बार खतरनाक स्थिति में पहुंच जाना चिन्ता का बड़ा कारण हैं। प्रदूषण की अनेक बंदिशों एवं हिदायतों के बावजूद प्रदूषण नियंत्रण की बात खोखली साबित हो रही है। यह कैसा समाज है जहां व्यक्ति के लिए पर्यावरण, अपना स्वास्थ्य या दूसरों की सुविधा-असुविधा का कोई अर्थ नहीं है। प्रदूषण के कारण जल, भूमि, और वायु प्रदूषित होता है, जिससे मौतें होती हैं, प्रदूषण से जीवन और स्वास्थ्य की गुणवत्ता प्रभावित होती है।

जीवन-शैली ऐसी बन गयी है कि आदमी जीने के लिये सब कुछ करने लगा पर खुद जीने का अर्थ ही भूल गया, इस गंभीर होती स्थिति को यूनिसेफ और अमेरिका के स्वतंत्र अनुसंधान संस्थान 'हेल्थ इफेक्ट्स इंस्टीट्यूट' की साझेदारी में जारी रिपोर्ट ने बयां किया है, इस रिपोर्ट के आंकड़े परेशान एवं शर्मसार करने के साथ चिन्ता में डालने वाले हैं, जिसमें वर्ष 2021 में वायु प्रदूषण से 21 लाख भारतीयों के मरने की बात कही गई है। ज्यादा दुख की बात यह है कि मरने वालों में 1.69 लाख बच्चे हैं, जिन्होंने अभी दुनिया ठीक से देखी ही नहीं थी। निश्चय ही ये आंकड़े जहां व्यथित, चिन्तीत व परेशान करने वाले हैं। वहीं सरकार के नीति-नियंताओं के लिये यह शर्म का विषय होना चाहिए, लेकिन उन्हें शर्म आती ही कहा है? तनिक भी शर्म आती तो सरकारें एवं उनके कर्ता-धर्मा इस दिशा में गंभीर प्रयास करते। सरकार की नाकामयियों ही हैं कि जिन्दगी विषमताओं और विसंगतियों से घिरी होकर उसे कहीं से रोशनी की उम्मीद दिखाई नहीं दे रही है।

बढ़ता वायु प्रदूषण न केवल भारत के लिये बल्कि दुनिया के लिये एक गंभीर समस्या है। चीन में भी इसी कालखंड में 23 लाख लोग वायु प्रदूषण से मरे हैं। जहां तक

पूरी दुनिया में इस वर्ष मरने वालों की कुल संख्या का प्रश्न है तो यह करीब 81 लाख बतायी जाती है। चिंता की बात यह है कि भारत व चीन में वायु प्रदूषण से मरने वालों की कुल संख्या के मामले में यह आंकड़ा वैश्विक स्तर पर 54 फीसदी है। जो हमारे तंत्र की विफलता, गरीबी और प्रदूषण नियंत्रण में शासन-प्रशासन की कोताही एवं लापरवाही को ही दर्शाता है। इसमें आम आदमी की लापरवाही भी कम नहीं है। आम आदमी को पता ही नहीं होता है कि किन प्रमुख कारणों से यह प्रदूषण फैल रहा है और किस तरह वे इससे बचाव कर सकते हैं। प्रश्न है कि आम आदमी एवं उसकी जीवनशैली वायु प्रदूषण को इतना बेपरवाह होकर क्यों फैलाती है? क्यों आदमी मृत्यु से नहीं डर रहा है? क्यों भयभीत नहीं है? देश की जनता दुख, दर्द और संवेदनहीनता के जटिल दौर से रूबरू है, प्रदूषण जैसी समस्याएं नये-नये मुखौटे ओढ़कर डराती है, भयभीत करती है। विडम्बना तो यह है कि विभिन्न राज्यों की सरकारें इस विकट होती समस्या का हल निकालने की बजाय राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप करती है, जानबूझकर प्रदूषण फैलाती है ताकि एक-दूसरे की छीछालेदर कर सके।

दिल्ली सहित उत्तर भारत के ज्यादातर इलाकों में प्रदूषण बेहद खतरनाक स्थिति में बना रहता है। हालत ये बनते हैं कि कभी-कभी सांस लेना मुश्किल हो जाता है और लोगों को घरों में ही रहने को मजबूर होना पड़ता है। दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, फरीदाबाद, गुरुग्राम में प्रदूषण का बड़ा कारण पड़ोसी राज्यों से आने वाला पराली का धुआं होता है। पराली के बाद पटाखों का धुआं भी बड़ी समस्या है, इसके अलावा सड़कों पर लगातार बढ़ते निजी वाहन, गुणवत्ता के ईंधन का उपयोग न होना, निर्माण कार्य खुले में होना, उद्योगों की घातक गैसों व धुएं का नियमन न होने जैसे अनेक कारण वायु प्रदूषण बढ़ाने वाले हैं। वहीं दूसरी ओर आवासीय कॉलोनियों व व्यावसायिक संस्थानों का विज्ञानसम्मत ढंग से निर्माण न हो पाना भी प्रदूषण बढ़ाने की एक वजह है। यह कैसी शासन-व्यवस्था है? यह कैसा अदालतों की अवमानना का मामला है? यह सभ्यता की निचली सीढ़ी है, जहां तनाव-ठहराव की स्थितियों के बीच हर व्यक्ति, शासन-प्रशासन प्रदूषण नियंत्रण के अपने दायित्वों से दूर होता जा रहा है।

यूनीसेफ की रिपोर्ट में वायु प्रदूषण से 1 लाख 69 हजार बच्चे जिनकी औसत आयु पांच साल से कम बतायी गई है, मौत के शिकार होते हैं। जानलेवा प्रदूषण का प्रभाव गर्भवती महिलाओं पर होने से बच्चे समय से पहले जन्म ले लेते हैं, इनका समुचित शारीरिक विकास सही ढ़ंग से नहीं हो पाता। इससे बच्चों का कम वजन का पैदा होना, अस्थमा तथा फेफड़ों की बीमारियां से पीड़ित होना हैं। हमारे लिये चिंता की बात यह है कि बेहद गरीब मुल्कों नाइजीरिया, पाकिस्तान, बांग्लादेश, इथोपिया से ज्यादा बच्चे हमारे देश में वायु प्रदूषण से मर रहे हैं। विडंबना यह है कि ग्लोबल वार्मिंग तथा जलवायु परिवर्तन के संकट ने वायु प्रदूषण से होने वाली मौतों की संख्या को बढ़ाया ही है। एक अरब चालीस करोड़ जनसंख्या वाले देश भारत के लिये यह संकट बहुत बड़ा है। दिल्ली सहित देश के कई महानगरों में प्रदूषण जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गयी है।

हर कुछ समय बाद अलग-अलग वजहों से हवा की गुणवत्ता का स्तर 'बेहद खराब' की श्रेणी में दर्ज किया जाता है और सरकार की ओर से इस स्थिति में सुधार के लिए कई तरह के उपाय करने की घोषणा की जाती है।

राजकाज

गैस पीड़ितों के 40 साल और सरकारी तंत्र

दुनियां की सबसे बड़ी भोपाल गैस त्रासदी को चार दशक बीत गए, लेकिन न तो यूनियन कार्बाइड कॉरपोरेशन (यूसीसी) प्लांट से अब 337 मीट्रिक टन जहरीला रासायनिक कचरे का निपटान हो सका और न ही गैस पीड़ितों को उचित न्याय ही मिल सका है। 2 और 3 दिसंबर 1984 की दरमियानी भयावह रात की यह त्रासदी अब भी भोपालवासियों की नींद हराम किए हुए है। जहां तक जहरीले रसायन के कचरे का सवाल है तो गैस राहत विभाग के प्रमुख सचिव, संदीप यादव कह चुके हैं कि भस्मीकरण योजना और यूसीसी साइट की सफाई पर निर्णय राज्य सरकार को लेना है। केंद्र सरकार ने धन आवंटित कर दिया है, लेकिन क्रियान्वयन का अंतिम निर्णय प्रदेश सरकार पर निर्भर है। ठीक वैसे ही जैसे कि गैस पीड़ितों के इलाज के लिए केंद्र सरकार व अन्य एजेंसियों ने माकूल व्यवस्था कर दी है, मुआवजा राशि भी आवंटित की जा चुकी है, लेकिन असल में गैस पीड़ितों का हाल क्या है यह देखना राज्य सरकार का काम है। यही वजह है कि 40 साल बाद भी, यह मामला न केवल पर्यावरणीय चिंता का विषय बना हुआ है, बल्कि उन लाखों पीड़ितों के प्रति जवाबदेही की भी मांग कर रहा, जो आज भी न्याय की प्रतीक्षा में लंबी कतार बनाए खड़े हुए हैं।

महाराष्ट्र में आएगी संशय वाली सरकार

महाराष्ट्र के नए सीएम का शपथ ग्रहण समारोह 05 दिसंबर को होने की बात तो की जा रही है, इसमें कौन-कौन शामिल होंगे इस पर भी खुलकर कहा जा रहा, लेकिन सीएम कौन होगा इस पर बात नहीं हो रही है। कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे तो कुर्सी को लेकर बीमार ही हो गए, जबकि अन्य का क्या हाल होगा इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के फैसले पर छोड़ दिया गया है। इससे पहले एनसीपी प्रमुख अजित पवार ने सीएम पद को लेकर कह दिया कि महाराष्ट्र का अगला सीएम बीजेपी से होगा और सत्तारूढ़ महायुति के अन्य घटकों से दो उपमुख्यमंत्री बनाए जाएंगे। यह फार्मूला तो सभी मान रहे हैं, लेकिन कौन होगा इस पर संशय बरकरार है, जिसे लेकर अब कहा जा रहा है कि यही संशय महाराष्ट्र में आने वाली सरकार के स्थायी रहने को भी रहने वाला है, क्योंकि किसी एक दल को तो पूर्ण बहुमत हासिल नहीं हुआ है।

आप की एकला चलो रणनीति

दिल्ली में अगले साल फरवरी 2025 में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियां चारों तरफ तेजी से हो रही हैं। सत्ताधारी आम आदमी पार्टी हो या भाजपा-कांग्रेस, सभी दलों के नेताओं ने प्रभावी लोगों से संपर्क करना प्रारंभ कर दिया है, लेकिन खास बात यह है कि दिल्ली में गठबंधन के तमाम कयासों को विराम लग चुका है। इसकी वजह आप ने साफ कर दिया है कि वह विधानसभा चुनाव में किसी भी पार्टी से गठबंधन करने नहीं जा रही है। हद यह है कि आप ने तो संभावित उम्मीदवारों की सूची भी जारी करना शुरु कर दिया है। ऐसे में दिल्ली विधानसभा चुनाव में त्रिकोणीय मुक़ाबला होना तय माना जा रहा है। कहा जा रहा है कि कांग्रेस और भाजपा भी संभव है कि सभी 70 सीटों पर अपने-अपने उम्मीदवार खड़े करे, लेकिन यदि ये दोनों ही पार्टियां अपने गठबंधन के साथ मैदान में उतरीं तो आप के लिए एकला चलो की नीति नुक्सान वाला सौदा साबित होगा।

फीचर

बच्चों को अवसाद से बचायें

कई बार अवसाद कुछ समय के लिए रहता पर जब यह लगातार रहे तो बिमारी का रुप ले लेता है। आजकल अवसाद के कारण बच्चों और किशोरों में आत्महत्या के मामले बढ़ रहे हैं।

आजकल बड़े ही नहीं बच्चे भी अवसाद का शिकार हो रह हैं। कई बार अवसाद कुछ समय के लिए रहता पर जब यह लगातार रहे तो बिमारी का रुप ले लेता है। आजकल अवसाद के कारण बच्चों और किशोरों में आत्महत्या के मामले बढ़ रहे हैं। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि वे कौन-सी बातें हैं जो बच्चों में अवसाद को बढ़ा रही हैं।

आजकल प्रतिस्पर्धा और भागदौड़ के कारण छोटे बच्चे भी तनाव या चिंता से ग्रस्त हैं। स्कूल की पढ़ाई के बाद ट्यूशन जाना यानी पूरा दिन सिर्फ पढ़ाई में लगे रहने से तनाव शारीरिक तंत्र को कमजोर करता है। हर घंडी चिंता में रहने से शरीर में लगातार कोर्टिसोल हार्मोन बनता है जो उन्हें अवसाद की ओर ले जाता है।

घर में रहने और टीवी देखने से बच्चे कुछ अलग और नया नहीं सीख पाते। इसी वजह से जब भी उनके सामने छोटी सी भी समस्या आती है तो वह उसको सुलझान नहीं पाते और चिंता करने लगते हैं। बाल मनोविज्ञानी कहते हैं कि खेल-कूद से बच्चे अपनी हर समस्या को दूर कर पाते हैं।

माता-पिता को हमेशा लड़ते-झगड़ते देखने से भी बच्चे के दिमाग पर बुरा असर पड़ता है। अपने अभिभावकों को अलग होते और परिवार को टूटता हुए देखकर वह अवसाद के शिकार हो जाते हैं।

बच्चों के खान-पान की वजह से भी वह अवसाद का शिकार हो रहे हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार शूगर की ज्यादा मात्रा का संबंध अवसाद और सिजोफ्रेनिया से है। यह दिमाग के विकास के हार्मोन को भी प्रभावित करती है। अवसाद और सिजोफ्रेनिया के मरीजों में इस हार्मोन का स्तर कम पाया जाता है।

महाराष्ट्र की विजय के शिल्पी वारकरी कीर्तनकार

महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव में भाजपा की महायुति गठबंधन ने 230 सीट जीत कर जो सफलता प्राप्त की है उससे जहां विपक्षी दल भौचके हैं वहीं देश का आम आदमी भी इस उधेड़बुन में है कि आखिर यह चमत्कार हुआ कैसे ? क्या यह चमत्कार है या फिर महा विकास अधा. के प्रति महाराष्ट्र के लोगों की उदासीनता इस महाविजय पर सबके अपने अपने तर्क है लेकिन सच यह है कि भाजपा गठबंधन की जीत का यदि कोई शिल्पकार है तो वह है वारकरी कीर्तनकार जिसके कीर्तन और नाद की आवाज पर महाराष्ट्र का ऐसा पासा पलटा की महा विकास अधाडी को ऐसी हार सामना करना पड़ा जो उनकी उम्मीद से परे था। महाराष्ट्र के विस चुनाव मैं भाजपा प्लस की सफलता के तमाम कारण गिनाए जा रहे हैं और इसको लेकर सबके अपने तर्क हैं। यह इसलिए वाजिव भी है कि चंद माह पूर्व हुए लोकसभा चुनाव में जहां इंडिया गठबंधन को 30 सीट मिली थी वही भाजपा प्लस को 17 सीटों पर संतोष करना पड़ा। इन नतीजों के कारण महा विकास आघाडी यह मानकर चल रहा था की लोस नतीजों को विधानसभा वार फैला लिया जाए तो हम जीत रहे हैं। इसी के चलते एक ऐसा औरा क्रिएट किया गया की महा विकास अधाडी भारी बहुमत से जीत रहा है मगर जब विस चुनाव के नतीजे आए तो कांग्रेस गठबंधन हार के कारण भारी सदमे में आ गया। भाजपा का स्ट्राइक रेट 88 प्रति रहा और केवल 0.67 वोट बढने के साथ भाजपा को132 सीट मिलीं जिसमें 27 सीट का इजाफा हुआ। ठीक इसी तरह एनसीपी अजीत ने 41 सीट जीती जबकि उसका वोट शेयर 9.01 प्रति रहा । ठीक इसी तरह शिवसेना शिंदे गुट के 81 में से 57 प्रत्याशी जीतने में कामयाब रहे। यानी अहम सवाल यह है कि ऐसा कौन सा चमत्कार हुआ कि भाजपा प्लस क्लीन स्वीप करने में सफल रही। दरअसल इस बार के चुनाव जिस तरह से लड़ें गये उसके चलते पिछली बार की अपेक्षा इस बार वोट 5 से 6 प्रतिशत अचानक बढ़ गया और इस बड़े हुए बोट प्रतिशत ने सारे नतीजे में उलट पलट कर दिया। सवाल यह भी है कि लोस चुनाव में भाजपा ,शिव सेना शिन्दे गुट और एनसीपी अजीत को कम वोट मिला था मगर विस चुनाव में उसका वोट प्रतिशत आसमानी सुल्तानी तरीके से कैसे बढ़ गया जिसने इन्हें सत्ता तो दिलाई साथ ही विपक्ष का सूपड़ा साफ कर दिया। इस जीत पर हर कोई अपने-अपने तर्क दे रहा है मगर

आलोक एम इन्दौरिया

सच यह है कि इस जीत के असल शिल्पकार वारकरी कीर्तनकार ही है जिनकी इस चुनाव में भूमिका की पूरी पटकथा संघ के द्वारा लिखी गई थी। लगभग तीन सैकड़ा साल पूर्व से ही वारकरी कीर्तनकार पूरे महाराष्ट्र में गांव गांव कीर्तन यात्रा निकलते आ रहे हैं और महाराष्ट्र की लोक संस्कृति तथा समाज में इन कीर्तनकारियों के प्रति गहरी आस्था और श्रद्धा आज तक सतत चली आ रही है। वारकरी एक तरह से महाराष्ट्र के ग्रामीण जनजीवन की वो धुरी हैं जिस पर वहां का भोलाभाला ग्रामीण अटूट आस्था रखता है। यही देखते हुए प्रधानमंत्री मोदी आलंदी ,देहू स्थित संत तुकाराम एवं संत ज्ञानेश्वर महाराज के मंदिर पर धोक अर्ज करने गये। इससे वारकरी कीर्तनकारी संप्रदाय सीधा मोदी और भाजपा से कनेक्ट हो गया। महाराष्ट्र में इस मुहिम से जुड़े पुणे के डॉक्टर तुषार पाचुनदकर भी इस बात को मानते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी की इस पहल का पूरे महाराष्ट्र के वारकरी कीर्तन करो में बहुत गहरा प्रभाव पड़ा था, जिसका पूरा फायदा भाजपा को मिला। जितना इस चुनाव को भाजपा प्लस और मोदी ने लड़ा उससे कहीं ज्यादा खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में इन वारकरी कीर्तनकारों ने लड़ा। यह सारा काम किसी को दिखा नहीं या किसी ने इसको देखने और समझने की कोशिश नहीं की। कार्तिक मास से पहले ही गांव गांव में वारकरी कीर्तन यात्राएं प्रारंभ हो जाती है और इस कीर्तन यात्राओं के माध्यम से संघ हिंदुओं को न केवल एकजुट करने में सफल रहा बल्कि उन्हें मतदान केंद्र तक भी खींचकर ले आया। बताया जाता है कि कीर्तन कारों के सारे काम का समन्वयं संघ ने किया और मार्के की बात यह है कि संघ इस पूरे कार्यक्रम के दौरान कहीं भी सामने नजर नहीं आया। इसी के चलते विपक्षी राजनीतिक दलों को इस पूरे काम की भनक भी नहीं पड़ी और पिछली बार की अपेक्षा 5 से 6त्न वोट ज्यादा गिरा जो एक मुश्त हिंदू वोट बताया जा रहा है । वही मुस्लिम वोट मतदान के प्रति शुरू से ही जागरूक रहा है और उनका वोट प्रतिशत हमेशा की तरह यथावत ही रहा है। ऐसा माना जाता है कि जिस तरह से मुस्लिम वोटो को लेकर फतवे जारी किए गए थे उसके चलते उनका वोट भाजपा प्लस को मिलना संभव नहीं लग रहा था । विश्लेषकों की नजर में भाजपा की जीत के पीछे हिंदू वोटरों का एकजुट होना ही मुख्य कारण माना जा रहा है ।एक मोटे अनुमान के अनुसार महाराष्ट्र में मुस्लिम बोटर 11 प्रतिशत के आसपास है और कुछ सीटों सीटों पर वे 25 प्रतिशत से भी अधिक है लेकिन फिर भी केवल 10 मुस्लिम उम्मीदवार ही जीत सके क्यों। इसी के चलते जहां भाजपा प्लस को 48त्न से अधिक वोट मिले वही महायुति अधाडी को 38त्न वोटो पर ही संतोष करना पड़ा और 10त्न के इस अंतर ने भाजपा को सत्ता सीन करा दिया। यदि विधानसभा बार आंकड़ों को देखा जाए तो शायद ज्ञात होगा कि ग्रामीण क्षेत्रों में भाजपा प्लस को वोट ज्यादा मिला है और इन्हीं वोटो की दम पर भाजपा ने जीत का रिकॉर्ड बनाया है। इन सभी ग्रामीण बोटों को भाजपा से जोड़ने में इन वारकरी कीर्तन कारों की ही मुख्य भूमिका बताई जाती है जिन्होंने सनातन, हिन्दुत्व और एकता के नाम पर हिंदुओं को कीर्तन और मृदंग की दम पर न केवल एक किया बल्कि यह एकता बड़े हुए थोक बंद वोट प्रतिशत के रूप में पोलिंग बूथ तक भी पहुंची। हिंदुओं के इस जन जागरण को शायद मराठा आंदोलन के नेता भांप गए थे और उन्होंने अचानक से पूरे आंदोलन को एक तरह से वाइंड अप करके खुद को साइड लाइन कर लिया था क्योंकि वह जानते थे की जिस तरह का माहौल मराठी मानुष में हिन्दुत्व को लेकर बन रहा है वह उनके लिए नुकसानदेह साबित हो सकता है। मगर हैरत की बात है की महाराष्ट्र के राजनीतिक मंच से अचानक से मराठा आंदोलन के थमने को भी विरोधी दल ने गंभीरता से नोटिस ही नहीं लिया। बरहाल वारकरी कीर्तन कारों ने भाजपा प्लस को सत्ता सीन कराने में जो भूमिका निभाई है उसके बारे में अभी कहीं चर्चा नहीं है लेकिन धीरे-धीरे अब यह सच सामने आता जा रहा है की कीर्तन कारो का समूह भी सत्ता परिवर्तन करने में अहम भूमिका निभा सकता है ठीक भक्ति काल की तरह जब विदेशी आक्रांताओं से इस देश की संस्कृति और धर्म को सुरक्षित रखने के लिए कीर्तन कारों ने अपनी अहम भूमिका निभाई थी और कीर्तन की दम पर भारतीयता को सुरक्षित रखने में कामयाब भी हुए लेकिन तमाम बलिदानों के बाद। **(लेखक वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक है)**

प्रेरणा

प्रतिभा की पहचान

यूनान के किसी गांव का एक लड़का लकड़ियां काटकर गुजारा करता था। वह दिन भर जंगल में लकड़ियां काटता और शाम को पास के शहर के बाजार में उन्हें बेच देता था। एक दिन एक विद्वान व्यक्ति बाजार से जा रहा था। उसकी नजर बालक के गट्ठर पर पड़ी जो बेहद कलात्मक ढंग से बंधा था। उसने उस लड़के से पूछा- क्या यह गट्ठर तुमने खुद बांधा है? लड़के ने जवाब दिया- जी हां, मैं दिन भर लकड़ी काटता हूं, स्वयं गट्ठर बांधता हूं और रोज शाम को बाजार में बेच देता हूं। उस व्यक्ति ने कहा- क्या तुम इसे खोलकर इसी प्रकार दोबारा बांध सकते हो?

लड़के ने गट्ठर खोला तथा बड़े ही सुंदर तरीके से उसे फिर बांध दिया। यह कार्य वह बड़े ध्यान, लगन और फुर्ती के साथ कर रहा था। लड़के की एकाग्रता, लगन तथा कलात्मक रीति से काम करने के तरीके ने उस व्यक्ति को काफी प्रभावित किया। उसे बच्चे में काफी संभावना नजर आई। उसने पूछा- क्या तुम मेरे साथ चलोगे? मैं तुम्हें अपने साथ रखूंगा, शिक्षा दिलाऊंगा। तुम्हारा सारा खर्चा मैं उठाऊंगा। बालक ने सोच-विचार कर अपनी स्वीकृति दे दी और उसके साथ चला गया। उस व्यक्ति ने बालक के रहने और उसकी शिक्षा का प्रबंध किया। वह स्वयं भी उसे पढ़ाता था और नई-नई बातें सिखाता था। थोड़े ही समय में उस बालक ने उच्च शिक्षा हासिल की और काफी कुछ ज्ञान अर्जित कर लिया। बड़ा होने पर यह बालक यूनान के महान दार्शनिक पाइथागोरस के नाम से प्रसिद्ध हुआ। और जिस व्यक्ति ने उसे अपने यहां रखा था वह था यूनान का विख्यात तत्व ज्ञानी डेमोप्रीट्स।

अपनी बात

महाराष्ट्र के कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि सरकार गठन पर बातचीत चल रही है और सभी निर्णय महायुति के तीनों सहयोगियों शिवसेना, भाजपा और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) द्वारा आम सहमति से लिए जाएंगे। अपने पैतृक गांव के दौरे पर शिंदे ने कहा कि वह नियमित रूप से अपने गांव आते हैं और उनके दौरे को लेकर कोई भ्रम नहीं होना चाहिए।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश सरकार के समाज कल्याण विभाग की तरफ से होने वाला मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम एक तरफ सामाजिक समता का प्रतीक हैं तो वहीं दूसरी तरफ यह समाज की बड़ी विकृति दहेज प्रथा पर कड़ा प्रहार भी है। योगी रविवार को हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड (खाद कारखाना) के परिसर में 1200 जोड़ों के मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह को संबोधित कर रहे थे।

ब्रीफ न्यूज

खेत में पानी देने को लेकर मां और बेटियों से मारपीट

गुना। जिले के राघौगढ़ थानांतर्गत ग्राम नागंनपुर में खेत में पानी देने को लेकर मां और उसकी दो बेटियों के साथ पड़ोसियों ने मारपीट कर दी। प्राप्त फरियादिया शीना बाई पत्नि कल्लु बंजारा ने अपने पति कल्लु बंजारा, लड़की पूजा बंजारा, राधा बंजारा के साथ पुलिस को शिकायत दर्ज कराई कि गत दिवस वह अपने माढ वाले खेत पर थी। वहां पर उसकी दोनों लड़किया पूजा बंजारा एव राधा बंजारा थी। पास में ही फूलसिह बंजारा, हीरालाल बंजारा व नाहरसिह बंजारा अपनी पानी की मोटर चला रहे थे। उन लोगों ने पानी के पाईप मेरे खेत मे होकर निकाल रखी थी। जिस पर उसने कहा कि इन पानी के पाईप को यहा हटाकर मेड पर होकर निकाल लो। इसी बात पर से तीनों ने गाली गलौंच कर मारपीट शुरू कर दी। बीच बचाव करने आई उसकी दोनों बेटियों के साथ भी आरोपियों ने मारपीट की। फिलहाल मामले में पुलिस ने फरियादिया की शिकायत पर आरोपियों पर मारपीट सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है।

बाईक सवार युवक को डायल-100 ने कराया अस्पताल में भर्ती

गुना। जिले के विजयपुर थाना दौराना के पास एक बाईक सवार युवक बाईक के अनियंत्रित होकर गिरने से घायल हो गया। जिसे डायल-100 के जवानों ने अस्पताल में भर्ती कराया। प्राप्त जानकारी के अनुसार विजयपुर थाना क्षेत्र में दोराना के पास एक मोटर साईकिल के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से एक व्यक्ति घायल हो गया। सूचना पर मौके पर डायल-112/100 स्टाफ आरक्षक जगदीप तोमर एवं पायलेट कृष्णा मीणा पहुंचे। जिसमें मोटर साइकिल के अनियंत्रित हो जाने से हरिओम कुशवाह पिता विजय कुशवाह निवासी पालिका बाजार विजयपुर मोटर साइकिल से गिर कर घायल हो गया था। जिसे डायल-100 ने तत्काल शासकीय अस्पताल राघौगढ़ पहुँचाया। जहां से प्राथमिक उपचार उपरांत घायल को जिला अस्पताल गुना रैफर किया गया।

शुभारंभ गुना जिले के पूर्व सीएमएचओ डॉ. रामवीर सिंह रघुवंशी ने हरी झण्डी दिखाकर किया

विश्व एड्स दिवस पर जन-जागरूकता रैली का आयोजन किया गया

सत्ता सुधार ■ गुना

रेड रिवन क्लब एंव राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के संयुक्त तत्वाधान में ओमकार महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा विश्व एड्स दिवस के अवसर पर एड्स जागरूकता अभियान के तहत जन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ गुना जिले के पूर्व सीएमएचओ डॉ. रामवीर सिंह रघुवंशी ने हरी झण्डी दिखाकर किया। यह रैली जिला चिकित्सालय से होकर जय स्तम्भ चौराहा, बोहरा मस्जिद, मार्ग से होते हुए जिला चिकित्सालय पर समाप्त हुई। इस रैली में विद्यार्थियों द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से एच.आई.वी एड्स के संक्रमण की जानकारी प्रदान की गई। वहीं छात्र-छात्राओं ने श्लोगन के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। इस रैली का उददेश्य लोगों

को एड्स बीमारी के प्रति जागरूक करना व एड्स के बारे में संपूर्ण जानकारी प्रदान करना व इसके लक्षण एवं बचाव के उपायों से अवगत कराना था। कार्यक्रम से पूर्व ओमकार महाविद्यालय में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुऐ महाविद्यालय के चैयरमेन प्रदीप सेन ने बताया कि एड्स की संपूर्ण जानकारी के अभाव में लोग इसका समय रहते हुए उपचार नहीं कर पाते हैं। जिससे लोगों को अनेक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पडता है। जिससे उस परिवार पर आर्थिक बोझ पडता है। इसलिए समय रहते एड्स की पूर्ण जानकारी होना आवश्यक है। इसी तारतम्य में महाविद्यालय की संचालिका डॉ. मधु कृष्णानी ने इस वर्ष की थीम सही रास्ता अपनाएँ मेरा स्वास्थ्य मेरा अधिकार पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सभी लोगों को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहते हुए है, एड्स जैसी घातक बीमारियों से सावधान रहना चाहिए। एवं अपने अधिकारों के प्रति सजग रहना चाहिए। इस अवसर पर जिला चिकित्सालय में रैली के उपरान्त डॉ. रामवीर सिंह रघुवंशी ने छात्र-छात्राओं को सम्बोधित करते हुए बताया कि एड्स एवं योन रोगों के प्रति सभी को जागरूक रहना चाहिए एवं समय-समय अपने स्वास्थ्य की जाँच करवानी चाहिए उन्होने विशेष रूप से ध्यान आकर्षित करते हुए सभी को सलाह दी कि माता पिता को अपने बच्चो की शादी से पहले एच आई वी एंव अन्य बिमारीयों की जाँच करवानी चाहिए। इस अपसर पर डॉ. गौरव तिवारी पूर्व टीबी एवं एच आई वी नोडल आधिकारी, डॉ. अमित श्रीवास्तव टीबी एवं एचआईवी नोडल आधिकारी, लाल सिंह धाकड़ आईसीटीसी काउन्सलर, सचिन भार्गव एसटीआई, एसएस के काउन्सलर, संदीप मेहरा ईएसएल बिहान डिस्ट्रिक कोर्डिनेटर, चांदनी भारती एसएसके प्रोग्राम प्रोग्राम मैनेजर, रोशनी जोशी एसएसके प्रोग्राम ओआरडब्लू, अर्जुन साहू एसएस के प्रोग्राम ओआरडब्लू, केशव झा टीआई प्रोग्राम मैनेजर एंव महाविद्यालय के रेड रिवन क्लब एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के प्रभारी मनीष श्रीवास्तव समस्त शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार के विरोध में बड़ा प्रदर्शन तीन दिसंबर को

उमा शर्मा और दिनेश श्रीवास्तव ने समाज के लोगों से प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की

सत्ता सुधार ■ गुना

शहर में हिन्दू समाज ने बांग्लादेश में हिन्दू और अन्य अल्पसंख्कों पर बढ़ते अत्याचार, हिंसा, हत्या, बलात्कार और मंदिरों पर हमलों के खिलाफ 3 दिसंबर को बड़े प्रदर्शन का आयोजन किया जाएगा। इस विरोध प्रदर्शन की जानकारी देने के लिए गायत्री शक्तिपीठ पर एक प्रेसवार्ता आयोजित की गई। जिसमें गायत्री परिवार के वरिष्ठ सदस्य एनपी शर्मा, संत सियाराम दास महाराज, प्रमुख ट्रस्टी प्रद्युम्न सिंह चौहान, महिला मंडल प्रमुख उमा शर्मा और दिनेश श्रीवास्तव ने समाज के लोगों से प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की।

प्रदर्शन का स्वरूप

प्रेसवार्ता में बताया गया कि प्रदर्शन 3 दिसंबर को दोपहर 1 बजे हनुमान चौराहे से शुरू होगा। यह मौन प्रदर्शन शहर के प्रमुख मार्गो से गुजरते हुए शास्त्री पार्क पर समाप्त होगा। मार्ग में हाट रोड, सदर बाजार और लक्ष्मीगंज शामिल होंगे। इससे पहले, 2 दिसंबर को मंदिरों में भजन-कीर्तन और प्रार्थना सभाएं आयोजित की जाएंगी। 4 दिसंबर को खंड स्तर पर आरोन, बमोरी, कुंभराज और बीनागंज जैसे स्थानों पर प्रदर्शन किया जाएगा।

संतों और नेताओं की अपील

संत सियाराम दास महाराज ने कहा कि हिन्दू समाज विभिन्न अवसरों पर अपने आराध्य के लिए एकजुट होता है, लेकिन अब समय आ गया है कि सभी समुदाय एकजुट होकर इस अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाएं। उन्होंने सभी समाजों के अध्यक्षों और युवाओं से प्रदर्शन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने का आग्रह किया। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि जो बच्चे और युवा गणेश उत्सव और देवी झांकियां लगाते हैं, उन्हें इस प्रदर्शन में भाग लेकर अपनी उपस्थिति दर्ज करानी चाहिए।

बांग्लादेश में बिगड़ते हालात

वक्ताओं ने कहा कि बांग्लादेश में नई सरकार के आने के बाद हिन्दू, बौद्ध और ईसाई समुदायों की स्थिति अत्यंत दयनीय हो गई है। कट्टरपंथियों द्वारा घरों में घुसकर लोगों की हत्या, मंदिरों को तोड़ने और दुकानों को जलाने की घटनाएं आम हो गई हैं। हिन्दू और अन्य अल्पसंख्यकों को नौकरियों से निकाला जा रहा है। सरकार के इस भेदभावपूर्ण रवैये और मानवाधिकार उल्लंघनों पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय की चुप्पी को भी आड़े हाथों लिया गया।

मानवता के लिए एकजुट होने की जरूरत: प्रेसवार्ता में वक्ताओं ने कहा कि इन हालातों के खिलाफ अब हिन्दू समाज को मानवता के लिए खड़ा होना होगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इन घटनाओं पर रोक नहीं लगाई गई, तो स्थिति और भी गंभीर हो सकती है। वक्ताओं ने यह भी कहा कि बांग्लादेश में जो अत्याचार हो रहे हैं, वे मानवता के लिए शर्मनाक हैं और इसके खिलाफ आवाज उठाना हर इंसान का कर्तव्य है। इस विरोध प्रदर्शन में विभिन्न संगठनों और समाजों के अध्यक्ष, पदाधिकारी और बड़ी संख्या में लोग भाग लेंगे।

विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल की जिला बैठक संपन्न

गुना। सोनी कॉलोनी में आज विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल की जिला बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में विभाग से मंत्री दिलीप कुशवाह ने मार्गदर्शन प्रदान किया। इस अवसर पर आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई, जिसमें त्रिशूल दीक्षा, थोड़े संचालन, धर्म रक्षा दिवस, और धर्म रक्षा निधि प्रमुख विषय रहे। बैठक में यह भी तय किया गया कि 2024 में गुना नगर में सकल हिंदू समाज द्वारा बांग्लादेश में हो रहे हिंदुओं पर अत्याचार के विरोध में एक बड़े प्रदर्शन का आयोजन किया जाएगा। इस प्रदर्शन की सफलता के लिए सभी कार्यकर्ताओं ने मिलकर योजनाएं बनाई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अमृतलाल सोलंकी ने की। इसमें जिला मंत्री राकेश शर्मा, जिला संयोजक भूपेन कुशवाहा, जिला से मंत्री रामप्रसाद और जिला प्रसार राजेंद्र सिंह कुशवाहा समेत कई वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में वक्ताओं ने हिंदू समाज की एकजुटता और धर्म रक्षा के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि धर्म और समाज की रक्षा के लिए सभी कार्यकर्ताओं को मिलकर काम करना होगा। बैठक का समापन संगठन की आगामी योजनाओं को लागू करने के संकल्प के साथ हुआ। बैठक में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने संगठन की नीतियों और कार्यक्रमों के प्रति पूर्ण समर्पण का संकल्प लिया।

जिले में वर्तमान में खाद की स्थिति

गुना। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास द्वारा दी गई जानकारी अनुसार जिले में रबी 2024-25 में 65615 मे.टन खाद प्राप्त हुआ है। जिसमें 32077 मे.टन यूरिया, 10279 मे. टन डीएपी, 9149 मे. टन एनपीके, 13902 मे.टन एसएसपी, 208 मे.टन एमओपी है। जिले में 01 अक्टूबर 2024 से आज दिनांक 30 नवम्बर 2024 तक 56654 मे.टन खाद वितरण हो चुका है।

पेंशन पार्क में किया श्रमदान

गुना। नगरपालिका सीएमओ तेज सिंह यादव के आदेश अनुसार नगर पालिका परिषद की सहयोगी टीम सिद्धिविनायक बेस्ट मैनेजमेंट और सर्विस के मार्गदर्शन में टीम मेंबरों द्वारा पेंशन पार्क के सदस्यों के सहयोग से पार्क में श्रमदान किया गया। नगर पालिका परिषद गुना द्वारा जज्जी बस स्टैंड पर बनाये गये आर आर आर सेंटर के लिए पेंशनर्स सदस्यो द्वारा गर्म कपड़े भेंट किए गए।

एड्स नियंत्रण समिति गुना द्वारा विभिन्न गतिविधियों के साथ आयोजित किया 'विश्व एड्स दिवस' का शुभारंभ

सत्ता सुधार ■ गुना

कलेक्टर डॉ. सतेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर राजकुमार ऋषिश्वर के नेतृत्व में जिला अस्पताल से रैली का शुभारंभ किया गया। जिसके बाद रैली के माध्यम से शहर के विभिन्न मार्गो से होते हुए एड्स के प्रति जागरुकता का प्रचार-प्रसार किया गया। साथ ही जयस्तंभ चौक, बोहरा कॉम्प्लेक्स एवं जिला अस्पताल में ओमकार कॉलेज के छात्र-छात्राओं द्वारा नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया साथ ही मानव श्रृंखला बनाकर एचआईव्ही/एड्स के प्रति जागरुकता संदेश दिया गया। तत्पश्चात कलेक्ट्रेट परिसर में कलेक्टर डॉ. सतेन्द्र सिंह, एसडीएम शिवानी पाठक सहित अन्य अधिकारी/ कर्मचारियों को रेड रिबन लगाया गया। उक्त कार्यक्रम में जिला एड्स नियंत्रण समिति के नोडल अधिकारी डॉ अमित श्रीवास्तव, डॉ. गौरव तिवारी (मेडिसिन विशेषज्ञ), पूर्व सीएमएचओ डॉ. रामवीर सिंह रघुवंशी, डॉ. राहुल (मेडिसिन विभाग), ओमकार कॉलेज के चेयर मेन प्रदीप सेन, संचालिका डॉ मधु कृष्णानी, राष्ट्रीय सेवा योजना एवं रेड रिबन क्लब प्रभारी मनीष श्री वास्तव, आईसीटीसी काउंसलर लाल सिंह धाकड़, एसटीआई काउंसलर सचिंद्र भार्गव, संपूर्ण सुरक्षा केंद्र से प्रोग्राम मैनेजर चांदनी भारती, सीएससी विहान डिस्ट्रिक्ट कोर्डिनेटर संदीप मेहरा, सम्पूर्ण सुरक्षा केंद्र से आउट रीच वर्कर अर्जुन साहू, रोशनी जोशी सहित टी आई स्टाफ से प्रोग्राम मैनेजर केशव झा एवं उनकी पूरी टीम संगीता कोर काउंसलर, पूजा शर्मा, नवदीप कौर, प्रमोद केवट उपस्थित रहा।

सत्ता न्यूज

गुना में सीजन की सबसे ठंडी रात, पारा 9.6 डिग्री पर पहुंचा

सत्ता सुधार ■ गुना

जिले में सर्दी ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। शनिवार-रविवार की दरम्यानी रात मौसम का अब तक का सबसे ठंडा दिन रिकॉर्ड किया गया। न्यूनतम तापमान 9.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस सीजन का सबसे कम है। ठंडी हवाओं और शुष्क मौसम के चलते लोगों ने ठिठुरन महसूस की।

ठंड का असर बढ़ा

शहर और ग्रामीण इलाकों में तापमान में गिरावट के कारण सुबह और रात के समय ठंड बढ़ गई है। मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार रात को 79 फीसदी आर्द्रता (नमी) दर्ज की गई। दिन में धूप खिली रही, लेकिन शाम ढलते ही सर्द हवाओं ने ठंड बढ़ा दी।

बढ़ी ठंड से जनजीवन प्रभावित

ठंड बढ़ने के साथ ही शहर में गर्म कपड़ों की मांग बढ़ गई है। लोग बाजारों में स्वेटर, जैकेट और रजाई खरीदते नजर आए। रात के समय लोग अलाव जलाकर ठंड से बचने की कोशिश कर रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों को भी सुबह-सुबह खेतों में काम करते समय ठंड का सामना करना पड़ रहा है।

आगे कैसा रहेगा मौसम

मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में तापमान में और गिरावट हो सकती है। शुष्क हवाओं के चलते ठंड का असर तेज होने की संभावना है। रात का तापमान 8-9 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है।

स्वास्थ्य पर ध्यान देने की सलाह

डॉक्टरों ने लोगों को ठंड के मौसम में विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। बुजुर्ग, बच्चे और हृदय रोगी ठंड से बचाव के लिए गर्म कपड़े पहनें और गर्म पेय का सेवन करें।

50 हजार रुपए के गांजे के साथ महिला और उसका साथी को पुलिस ने दबोचा

सत्ता सुधार ■ गुना

जिले की रुठियाई पुलिस चौकी ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए अजरोड़ा रोड माता पठार क्षेत्र में नाकाबंदी कर महिला एवं उसके पुरूष साथी को कुल 3.336 किलोग्राम अवैध गांजे के साथ दबोचा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति और महिला सिल्वर रंग की बिना नंबर की मोटरसाइकिल पर अवैध मादक पदार्थ लेकर आ रहे हैं। टीम ने अजरोड़ा रोड पर नाकाबंदी कर उन्हें रोका। इ दौरान महिला भागने का प्रयास कर रही थी, लेकिन पुलिस ने दोनों को

घेरकर पकड़ा। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राजा खान (26), निवासी मीट मार्केट, विजयपुर, और नैनीबाई मीना (40), निवासी पालिका बाजार, विजयपुर के रूप में हुई। दोनों के बैग लेने पर राजा खां के पास से 1.692 किलोग्राम गांजा एवं नैनीबाई मीना के पास से 1.644 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। जिसकी कुल कीमत 50,000 रुपए हैं। दोनों आरोपियों ने कबूला कि वे उड़ीसा से गांजा लाकर स्थानीय स्तर पर फुटकर में बेचते थे। फिलहाल मामले में पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत मामला दर्ज कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

संक्रामक रोगों को आम तौर पर लोग संजीदगी से नहीं लेते। भारत में ज्यादातर लोग मुंहासों के इलाज के लिए या तो घरेलू नुस्खे अपनाते हैं या उन्हें पूरी तरह से अनदेखा कर देते हैं। बहुत कम लोग होते हैं जो डॉक्टर के पास जा कर इलाज कराते हैं। ज्यादातर लोग इस बात से अनजान हैं कि मुंहासे पैदा करने वाला बैक्टीरिया एमआरएसए जानलेवा भी हो सकता है।

जानलेवा बैक्टीरिया एमआरएसए

मुंहासे पैदा करने वाला मेथिसिलिन रेसिस्टेंट स्टेफीलोकोकस ऑरेउस या एमआरएसए एक ऐसा बैक्टीरिया है. जो आम तौर पर त्वचा पर आक्रमण करता है। अमेरिका में ज्यादातर त्वचा के रोग इसी विषाणु के कारण होते हैं। मुंहासों तक तो इन पर काबू कर लिया जाता है, लेकिन अगर यह किसी चोट द्वारा खून के अंदर पहुंच जाएं, तो यह शरीर को भारी नुकसान पहुंचा सकता है। खास तौर से ऑपरेशन के दौरान अगर ध्यान न दिया जाए तो यह पूरे शरीर में इन्फेक्शन फैला सकता है।

एंटी बायोटिक का असर नहीं

एमआरएसए को सबसे पहली बार 1961 में खोजा गया था। इससे छुटकारा पाने के लिए एंटी बायोटिक का इस्तेमाल भी किया गया, लेकिन इतने वर्षों में इन विषाणुओं ने खुद को इन दवाइयों के हिसाब से ढाल लिया है। मेथिसिलिन, अमोक्सिसिलिन, मेथिसिलिन रेसिस्टेंट स्टेफीलोकोकस ऑरेउस या एमआरएसए पेनिसिलिन, ओक्ससिलिन जैसे ज्यादातर एंटी बायोटिक अब इन पर काम करने में विफल रहते हैं। वैज्ञानिक अब नए एंटी बायोटिक बनाने में लगे हैं।

यूरोप में लाखों बीमार

यूरोप में हर साल चालीस लाख से अधिक लोग अस्पतालों में इन्हीं एमआरएसए विषाणुओं का शिकार होते हैं। इनमें से 35,000 जर्मनी में हैं। एक अध्ययन के अनुसार यूरोप में हर साल 37,000 लोग इसलिए अपनी जान गंवा बैठते हैं, क्योंकि वे अस्पताल में आकर बीमार पड़ते हैं और समय रहते उनका सही इलाज नहीं हो पाता। यूरोपीय संघ कोशिश कर रहा है कि अस्पतालों में साफ-सफाई के मापदंड अब और भी सख्त कर दिए जाएं।

मरीज की पहचान जरूरी

जर्मन सोसाइटी फॉर हॉस्पिटल हाइजीन चाहता है कि जर्मनी के हर अस्पताल में मरीज को भर्ती करने से पहले उसकी पूरी तरह से जांच कर ली जाए कि कहीं वह अपने साथ इस कीटाणु को तो नहीं लाया है। ऐसा करना इसलिए जरूरी है, ताकि मरीज की पहचान कर ली जाए और उसे बाकी मरीजों से अलग रखा जाए। जर्मनी, फ्रांस और पोलैंड में 25 प्रतिशत मरीजों में यह कीटाणु पाया गया। स्पेन और तुर्की जैसे अन्य दक्षिण यूरोपीय देशों में हालात और भी खराब हैं। वहां 50 प्रतिशत मरीज इस विषाणु से संक्रमित हैं।

एमआरएसए का बढ़ता खतरा

पिछले वर्षों में एमआरएसए के केस इतनी तेजी से बढ़े हैं कि अब इसे कामकाज संबंधी बीमारी के रूप में देखा जा रहा है। जर्मन सोसाइटी फॉर हॉस्पिटल हाइजीन के अनुसार जर्मनी में 80 प्रतिशत अस्पतालों में एमआरएसए का खतरा है। इन अस्पतालों से कड़े रूप से यह कहा जा रहा है कि जो लोग साल में एक से ज्यादा बार अस्पताल में भर्ती हो रहे हों, उनकी पूरी जांच की जाए।

क्या आप जानते हैं?

क्या है डीप वैन थ्रोमयोसिस यानी 'डी वी टी '? लम्बी दूरी की थकाऊ उड़ान की कीमत अकसर पैरों और हमारी जंघाओं को चुकानी पड़ती है ।

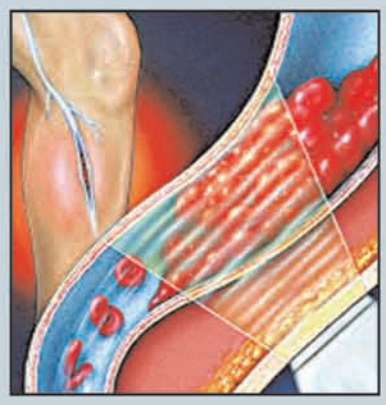

लक्षण

लम्बी दूरी उड़ान के दौरान काल्फ जैसी डीप वैन्स (निचली शिराओं में) खून का थक्का बनने लगता है। साथ में बेहद का दर्द और इन्फ्लेमेशन होने लगता है। बस यही है 'डीप वैन थ्रोम -योसिस' के लक्षण।

समाधान

डी वी टी का समाधान भी सीधा सरल है। हर एक घंटे के बाद प्लेन में एक सिरे से दूसरे तक टहलिए । पैर लटकाकर बैठे मत रहिए। खूब पानी पीजिए (हाई -डरै - टिड रखिये शरीर को) हो सके तो किसी भी प्रकार पैरों को एलीवेटिड रखिए । वैसे आप को बता दें कि आजकल फ्लाइट के दौरान पहने जाने वाले विशेष मौजे (सॉक्स)भी उपलब्ध हैं ।

यह फ्लाईट सॉक्स खास तौर पर डिजाइन किए गए कम्प्रेशन होजरी से तैयार किये जाते हैं। ये रक्त प्रवाह को पैरों की और मोड़ कर दिल तक ले जाते हैं। यह पैरों पर इस तरह से दबाव (प्रेशर) डालते हैं, जिससे दर्द घुटनों से पैरों के टखनों (एंकल) की ओर मुड़ जाता है।

हाउस वाइफ रीता आजकल बहुत चिंतित रहने लगी है। दरअसल महीने मे यह तीसरी बार है की वह अपने 6 वर्षीय बेटे रिंकू को स्थानीय अस्पताल मे दिखाने लाई है। रिंकू को बार बार दस्त हो रहे है। मात्र 4 दिन पहले ही रिंकू को इसी अस्पताल से छुट्टी मिली थी, तब उसे उल्टी दस्त की वजह से 2 दिन के लिए अस्पताल मे भर्ती किया गया था।

घर के बर्तन भी फैलाते हैं रोग

बाल रोग विशेषज्ञ ने रीता को बताया की रिंकू की बीमारी खाने से उत्पन्न बैक्टीरिया की वजह से हुई है। इसलिए उसे रिंकू की खानपान की आदतों के प्रति खास तौर पर चौकन्ना रहना होगा। डॉक्टर ने रीता को यह भी बताया कि अपने बच्चे को खाना देते वक्त उसे क्या करना है और क्या नहीं।

डॉक्टर द्वारा दी गई सूची को पूरा पढ़ने के बाद लगा जैसे रीता रो पड़ेगी, क्योंकि इस सूची में ऐसा कोई काम नहीं था जो उसने न किया हो। एक शिक्षित व समझदार मां के तौर पर रीता ने बहुत अच्छी तरह अपने बच्चे की सेहत व भलाई के हरसंभव कदम उठाया था।

रीता ने हमेशा यह सुनिश्चित किया कि रिंकू वही पानी पीए जो छना व उबला हुआ हो। उसने अपने बच्चे को हमेशा ताजा बना हुआ भोजना दिया। वास्तव में रीता के पति व उसकी सहेलियां उसका यह कह कर मजाक भी उड़ाते थे कि अपने बेटे के मामले में वह कुछ ज्यादा ही हाइजीनिक है। रीता ने बहुत सोचा, लेकिन फिर भी वह उस कारण को नही ढूंढ़ पाई, जिस वजह से उसके बेटे को बार बार संक्रमण हो रहा था।

उदाहरण मात्र है

रीता तो मात्र एक ही उदाहरण है। हमारे देश मे ऐसी हजारों माताएं हैं जो उस कारण को खोज रही हैं, जिसकी वजह से उनके बच्चे व परिवार के अन्य सदस्य बार बार बीमार पड़ते हैं। किंतु लगातार प्रयासों के बावजूद भी वे इन संक्रामक बीमारियों को अपने घर से दूर नहीं रख पा रही हैं।

वरिष्ठ चिकित्सकों के अनुसार

जब हम भोजन की साफ-सफाई के बारे में बात करते हैं तो बर्तनों का जिक्र शायद ही कभी आता हो। वास्तव में बर्तन भोजन संबंधी स्वच्छता का सबसे अहम हिस्सा हैं, क्योंकि बर्तनों में ही खाना पकाया, परोसा और ले जाया जाता है। जिन बर्तनों को ठीक से धोया नहीं जाता, उनमें ऐसे जीवाणु पनप जाते हैं, जो रोगकारक होते हैं और ऐसे बर्तनों से बीमारी फैल सकती है।''

तो क्या है इसका हल?

सर्वश्रेष्ठ तरीका तो यही है कि बर्तनों को रोगाणुओं से मुक्त किया जाए। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए सलाह दी जाती है कि बर्तनों को धोने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली सामग्री में जीवाणुनाशक एजेंट होना चाहिए। लेकिन यह भी ध्यान रखने योग्य बात है कि बर्तन धोने के लिए जो रासायनिक एजेंट इस्तेमाल किए जाएं वे सुरक्षित हों और उनसे किसी किस्म का नुकसान न हो। साइक्लोजैन ऐसा रोगाणुरोधी एजेंट हैं, जो इस उद्देश्य को पूरा करते हैं।

उद्देश्य को पूरा करते हैं साइक्लोजैन

साइक्लोजैन मानव इस्तेमाल के लिए सुरक्षित हैं और ये बर्तनों से 85 प्रतिशत बैक्टीरिया को साफ करने में सक्षम हैं। ये रसायन बैक्टीरिया को धो डालते हैं और लगभग 8 घंटों तक उन्हें फिर से पनपने से भी रोकते हैं। इस वक्त भारतीय बाजारों में कई ब्रांड नामों से 'डिश वॉश' फॉर्मूला उपलब्ध हैं, जिसमें साइक्लोजैन मौजूद हैं।

अनदेखा कर देते हैं अहम पहलू

- साफ-सफाई के सभी मानकों का पालन करने पर भी हम में से अधिकतर लोग भोजन दूषित होने के सबसे अहम् पहलू को अनदेखा कर देते हैं- वे बर्तन जिनमें हम खाना पकाते, रखते और खाते हैं।
- आम तौर पर प्लेटें और टिफिन को सिर्फ पानी से धो लिया जाता है। हम सभी जानते हैं कि नल से आने वाला पानी रोग फैलाने वाले जीवाणुओं को लिए होता है।
- भले ही आप दो-तीन बार पानी को छानें या उबालें या फिर गर्मागर्म खाना बना कर परोसें; लेकिन आपकी इन कोशिशों पर पानी फिर जाएगा, अगर यह खाना-पानी ऐसे बर्तनों में परोसा जाए, जिन्हें रोगाणुओं से मुक्त नही किया गया है।
- गिलास, कटोरी, थाली, टिफिन आदि में मौजूद बैक्टीरिया भोजन व पानी में बड़ी तेजी से मिल जाते हैं। एक बार भोजन या पानी दूषित हो गए तो फिर वे हमेशा के लिए दूषित ही रहेंगे।

ये काली काली आंखें में अपने किरदार के लिए गुरमीत चौधरी ने घटाया 10 किलो वजन

अभिनेता गुरमीत चौधरी को ये काली काली आंखें के नए सीजन में अपने दमदार किरदार में देखा जा सकता है। अपने इस खास किरदार के लिए अभिनेता ने अपने हेयर स्टाइल से लेकर अपने वजन घटाने पर भी काम किया। सीरीज में इस खास किरदार निभाने को लेकर गुरमीत ने काफी मेहनत की है। अपनी भूमिका में जान डालने के लिए अभिनेता ने सख्त डाइट और हैवी वर्कआउट से अपना लगभग 10 किलो तक वजन घटाया। ये काली काली आंखें में काम करने और अपने किरदार के बारे में बात करते हुए अभिनेता गुरमीत ने कहा, सीरीज में गुरु का किरदार निभाना मेरे लिए बेहद ही चुनौतीपूर्ण था। इसके साथ ही यह बेहद रोमांचक भी रहा। मेरे निर्देशक सिद्धार्थ सेनगुप्ता के पास मेरे किरदार के लिए एक स्पष्ट दृष्टिकोण था, जिसके लिए मुझे बड़े पैमाने पर तैयारी करनी पड़ी। आगे कहा, मैंने इसके लिए कई एक्टिंग वर्कशॉप में भाग लिया, अपने लंबे बाल छोटे करवाए और वजन घटाने के लिए सख्त डाइट का पालन किया। मनचाहा लुक पाने के लिए मैं रोजाना बांद्रा में दौड़ने जाता था और आखिरकार मैंने 10 किलो वजन कम कर लिया। उन्होंने कहा कि इस सीरीज में काम करना मेरे लिए बेहद ही एक खास तरह का अनुभव था। मैं इसके लिए सिद्धार्थ सर का आभारी हूं , जिन्?होंने मुझ पर विश्वास किया और मुझमें गुरु के किरदार को देखा। ये काली काली आंखें नेटफ्लिक्स पर एक रोमांटिक क्राइम थ्रिलर टेलीविजन सीरीज है जिसे सिद्धार्थ सेनगुप्ता ने बनाया और निर्देशित किया है। इस सीरीज में श्वेता त्रिपाठी और आंचल सिंह भी मुख्य भूमिकाओं में हैं, साथ ही सौरभ शुक्ला, सूर्या शर्मा, अरुणोदय सिंह और बृजेंद्र काला भी सहायक भूमिकाओं में हैं। इस सीजन में गुरमीत चौधरी की भी एंट्री हुई है, जो पूर्वा का दोस्त है और उसे सुरक्षित घर वापस लाने की कसम खाता है। यह अस्तित्व का एक खतरनाक खेल है, और इस सीजन में गुरमीत चौधरी की दमदार एंट्री के साथ, दांव और भी बढ़ गए हैं। एजस्टॉर्म वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्मित, ये काली काली आँखें सीजन 2, 22 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुआ। गुरमीत ने 2009 की टेलीविज़न सीरीज़ रामायण में देबिना बनर्जी के साथ राम की भूमिका निभाकर प्रसिद्धि पाई। इसमें देबिना ने सीता की भूमिका निभाई थी। अभिनेता ने गीत-हुई सबसे पराई, पुनर्विवाह, झलक दिखला जा, नच बलिए 6, फियर फैक्टर-खतरों के खिलाड़ी (सीजन 5) जैसे शो का हिस्सा ले चुके हैं। बॉलीवुड में गुरमीत की पहली फिल्म 2015 में आई थी।

सामंथा ने बताया कैसे तलाक के बाद ध्वस्त हो गईं जीवन से जुड़ी योजनाएं

सामंथा रूथ प्रभु और नागा चैतन्या ने साल 2021 में तलाक की घोषणा की थी। दोनों ने साल 2017 में शादी के बंधन में बंधने का फैसला किया था, लेकिन उनका ये रिश्ता ज्यादा लंबा नहीं टिक सका। साल 2021 में दोनों ने तलाक ले लिया। तलाक के बाद अभिनेत्री ने अनुपमा चोपड़ा के साथ बातचीत के दौरान कहा था कि जीवन के लिए उनके द्वारा बनाई गई सभी योजनाएं ध्वस्त हो गई हैं। अब उनका ये वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें अभिनेत्री तलाक को लेकर बात करती नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने कहा, मेरा मतलब है, 2021 में मेरे निजी जीवन में जो कुछ भी हुआ है, उसे लेकर वास्तव में मुझे कोई उम्मीद नहीं थी। मेरी सभी सावधानीपूर्वक बनाई गई योजनाएं ध्वस्त हो गई हैं, इसलिए मुझे कोई उम्मीद नहीं है। भविष्य में मेरे लिए जो कुछ भी है, मैं उसके लिए तैयार हूं। मैं बस इतना जानती हूं कि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ दूंगी। अभिनेत्री ने तलाक के बाद हुई आलोचनाओं को लेकर कहा, मेरे बारे में बहुत सी ऐसी बातें कही गईं जो बिल्कुल झूठ थीं। मुझे याद है कि जब चीजें वास्तव में बहुत खराब थीं। मेरे खिलाफ पूरी तरह से झूठ फैलाए जा रहे थे, तब मैंने खुद से यह बातचीत की थी। कई बार ऐसा हुआ जब मैं सामने आकर कहना चाहती थी कि यह सच नहीं है, मैं आपको सच बताती हूं।

श्वेता त्रिपाठी की दर्शकों से गुजारिश

महिला केंद्रित कहानियों को कीजिए सपोर्ट

श्वेता त्रिपाठी ने कई फिल्मों और वेब सीरीज में उम्दा काम किया है। इस समय वह अपनी नई वेब सीरीज ये काली काली आंखें 2 को लेकर काफी उत्साहित हैं। इसमें उन्होंने काफी अलग रोल निभाया है। लेकिन इसके बावजूद वह मानती हैं कि अब भी महिला कलाकारों को उतने अच्छे रोल नहीं मिलते हैं, जितने की मिलने चाहिए। पुरुष कलाकारों को मिलती हैं अच्छी कहानियां हाल ही में एक इंटरव्यू में श्वेता त्रिपाठी कहती हैं कि पुरुष कलाकारों को बेहतर कहानियां मिलती हैं। इसलिए उनकी ख्वाहिश भी पुरुष किरदार निभाने की है। इसके अलावा वह दर्शकों से भी गुजारिश करती हैं कि महिला प्रधान फिल्मों और शो का समर्थन करें।

ये काली काली आंखें 2 के किरदार से खुश

श्वेता त्रिपाठी आगे कहती हैं कि मैं चाहती हूं कि मेरे किरदार एक-दूसरे से अलग हों। वेब सीरीज ये काली काली आंखें 2में शिखा का किरदार मुझसे बहुत अलग है और मैं उसकी दुनिया में कदम रखने की चुनौती का आनंद ले रही हूं। इस सीरीज की कहानी थ्रिलर वाली है, जिसमें श्वेता के साथ ताहिर राज नजर आ रहे हैं।

मिर्जापुर में किया था दमदार रोल

श्वेता त्रिपाठी ने वेब सीरीज मिर्जापुर में भी गोलू का किरदार निभाया था। इसमें वह काफी दमदार किस्म के किरदार को निभाती हुई दिखीं। दर्शकों ने उनको इस रोल में काफी सराहा। उनके साथ इस सीरीज में कई उम्दा कलाकार भी थे, जिसमें पंकज त्रिपाठी और अली फजल जैसे नाम शामिल रहे।

आगे भी अच्छा काम करेंगी

आगे भी श्वेता का मन अच्छी और बेहतरीन फिल्में करने का है। इस समय तो वह वेब सीरीज ये काली काली आंखें 2 पर ही ध्यान दे रही हैं। वह जानना चाहती हैं कि दर्शक इस सीरीज को कितना पसंद करते हैं। इस वेब सीरीज की सफलता श्वेता के करियर में बहुत ज्यादा ही मायने रखती है।

तापसी ने शाहरुख के व्यक्तित्व पर की बात

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान को जितनी तारीफें उनकी शानदार अभिनय क्षमता के लिए मिलती हैं, उतनी ही तारीफें उन्हें उनके व्यवहार के लिए मिलती है। हाल में ही शाहरुख के साथ फिल्म डंकी में काम कर चुकीं अभिनेत्री तापसी पन्नू ने उनकी तारीफ की है। उन्होंने किंग अभिनेता की बुद्धिमता, उनकी मौजूदगी आदि चीजों को लेकर बात की है। तापसी ने कहा कि शाहरुख में कुछ ऐसे गुण हैं, जो उनको दूसरों से अलग करते हैं। वो अपने आप में बेजोड़ हैं। तापसी ने डंकी के दौरान शाहरुख खान के साथ काम करने को लेकर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा, ऐसे बहुत कम लोग हैं, जिनकी ऑन-स्क्रीन उपस्थिति ही नहीं, बल्कि ऑफ-स्क्रीन उपस्थिति भी होती है। वे बहुत पढ़े-लिखे हैं और आपसे कोई भी गहन बातचीत कर सकते हैं। तापसी ने शाहरुख खान को एक संपूर्ण व्यक्ति बताया है। उन्होंने कहा कि शाहरुख के पास बेहतरीन सेंस ऑफ ह्यूमर है और उनका दिमाग बातचीत के दौरान काफी सक्रिय भी रहता है, जो उन्हें एक संपूर्ण व्यक्ति बनाती है, जो उन्हें फिल्म इंडस्ट्री के अन्य लोगों से काफी अलग करती है। तापसी पहले ऐसी फिल्मी हस्ती नहीं हैं, जिन्होंने बॉलीवुड सुपरस्टार के व्यक्तित्व की तारीफ की।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले से मुक्त होंगी जैकलीन

जैकलीन फर्नांडीज का नाम काफी समय से ठग सुकेश चन्द्रशेखर से जोड़ा जाता रहा है। हाउसफुल 5 की अभिनेत्री ने हमेशा सुकेश के नाम से जुड़े सभी अवैध मामलों से अपने संबंधों से इनकार किया है। इस बीच, अभिनेत्री के वकील ने तर्क दिया है कि जैकलीन सुकेश के अवैध मामलों से अनजान थीं, और उन पर मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मुकदमा नहीं चलाया जाना चाहिए। जैकलीन फर्नांडीज के वकील ने दलील दी है कि उन पर मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप नहीं लगाया जा सकता क्योंकि वह पैसे कमाने के उद्देश्य से किसी अपराध का हिस्सा नहीं थीं। फर्नांडीज का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ अग्रवाल ने मंगलवार को दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष दलील दी। यह मामला ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में उनके खिलाफ दायर आरोप पत्र से संबंधित है। अग्रवाल ने आगे तर्क दिया कि फर्नांडीज को इस बात का अंदाजा नहीं था कि उन्हें चंद्रशेखर से जो गिफ्ट मिले थे, वे ठगी के पैसे से खरीदे गए थे। उन्होंने कहा, आपराधिक गतिविधि में संलिप्तता दिखाने के लिए ज्ञान आवश्यक है। वरिष्ठ अधिवक्ता ने विजय मदनलाल चौधरी के मामले में पिछले फैसले का भी हवाला दिया, जिसका अर्थ है कि जांच के दौरान जब्त की गई सभी संपत्ति आवश्यक रूप से अपराध की आय नहीं है। अग्रवाल ने यह भी तर्क दिया कि एक ही तथ्य पर दो मामले नहीं चलाए जा सकते। उन्होंने कहा कि अदिति सिंह से जबरन वसूली के एक मामले में मकोका के तहत मुकदमा चलाया जा रहा है और अभिनेत्री उस मामले में गवाह हैं। इसलिए, उन पर मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप नहीं लगाया जा सकता क्योंकि वह किसी अपराध सिंडिकेट का हिस्सा नहीं हैं और उन्होंने इससे कोई आर्थिक लाभ नहीं उठाया है।

3 दिसंबर को होगी अगली सुनवाई

एएनआई के अनुसार, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) अब फर्नांडीज द्वारा उस आरोप पत्र के खिलाफ दायर याचिका में अपनी दलीलें पेश करेगा, जिसमें उन पर मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप लगाया गया था। न्यायमूर्ति अनीश दयाल ने मामले की अगली सुनवाई 3 दिसंबर को तय की है, जहां ईडी के विशेष वकील की दलीलें सुनी जाएंगी।

तेलुगु फिल्म बेबी के हिंदी रीमेक में नजर आएंगे बाबिल-कृति

कला और फ्राइडे नाइट प्लान जैसी फिल्मों में अपने अभिनय से सुर्खियां बटोरने वाले अभिनेता बाबिल खान अब बॉलीवुड में बड़ा धमाल मचाने को तैयार हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बाबिल जल्द ही हिट तेलुगु फिल्म बेबी के हिंदी रीमेक में नजर आएंगे। वह इस फिल्म में आनंद देवरकोंडा वाले किरदार को निभाते दिखेंगे। सूत्रों के अनुसार फिल्म के लिए मुख्य अभिनेत्री की तलाश अभी जारी है। तेलुगु संस्करण में वैष्णवी चैतन्य की अदाकारी को दर्शकों ने खूब सराहा था। वहीं, हिंदी संस्करण के लिए दक्षिण भारतीय अभिनेत्री कृति शेट्टी के नाम की चर्चा जोरों पर है। बाबिल और कृति के फिल्म में नजर आने की फिलहाल कोई भी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। हालांकि, दोनों ही कलाकारों के एक साथ नजर आने की चर्चा से फैंस काफी ज्यादा उत्साहित हो गए हैं।

सुपर 30 में दिख चुकी हैं कृति

माना जा रहा है कि बॉलीवुड में कदम जमाने के लिए यह फिल्म बाबिल खान के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। कृति शेट्टी के लिए भी यह फिल्म बॉलीवुड रास्ते खोलने में कारगर साबित हो सकती है। इससे पहले कृति को सुपर 30 में एक छात्रा की भूमिका में देखा गया था।

द रेलवे मेन से बाबिल ने बटोरी थी सुर्खियां

वर्क फ्रंट की बात करें तो पिछले साल बाबिल को वेब सीरीज द रेलवे मेन में देखा गया था। इस शो में दिग्गज कलाकारों की मौजूदगी के बीच बाबिल ने अपने अभिनय से दर्शकों को काफी ज्यादा प्रभावित किया था। भोपाल गैस त्रासदी पर आधारित इस शो में उन्होंने इमाद रियाज नाम के शख्स की भूमिका निभाई थी। वहीं, कृति को हाल ही में मलयालम फिल्म एआरएम में देखा गया था। यह इस इडस्ट्री में उनकी पहली फिल्म थी।

इस वजह से मल्लिका शेरावत ने ठुकरा दी 'द रॉयल्स'

अभिनेत्री मल्लिका शेरावत ने राजकुमार राव की फिल्म 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। इस फिल्म में तृप्ति डिमरी फीमेल लीड के रूप में नजर आईं। हाल ही में उन्होंने खुलासा किया कि उन्हें शुरू में नेटफ्लिक्स शो 'द रॉयल्स' का हिस्सा बनने के लिए चुना गया था। यह एक मॉडर्न इंडियन रोमांटिक कॉमेडी सीरीज है। इस शो में उन्हें ईशान खट्टर की ऑनस्क्रीन मां की भूमिका के लिए चुना गया था। आइए जानते हैं अभिनेत्री यह ऑफर क्यों ठुकरा दिया था। मल्लिका ने ईशान खट्टर की ऑनस्क्रीन मां की भूमिका को ठुकराने का कारण भी बताया। उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा, मुझसे कुछ वादा किया गया था और जो अनुवाद किया गया वह मुझे पेपर पर बहुत ही बेकार लगा। मुझे धोखा और निराश महसूस हुआ, इसलिए मैं इसका हिस्सा नहीं बनना चाहती थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इससे पहले मल्लिका की टीम ने बताया, मल्लिका ने प्रोडक्शन टीम के साथ रचनात्मक मतभेदों के कारण फरवरी में इस प्रोजेक्ट को छोड़ दिया। भूमिका शुरू में किए गए वादे के अनुरूप नहीं थी। कई चर्चाओं के बाद, उन्होंने आखिरकार इसे छोड़ने का फैसला किया। 'द रॉयल्स' में भूमि पेडनेकर, जीनत अमान, चंकी पांडे और नोरा फतेही, चंकी पांडे और डिनो मोरिया, विहान समत, काव्या त्रेहान, सुमुखी सुरेश, उदित अरोड़ा, लिसा मिश्रा और ल्यूक केनी अभिनेत्री की क्षमता का हुआ कम उपयोग मल्लिका ने यह भी साझा किया कि उन्हें लगता है कि कॉमेडी शैली में उनका कम उपयोग किया गया है। उन्होंने कहा, लोगों ने अभी भी मेरी क्षमता का उपयोग नहीं किया है। मैं चाहती हूं कि इंडस्ट्री मेरी कॉमिक टाइमिंग और मेरी क्षमता का अधिक से अधिक कॉमेडी में उपयोग करें, क्योंकि मुझे कॉमेडी करना पसंद है। मुझे लगता है कि कॉमेडी में मेरा कम उपयोग किया गया है और मैं चाहती हूं कि इंडस्ट्री मुझे अधिक से अधिक कॉमिक भूमिकाएं दे। साथ ही, मैं अब ऐसी भूमिकाएं करना चाहती हूं, जिसमें दम हो।

फौजा के रीमेक पर राज शांडिल्य बोले

दुनिया के सबसे बुजुर्ग मैराथन धावक फौजा सिंह पर आधारित फौजा के रीमेक को लेकर निर्माता राज शांडिल्य ने बात की। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसी कहानी है, जो क्षेत्रीय सीमाओं को पार करती है, उन्हें यह फिल्म हिंदी सिनेमा में लाने पर गर्व है। विक्की विद्या का वो वाला वीडियो के निर्माता, राज शांडिल्य और विमल लाहोटी ने राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म 'फौजा' का हिंदी में रीमेक के लिए टीम बनाई है। राज और विमल ने रीमेक के अधिकार हासिल कर लिए हैं। राज शांडिल्य के इस बड़े प्रोजेक्ट का निर्माण उनके बैनर कथावाचक फिल्म्स के तहत किया जाएगा। फिल्म के बारे में बात करते हुए शांडिल्य ने कहा, फौजा एक ऐसी कहानी है, जो भाषा और क्षेत्रीय सीमाओं को पार करती है। मुझे हिंदी सिनेमा में फौजा लाने पर गर्व है। 'फौजा' वास्तव में असाधारण साहस और भावना की कहानी है, जो देश भर के दर्शकों के द्वारा अनुभव की जाने योग्य है। मेरा लक्ष्य भी यही है कि एक ऐसी फिल्म तैयार हो जो हिंदी भाषी दर्शकों के साथ ही सभी को पसंद आए। निर्माता विमल लाहोटी ने इस प्रोजेक्ट को लेकर उत्साह व्यक्त किया और कहा, फौजा' उत्कृष्ट क्षेत्रीय सिनेमा को व्यापक दर्शकों तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हम प्रभावशाली कहानी कहने में विश्वास करते हैं और फौजा का हिंदी रीमेक असाधारण क्षेत्रीय सिनेमा को दर्शकों तक पहुंचाने की दिशा में एक कदम है। इस तरह के बड़े प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना सम्मान की बात है। 'फौजा' का हिंदी में निर्माण एक ऐसी कहानी को फिर से बताने का एक अविश्वसनीय अवसर है, जिसने पहले ही कई लोगों के जीवन पर शानदार असर डाला है।

ब्रीफ न्यूज

शासकीय महिला पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, सीहोर में एलमनी मीट का आयोजन

सीहोर। महिला पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग एवं मॉर्डन ऑफिस मैनेजमेंट की पूर्व छात्राओं का पूर्व छात्र मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में लगभग 50 पूर्व छात्राओं ने भाग लिया। साथ ही दोनो विभाग की समस्त छात्राऐं एवं संस्था प्राचार्य डी0आर0 वर्मा एवं सभी फैकल्टी और स्टाफ ने विद्यार्थियों के साथ अपनी पुरानी यादों के किस्से एक दूसरे के साथ साझा किए।

विश्व एड्स दिवस पर साइकिल रैली संपन्न

हरदा। विश्व एड्स दिवस के अवसर पर वनांचल के ग्राम गवासेन से ग्राम बोरी तक साइकिल रैली का आयोजन किया गया। कलेक्टर आदित्य सिंह ने रैली को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया । तत्पश्चात कलेक्टर श्री सिंह भी साइकिल रैली में शामिल हुए। साइकिल रैली में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर एच.पी. सिंह, डॉ ममता जीवने एवं राजस्व, स्वास्थ्य और वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी भी शामिल हुए। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा वनांचल के ग्राम बोरी में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन भी किया गया। शिविर में 46 ग्रामिणों की शुगर, डायबिटीज एवं बीपी की जांच की गई एवं उन्हें आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराई गई।

कलेक्टर ने दमोह जिले की सीमा से लगे ग्राम प्रहलाद पुरा

दमोह। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने दमोह जिले की सीमा से लगे बंडा के ग्राम प्रहलाद पुरा, अबदापुर और उड़ाहो पहुंचकर जल निगम के बेबस-सुनार प्रोजेक्ट के निर्माण कार्यो का जायजा लिया। योजना की प्रशासकीय स्वीकृत लागत 169.09 लाख है। कलेक्टर ने कहा जल निगम के दो बड़े महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट चल रहे है, जिनको अगले साल 2025 तक कंप्लीट होना है, इसमें पहला बेबस-सुनार वन और दूसरा बेबस-सुनार टू, बेबस-सुनार टू पहले देख चुके हैं, लगभग 10 दिन पहले उसका निरीक्षण किया था। कमिश्नर सागर डॉ.वीरेन्द्र सिंह रावत ने भी उसका निरीक्षण किया था। आज बेबस-सुनार वन का निरीक्षण किया है, सागर जिले के बंडा में इसका बेस है और यहाँ पर इसके बन रहे इंटेकवेल , जल शोधन संयंत्र एवं उच्च स्तरीय टंकी को देखा है। इसके अलावा इसकी पूरी साइट प्लान देखा है, जहाँ पर पानी फिल्टर किस तरीके से होगा और वह किस तरीके से ओवरहेड टैंक के माध्यम से सप्लाई किया जाएगा, उसकी पूरी प्रणाली देखी गई। उन्होंने कहा यहाँ पर काम संतोषजनक रूप से चल रहा है, कुछ चीजों में छोटी-छोटी अड़चनें हैं, जिनको दूर करने के लिए निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा यहाँ का स्ट्रेक्चर थोड़ा सा ज्यादा पथरीला होने से इनको खुदाई में थोड़ी समस्या आ रही है, लेकिन पूरा प्रयास रहेगा कंपनी को भी निर्देशित किया है, कि यहाँ पर मैनपॉवर और बढ़ाए, काम हमको समय पर कंप्लीट करना है।

अनफिट वाहनों के धुएं से हो रहा प्रदूषण

अस्थमा, त्वचा एलर्जी आदि बीमारियां होने की संभावना

हम घर से बाहर निकलते है तो हमारा सामना रोड पर धुंआ उगलते अनफिट वाहनों से होता है। ग्रामीण क्षेत्र में तो आबादी कम होने से स्थिति ठीक है मगर जिला मुख्यालय पर आज भी दोपहर और शाम को आसमान में धुंए के गुबार देखे जा सकते है। चौक चौराहो पर वाहनों की रेलम-पेल और शोलगुल के मध्य में धुंए उगलते सांइलेंसर से दम घुटने लगता है। देखा जाए तो शहर आज प्रदुषण की गिरफ्त में है।

सत्ता सुधार ■ हरदा

नगर में इन दिनों बेहताशा दौड़ते वाहनों से चौक-चौराहों पर जाम कि स्थिति लगती है। इसी दौरान वाहनो के शोर गुल के मध्य में एक और नुकसानदायक बात आती है। वो है अनफिट वाहनों से निकलता काला जहरीला धुंआ। निश्चित रूप से यह हमारी सेहत के लिए खतरनाक है और पर्यावरण का दुश्मन तो है ही। शहर में करीब 200 बसें और इतने ही आटो के अलावा हजारों की संख्या में दोपहिया और चारपहिया वाहन जिनका रोज का आना-जाना और सवारी ढोने का कार्य होता है।

धुंआ से बिमारियों की संभावना : वाहनों से निकलने वाले धुएं से मानव शरीर पर घातक प्रभाव पड़ता है। हमारी सांस के द्वारा जब धुंए के कण शरीर में पहुंचते तो यह हमारे फैफड़े के सिकड़ने और फैलने की क्रिया को प्रभावित करते है। जिससे हमें खांसी और अस्थमा आदि होने की संभावना होती है। लगतार इस प्रकार के माहौल में रहने वाली लोगो को इससे एलर्जी होने लगती है। जिसमें सरदर्द, खांसी, गले के अन्य इंफेक्शन, कफ, चिड़चिड़ापन, त्वचा रोग, खुजली आदि ।

ग्रामीण क्षेत्र में बिकता मिलावटी पेट्रोल डीजल : यह बात माने या न माने ग्रामीण क्षेत्रों में कई स्थानों पर नकली मिलावटी पेट्रोल व डीजल बिकता है। यह जांच का विषय है? सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ग्रामों में लोग खुली प्लास्टिक की शीशीयों में जो पेट्रोल बेचते है वो मिलावटी होता है। पहले डीजल केरोसिन ऑयल से बनता था। क्योंकि सरकारी सस्ते गल्ले की दुकानों पर कंट्रोल रेट पर बिकने वाले इस तेल में बड़ा खेल था। यही तेल केरोसिन के भी वितरक थे। आधा तेल नकली डीजल बनाने में प्रयोग हो जाता था। लेकिन बदली सरकारी नीति के बाद केरोसिन की आपूर्ति में काफी कमी आ गई। इन्होने और भी नए विकल्प खोज लिए है। इसी मिलावटी पेट्रोल, डीजल से वाहन ज्यादा धुंए छोड़ते है।

पेट्रोल डीजल की नहीं होती है जांच : वाहनों में धुंए निकलने की समस्या के पीछे एक बहुत बड़ा कारण होता है उनमें डाले जाना वाला ईंधन पेट्रोल और डीजल जो कि इस समय शुद्ध मिलने की संभावनाएं कम हो रही है। लोगो का मानना है कि जितना रूपया हमसे लिया जाता है। उतना हमें पेट्रोल या डीजल नही मिलता है। क्योकि इसका कोई निश्चित नाप तो रखते नहीं है मशीन के द्वारा दिया जाता है। जो उनके द्वारा सेट किया होता है। वहीं पेट्रोल में शीशे, डीजल, केरोसीन आदि की मिलावट होती है। जिसके कारण वाहन ज्यादा धुंए उगलते है। जो हमारी सेहत के साथ-साथ पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचाते है।

पर्यावरण हो रहा प्रदूषित

इसमें मुख्य रूप से शहर में तो अनफिट ऑटों, दो पहिया वाहन, माल ढोने वाले सभी वाहन मुख्य है। जिनके धुएं से हवा प्रदूषित हो रही है। इससे पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा है। नगर के चौक चौराहो पर देखें तो पायेगें कि यहां पर काला धुंए का मंजर दिखने लगता है। स्थानीय परशुराम चौक, सब्जी मंडी, घंटाघर चौक, बस स्टेंड कुलहरदा, पेट्राल पंप और डबल फाटक के पास इन जगहों पर हम दोपहर और शाम के समय देखेंगे तो पता चलता है कि धुंआ ही धुंआ दिखने लगता है। लोग भी परेशान भी होने लगे है। जिले के परिवहन विभाग और यातायात पुलिस की ओर से ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है।

इनका कहना है

पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले धुंए उगलते वाहनों पर कार्यवाही होना चाहिए। इसके साथ डीजल-पेट्रोल की शुद्धता की जांच भी समय समय पर होती रहे।

संजय जैन, उपाध्यक्ष
जिला कांग्रेस व्यापार प्रकोष्ट हरदा

सांस्कृतिक और धार्मिक रूप से भारत सशक्त : राज्य मंत्री लोधी

काशी में सेंटर फॉर सनातन रिसर्च द्वारा आयोजित शक्तिपीठ महासमागम कार्यक्रम को किया संबोधित

सत्ता सुधार ■ दमोह

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में विश्व में भारत का कद लगातार बढ़ रहा है। सांस्कृतिक और धार्मिक रूप से भारत निरन्तर सशक्त होता जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उनका अनुसरण करते हुए प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 20 धार्मिक और सांस्कृतिक लोको का निर्माण कर रही है। प्रदेश सरकार का उद्देश्य धार्मिक तीर्थाटन को विश्व स्तरीय बनाना है।संस्कृति, पर्यटन और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र सिंह लोधी काशी वाराणसी में सेंटर फॉर सनातन रिसर्च द्वारा आयोजित ÷शक्तिपीठ महासमागम÷ कार्यक्रम को संबोधित कर रहें थे।

राज्य मंत्री श्री लोधी ने कहा कि प्रदेश में शारदा पीठ मैहर का विकास शारदा लोक और नर्मदा शक्तिपीठ का विकास नर्मदा लोक के रूप में किया जा रहा हैं। प्रदेश में स्थित दोनों ज्योतिर्लिंग बाबा महाकालेश्वर और ममलेश्वर का सर्वांगीण विकास किया जा रहा हैं। इसी तरह भारत में स्थित शक्तिपीठों और ज्योर्तिलिंगों को एक योजना बद्ध तरीके से पर्यटन और सांस्कृतिक सर्किट के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। ठहरने की व्यस्था, पहुंच मार्ग जैसी आधारभूत सुविधाये उपलब्ध कराई जानी चाहिए। व्यापक स्तर पर उसका प्रचार प्रसार किया जाना चाहिए जिससे इन शक्तिपीठों और ज्यार्तिलिंगों पर तीर्थाटन और पर्यटन बढ़ेगा और हम अखण्ड भारत बनने की दिशा में प्रगतिशील होगे। राज्य मंत्री श्री लोधी ने कहा कि बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी में आने का अवसर मिला उनका सौभाग्य है। काशी भौतिकता और आध्यात्मिकता का समागम है। काशी भारत के प्राचीनतम शहरों में से एक है।

उल्लेखनीय है कि पहली बार 51 शक्तिपीठ और द्वादश ज्योतिर्लिंगों के पीठाधीश्वर, संत-महात्माओं का महा समागम हुआ है। सेंटर फॉर सनातन रिसर्च का यह आध्यात्मिक समागम शिव के बारह ज्यातिर्लिंगों और शक्ति के 51 शक्तिपीठों के महत्व को जन-जन तक पहुंचाने के पुनीत उद्देश्य से किया गया है, ताकि संपूर्ण भारतवर्ष सनातनी सुगंध से पुष्पित और सुगंधित हो सकें।

आनंद अल्पविराम परिचय कार्यशाला संपन्न

सत्ता सुधार ■ दमोह

राज्य आनंद संस्थान (म.प्र.शासन आनंद विभाग) द्वारा ब्लॉक स्तरीय एक दिवसीय परिचय कार्यशाला का आयोजन जनपद पंचायत सभागार दमोह में एस डी एम दमोह आर एल बागरी के मुख्य आतिथ्य और सीइओ जनपद पंचायत दमोह श्रीमती पूनम दुबे के मार्गदर्शन में किया गया। आनंद विभाग नोडल अधिकारी डॉ प्रो कीर्ति काम दुबे, जिला सम्पर्क व्यक्ति रमेश व्यास एवं मास्टर ट्रेनर्स श्रीमती उषा व्यास, श्रीमती प्रेमलता उपाध्याय, श्रीमती कमलेश शुक्ला,आनंदम सहयोगी अतुल तिवारी उपस्थित रहें ।

कार्यक्रम का प्रारंभ दीप प्रज्वलित करते हुए ईश प्रार्थना से हुआ। कार्यक्रम का प्रारंभ आनंद विभाग के वीडियो द्वारा किया गया जिसमें मास्टर ट्रेनर प्रेमलता उपाध्याय ने अल्पविराम की चर्चा करते हुए,सत्र आनंद की ओर आयोजित किया। सत्र में सहभागियों द्वारा गहरी रुचि जाहिर की। मास्टर ट्रेनर उषा व्यास ने जीवन का लेखा-जोखा सत्र के द्वारा बताया कि हमें अपने जीवन प्रबन्धन का सीईओ स्वयं को ही बनना होगा तभी हमें जीवन का आनंद प्राप्त होगा। आनंद सहयोगी अतुल तिवारी ने बताया कि जब उनकी गाड़ी रास्ते में रात में बिगड़ गई और किसी प्रकार की सहायता की कोई आशा नहीं थी तब एक दुकानदार ने आकर न केवल हमारी गाड़ी सुधरवाने में सहायता की बल्कि हमारी सभी परिजनों को उसे रात्रि में भोजन भी कराया और गाड़ी के दुरुस्त होने के बाद ही वह अपने घर को रवाना हुए, उनके जीवन की वह ऐसी सहायता आज भी उन्हें कृतज्ञता और रोमांच से भर देती है। कमलेश शुक्ला ने अपने अनुभव को बताया कि एक संतान सुख से वंचित मां को अपने पोते के साथ सहभागिता करने का अवसर दिया जो आगे चलकर वह मां भी बनी, यह घटना उनके जीवन में बहुत बड़ी प्रेरणा देती है कि हमारी छोटी-छोटी सहायता लोगों का जीवन बदल देती हैं।

भारी मात्रा में पकड़ा गया अवैध गांजे का पुलिस अधीक्षक सोमवंशी ने किया खुलासा

सत्ता सुधार ■ दमोह

मुख्यमंत्री के आदेश पर व पुलिस महानिदेशक के निर्देशन में बड़ी मात्रा में दमोह सिटी कोतवाली पुलिस ने पकड़ा 60 किलो 50 ग्राम अवैध मादक पदार्थ सहित 4 आरोपित, पुलिस अधीक्षक श्री सोमवंशी ने पूरे मामले का खुलासा किया है. कंट्रोल रूम में एएसपी संदीप मिश्रा, सीएसपी अभिषेक तिवारी, टीआई कोतवाली आनंद राज की मौजूदगी में खुलासा, आरोपितो में छोटू उर्फ स्वप्निल जैन निवासी कुलूआ नोहटा, दीपू उर्फ संदीप जैन पुराना नया बाजार नंबर एक, छुट्टन उर्फ छत्रपाल पटेल उम्र 36 वर्ष धर्मपुरा और गुड्डु लोधी कचुरिया टपरिया पटेरा से कार क्रमांक एमपी 20 सीडी 0204 आई 20 कंपनी की स्लेटी कलर की (कीमती करीबन 6 लाख) अवैध गांजा पकड़ा गया.गांजे की कीमत पुलिस अधीक्षक ने करीब 9 लाख बताई है.गांजा सहित आरोपितों को पकड़ने में टीआई आनंद राज, एएसआई राकेश पाठक, प्रधान आरक्षक अजित दुबे, प्रधान आरक्षक सूर्यकांत पांडे,आरक्षक ओमप्रकाश रैकवार, कृष्ण कांत लोधी, आरक्षक नरेंद्र पटेरिया, आरक्षक आकाश पाठक सहित कोतवाली पुलिस का योगदान रहा।

कल विकलांग दिवस पर जिलास्तरीय कार्यक्रम बागरुल में

हरदा । विश्व विकलांग दिवस 3 दिसंबर को मनाया जाएगा। उप संचालक सामाजिक न्याय विभाग कमलेश सिंह ने बताया कि इस वर्ष जिला स्तरीय कार्यक्रम 3 दिसम्बर को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान बागरूल में मनाया जायेगा। कलेक्टर आदित्य सिंह ने इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए अधिकारियों की ड्यूटी लगा दी है। जारी आदेश अनुसार विश्व विकलांग दिवस के कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी, जिला शिक्षा केन्द्र एवं सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन विभाग हरदा द्वारा दिव्यांग बच्चों एवं व्यक्तियों के सामर्थ्य प्रदर्शन के लिये खेलकूद प्रतियोगिता, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जायेगा।

एक सड़क और घटिया निर्माण की भेंट चढ़ी

सत्ता सुधार ■ हरदा/सिराली

नगर परिषद सिराली के द्वारा वार्ड नंबर 6 हरदा-मसनगांव मार्ग से सीधे गौ शाला तक सड़क निर्माण कार्य किया जा रहा है। जिसकी गुणवत्ता पर वार्डवासी सीधा सवाल उठा रहे हैं या तो इस सड़क में ठेकेदार के द्वारा खुले आम गिट्टी का चूरा (डस्ट) कर खुलेआम सड़क की गुणवत्ता खराब कर रहा है। इसके बाद भी निर्माण एजेंसी, नगर परिषद एवं उसके इंजीनियर द्वारा कोई भी कार्यवाही या देखरेख नहीं करने से ठेकेदार के हौसले बुलंद है और खुलेआम गिट्टी का चूरा सड़क में डालकर उसकी गुणवत्ता कमजोर कर रहा है। सालों तक चलने वाली सड़क कुछ दिनों में खराब हो जायेगी, जिसका खामियाजा वार्ड वासी को भुगतना होगा।

नगर परिषद की सभी सड़कें हुई खराब : नगर परिषद बने हुए मात्र 3 साल हुए हैं 3 साल के समय अवधि में नगर परिषद के द्वारा कई निर्माण कार्य परिषद के अलग-अलग वार्डों में किये गये। लेकिन इसकी गुणवत्ता पर ध्यान नहीं देने से लगभग सभी निर्माण कार्य खराब हो गये हैं या जगह-जगह से दरारें आ गई। जिसका नुकसान सीधा वार्डवासी को हो रहा है और जो कई साल तक चलने के सपने वार्डवासियों ने देखे थे मात्र कुछ दिनों में ही सामने आ गया। भ्रष्टाचार खुलकर सामने आ गया और सड़क पूरी तरह खराब हो गई। कुछ दिनों पहले पुराना बस स्टैंड से थाने तक बनी सड़क जो की 28 लाख रुपये की लागत थी। वह 28 दिन नहीं चल पाई जिसका विरोध व्यापारी संघ एवं वार्ड के पार्षदों के द्वारा किया गया जिसका ज्ञापन भी जिला कलेक्टर को दिया। जिसकी जांच वर्तमान में चल रही है लेकिन उसके बाद भी नगर परिषद नहीं जागी । एक और सड़क घटिया निर्माण की भेंट चढ़ने जा रही है ।

घटिया निर्माण कर कहते हैं जांच करेंगे : नगर परिषद के द्वारा लगातार घटिया निर्माण कराये जा रहे हैं जिसकी शिकायत विधायक युवराज अभिजीत शाह से ग्रामीणों ने की थी। नतीजा घटिया निर्माण कार्य की शिकायत वार्ड पार्षद, वार्डवासी, व्यापारी संघ सभी मिलकर करते हैं । लेकिन जब निर्माण कार्य घटिया होता है इसकी शिकायत नगर परिषद सीएमओ एवं वरिष्ठ अधिकारियों को की जाती है। लेकिन वह मात्र एक ही जवाब रटा रटाया देते हैं की जांच कराएंगे। लेकिन जो घटिया निर्माण कार्य हो रहा है उसको तुरंत नहीं रोकते। जिस कारण ठेकेदार के द्वारा घटीया निर्माण कर पैसे लेकर चला जाता है और दिक्कत नागरिकों को आती है।

इनका कहना है

नगर परिषद सिराली में घटिया निर्माण की शिकायत मुझे भी मिली है मैं इन निर्माण कार्यों की जांच करवाऊंगा।

युवराज अभिजीत शाह, विधायक टिमरनी-सिराली क्षेत्र

बालिका क्रिकेट कप किया गया आयोजित

सत्ता सुधार ■ हरदा

हम होंगे कामयाब अभियान के तहत जेंडर आधारित हिंसा की रोकथाम व जागरूकता के लिए कलेक्टर आदित्य सिंह के मार्गदर्शन में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही है। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास संजय त्रिपाठी ने बताया कि रविवार को बालिका क्रिकेट कप का आयोजन स्थान कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी के सामने ग्राउंड पर लाड़ली टीम एवं सुकन्या टीम के बीच आयोजित किया गया।सुकन्या टीम की कप्तान सुश्री मोनिका उइके ने टॉस जीत कर फील्डिंग करने का निर्णय लिया।

लाड़ली टीम ने 6 ओवर में 5 विकेट पर कुल 70 रन बनाए। लाड़ली टीम की कैप्टन स्वाति ढाका ने सर्वाधिक 51 रन बनाए। जवाब में सुकन्या टीम द्वारा कुल 4 ओवर में 2 विकेट खोकर ही मैच को जीत लिया। सुकन्या टीम की ओर से राधिका मर्सकोले ने सर्वाधिक 42 रन बनाए व 1 विकेट लेकर मैन ऑफ द मैच प्राप्त किया। कार्यक्रम में प्रभारी परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास हरदा शहरी सुश्री भारती भल्लावी ने सुकन्या टीम की कैप्टन मोनिका उइके को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का मोनो और स्लोगन लिखे ट्राफी से सम्मानित किया जबकि खेल विभाग से जिला समन्वयक सलमा खान ने द्वितीय पुरस्कार लाडली टीम की कैप्टन स्वाति ढाका को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ मोनो एवं स्लोगन लिखी ट्राफी से सम्मानित किया गया। जिले में कलेक्टर श्री सिंह के निर्देशन में खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण की रोकथाम की कार्यवाही लगातार जारी है।

प्रेस कॉफ्रेंस विकास के नाम पर जनता को धर्म की अफीम पिलाने वाली भाजपा बैलेट पेपर पर चुनाव कराने से डरती है

मण्डी बिजोरी जोड़ से थूना रिंग रोड तक फोर लेन सड़क टेण्डर निरस्त कराने में किस का हाथः हर्ष जैन

सत्ता सुधार ■ सीहोर

शनिवार को प्रेस कांफ्रेंस में प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता हर्ष जैन ने मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार पर अनेक गंभीर आरोप लगाए। उन्होने कहा की विकास के नाम पर जनता को धर्म की अफीम पिलाने वाली भाजपा बैलेट पेपर पर चुनाव कराने से डरती है यही कारण है की बेलेट पेपर की बात होने पर भाजपा उल्टे विपक्ष पर आरोप लगाने लगती है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता जैन ने अनेक स्थानीय मुददों पर भी खुलकर बात की उन्होने कहा की सीहोर से श्यामपुर की 30 करोड़ की एफडीआर सड़क भ्रष्टाचार की भेंट चड़ गई है उन्होने कहा की सीहोर के एक भाजपा नेता ने स्वयं के हित के लिए 40 करोड़ के फोरलेन सड़क प्रोजेक्ट को भी निरस्त कर दिया है। प्रेस कांफ्रेंस दौरान उनके साथ पूर्व मंत्री मध्य प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग अध्यक्ष मुकेश नायक, जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजीव गुजराती भी मौजूद रहे।

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता हर्ष जैन ने कहा की प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था चौपट हो गई है। प्रदेश में महंगाई बेरोजगारी चरम सीमा पर है। किसान, नौजवान महिलाऐं परेशान है। किसान खाद के लिये लाईनों में खड़ा है। कानून व्यवस्था ठप है,प्रदेश में बलात्कार हो रहे हैं। धर्म के नाम पर राजनीति हो रही है। विकास के नाम धरम की

अफीम पीलाई जा रही है। अभी हम विजयपुर चुनाव जीते हैं। विजयपुर की जनता ने कांग्रेस से गद्दारी करके गये रामनिवास रावत को सबक सिखा दिया है इस से अब कांग्रेस से गद्दारी करने वाले लोगों को सबक मिलेगा। बुधनी विधानसभा चुनाव में मात्र कुछ ही मतों से भारतीय जनता पार्टी जीती। एक लाख वोट कांग्रेस द्वारा कम किये गये। शिवराज सिंह चौहान का ग्रह किला ढह चुका है। आने वालें विधानसभा चुनाव में हमारी कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है, जनता ने बता दिया है। सीहोर ग्रामीण क्षेत्र में पानी, बिजली, सड़क बुरी तरह अस्थ व्यवस्थ है। सीहोर से श्यामपुर रोड जो विदेशी तकनीक से 30 करोड़ में बना था, वह एक साल में ही खराब हो गया है।

उन्होने कहा की सीहोर जिला अस्पताल में भारी अव्यवस्था है। मण्डी बिजोरी जोड़ से थूना रिंग रोड तक फोर लेन सड़क के लिये 40 करोड़ रूपये आये थे, इसका टेण्डर निरस्त कराया जा रहा है, जिससे बिजोरी जोड़ से आने-जाने वाले लाखों किसान को भारी परेशानी होगी। यह 40 करोड़ का टेण्डर निरस्त कराने में किसका हाथ है, यह जाँच का विषय है। सीहोर में ट्राफिक व्यवस्था का बुरा हाल है। शीघ्र ही सीहोर की समस्याओं को लेकर कांग्रेस पार्टी द्वारा जन आन्दोलन किया जायेगा।

ब्रीफ न्यूज

आठ शहरों में मॉल और प्रमुख बाजारों में खुदरा स्थान की पट्टा गतिविधियों में बढ़ोत्तरी

मुंबई। जनवरी-सितंबर 2024 के दौरान प्रमुख आठ शहरों में शॉपिंग मॉल और प्रमुख बाजारों में खुदरा स्थान की पट्टा गतिविधियों में करीब पांच प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है। रियल एस्टेट परामर्श कंपनी ने एक रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी। रिपोर्ट के अनुसार, शीर्ष आठ शहरों में श्रेणी 'ए' के मॉल और मुख्य खुदरा बाजारों में पट्टा गतिविधियां जनवरी-सितंबर 2024 के दौरान 55.3 लाख वर्ग फुट थीं, जबकि पिछले वर्ष की सामान अवधि में यह आंकड़ा 52.9 लाख वर्ग फुट था। ये आठ शहर दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे और अहमदाबाद हैं। रिपोर्ट में कहा, भारत की खुदरा अचल संपत्ति की वृद्धि बरकरार है। यह मॉल और मुख्य बाजारों, दोनों में मजबूत पट्टा संख्या से देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि विवेकाधीन खर्च में वृद्धि और उपभोक्ता की बदलती प्राथमिकताएं प्रीमियम खुदरा स्थानों की मांग को बढ़ा रही हैं।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर की बिक्री 20 प्रतिशत बढ़कर 6,019 इकाई पर

नई दिल्ली। भारत की प्रमुख मोटरकार कंपनी जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने रविवार का एक मुख्य घोषणा की कि नवंबर 2024 तक उनकी थोक बिक्री 20 प्रतिशत बढ़कर 6,019 इकाई पहुंच गई है। कंपनी ने यह भी कहा कि उनके इलेक्ट्रिक वाहन विंडसर ने 3,144 इकाइयों की बिक्री के साथ दूसरे महीने भी तोड़तोड़ की है। कंपनी ने बताया कि उनकी कुल मासिक बिक्री में नए ऊर्जा वाहनों (एनईवी) का हिस्सा 70 प्रतिशत है। यह उछाल उनके इलेक्ट्रिक वाहन सेगमेंट के लिए एक महत्वपूर्ण पहलू है और उन्हें बाजार में भी मजबूती का अहसास करवाता है। इस ताजा विकेन्द्रीकरण के साथ जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने बाजार में अपनी प्रतिस्पर्धा को लेकर नए उत्साह का संकेत दिया है। उनकी विंडसर श्रृंखला और एनईवी सेगमेंट में उच्च बिक्री उनके उद्यमी रुझान के प्रति विश्वास को मजबूत कर रही है।

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 16.50 रुपए महंगा हुआ

नई दिल्ली। कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम एक बार फिर बढ़ गए हैं। तेल कंपनियों ने 19 किलो वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 16.50 रुपये की वृद्धि कर दी है। दिल्ली में यह सिलेंडर अब 1818.50 रुपये का है। यह पांचवां महीना है जब इन सिलेंडरों की कीमतें बढ़ रही हैं। इस बढ़ती कीमतों का असर हवाई ईंधन के भी दामों पर पड़ रहा है। एटीएफ का दाम भी 13.18.12 रुपए किलो लीटर महंगा किया गया है। यह दर भी पिछले महीने की तुलना में बढ़ी है। अब एलपीजी सिलेंडर की कीमतें नवंबर में भी बढ़ी थीं। इसमें कोलकाता में 1927.00 रुपये, मुंबई में 1771.00 रुपये और चेन्नई में 1980.50 रुपये की कीमतों का घोषणा की गई थी। उज्ज्वला योजना के तहत घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। दिल्ली में सब्सिडी के बिना इस सिलेंडर की कीमत 803.00 रुपये में है। कंपनियों ने यह भी जाहिर दिया कि हवाई ईंधन के दाम में इजाफा कर दिया गया है।

कीमतों और बुकिंग की घोषणा 1 जनवरी 2025 को की जाएगी

भारतीय इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर कंपनी होंडा की पहली स्कूटर एक्टिवा- ई पेश

एजेंसी ■ नई दिल्ली

होंडा ने भारतीय इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बाजार में कदम रख दिया है। कंपनी ने हाल ही में अपनी पहली इलेक्ट्रिक स्कूटर एक्टिवा- ई को पेश किया है। फिलहाल, कंपनी ने इन स्कूटरों का खुलासा किया है, जबकि कीमतों और बुकिंग की घोषणा 1 जनवरी 2025 को की जाएगी। यह स्कूटर दो वेरिएंट्स एक्टिवा- ई और क्यूसीआई में उपलब्ध होगा।

स्कूटर की डिलीवरी फरवरी 2025 से शुरू होगी। शुरुआती चरण में यह दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु जैसे शहरों में उपलब्ध होगा। एक्टिवा- ई में 1.5केडब्ल्यूएच की दो स्वैपेबल बैटरियां दी गई हैं, जिन्हें होंडा मोबाइल पॉवर पेक- ई नाम दिया गया है। ये बैटरियां एक बार चार्ज होने पर 102

किलोमीटर की रेंज देती हैं। बैटरी को चार्ज करने की झंझट खत्म करने के लिए होंडा ने दिल्ली और बेंगलुरु में बैटरी स्वैपिंग स्टेशन स्थापित कर दिए हैं, और मुंबई में यह सुविधा जल्द ही शुरू होगी। स्कूटर में 6केडब्ल्यू परमानेंट मैग्नेट सिंक्रोनस मोटर दी गई है, जो 22एनएम का पीक टॉर्क उत्पन्न करती है।एक्टिवा- ई को 12-इंच अलॉय व्हील्स, टेलिस्कोपिक फोर्क्स और डुअल स्प्रिंग सस्पेंशन के साथ पेश किया गया है। इसमें डिस्क-ड्रम कॉम्बिनेशन ब्रेकिंग सिस्टम दिया गया है।

यह स्कूटर पांच आकर्षक रंगों में उपलब्ध होगा-पर्ल शैलो ब्लू, पर्ल मिस्ट्री व्हाइट, पर्ल सेरेनिटी ब्लू, मैट फॉगी सिल्वर मेटालिक और पर्ल इग्नियस ब्लैक। होंडा एक्टिवा- ई अपने दमदार फीचर्स और स्वैपेबल बैटरी तकनीक के जरिए भारतीय बाजार में क्रांति लाने के लिए तैयार है। इसमें तीन राइडिंग मोड्स ईको, स्टैंडर्ड, और स्पोर्ट दिए गए हैं। स्पोर्ट मोड में यह 80 किमी/घंटा की टॉप स्पीड देती है और 0 से 60 किमी/घंटा की रफ्तार मात्र 7.3 सेकंड में पकड़ लेती है।

एमएंडएम मौजूदा बिक्री नेटवर्क के जरिए ईवी बेचेगी

नई दिल्ली। महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) ने घोषणा की है कि वे अब अपने इलेक्ट्रिक वाहनों को अपने मौजूदा बिक्री नेटवर्क के माध्यम से बेचेंगे। यह नई पहल का मकसद है कि ग्राहकों को एक ही स्थान पर सभी विकल्प उपलब्ध कराएं जाएं। इस उद्देश्य को पूरा करते हुए कंपनी ने दो नए इलेक्ट्रिक वाहन मॉडल - बीई 6ई और एक्सईवी 9ई का विस्तार किया है। एमएंडएम के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इसमें व्यापक रूप से भाग लेने की योजना बताते हुए कहा कि हम बिक्री चैनल को एक समान रखना चाहते हैं ताकि ग्राहक को आईसीई और ईवी के बीच चयन करने की सुविधा मिले। वे एक संवेदनशील प्रश्न के जवाब में यह भी बताते हैं कि क्या कंपनी अपने ईवी रेंज के लिए एक अलग बिक्री नेटवर्क की स्थापना करेगी। जारी किए गए बयान में यह भी कहा कि एमएंडएम एक विशेष टीम की स्थापना कर रही है जो इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री और सेवा को संभालेगी। उन्होंने बताया कि नए वाहन मॉडल संबंधी डिलीवरी को फरवरी-मार्च के बीच में शुरू किया जाएगा और वे आशा कर रहे हैं कि ग्राहकों को यह नए विकल्प पसंद आएंगे। इस पहल के बाद एमएंडएम ने ईवी बिक्री और सेवा को सुधारने के लिए एक विशेष धारा स्थापित करने की योजना बनाई है जिससे ग्राहकों को अधिक सुविधा मिले।

बीते सप्ताह मजबूत वैश्विक बाजार, आवक घटने से तेल-तिलहन कीमतों में सुधार

मांग कमजोर रहने के कारण मूंगफली तेल-तिलहन के दाम गिरावट के साथ बंद हुए

एजेंसी ■ नई दिल्ली

विदेशी बाजारों में तेजी के रुख के बीच देश में सोयाबीन, सूरजमुखी और कपास के हाजिर दाम न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से लगभग 10-15 प्रतिशत कमजोर रहने की वजह इन तिलहनों की आवक घटने के कारण बीते सप्ताह खाद्य तेल-तिलहन बाजार में सरसों एवं सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल के दाम सुधार के साथ बंद हुए।

मूंगफली की आवक बढ़ने के बीच मांग कमजोर रहने के कारण मूंगफली तेल-तिलहन के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। बाजार सूत्रों ने कहा कि बीते सप्ताह सरसों की आवक घटकर प्रतिदिन करीब 1.5 लाख बोरी रह गई जबकि सरसों की प्रतिदिन की खपत करीब 3.5-4 लाख बोरी की है। चूंकि अब पामोलीन तेल का दाम सरसों से अधिक हो गया है इसलिए आगे जाकर सरसों की खपत और बढ़ने जा रही है। बीते सप्ताह सरसों

दाने का थोक भाव 75 रुपये के सुधार के साथ 6,625-6,675 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का थोक भाव 150 रुपये के सुधार के साथ 13,800 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 25-25 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,285-2,385 रुपये और 2,285-2,410 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ।

समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 75-75 रुपये के सुधार के साथ क्रमश 4,500-4,550 रुपये और 4,200-4,235 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम भी क्रमशः 75 रुपये, 125 रुपये और 185 रुपये सुधरकर क्रमशः 13,875 रुपये, 13,825 रुपये और 9,885 रुपये क्विंटल पर बंद हुए।

आवक बढ़ने और मांग कमजोर होने के कारण मूंगफली तेल-तिलहन कीमतों में पिछले सप्ताहांत के मुकाबले गिरावट आई। मूंगफली तिलहन का भाव 150 रुपये की गिरावट के साथ 6,100-6,475 रुपये क्विंटल पर बंद हुआ वहीं मूंगफली तेल गुजरात 600 रुपये की गिरावट के साथ 14,100 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव 90 रुपये की गिरावट दर्शाता 2,130-2,430 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। मलेशिया में मजबूत होते दाम की वजह से कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 600 रुपये सुधरकर 13,000 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 400 रुपये के सुधार के साथ 14,400 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 400 रुपये के सुधार के साथ 13,400 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। मजबूती के आम रुख के अनुरूप, समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल भी 100 रुपये के सुधार के साथ 12,750 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

आखिरकार महिंद्रा बीई 6 इलेक्ट्रिक कार लॉन्च

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत में आखिरकार महिंद्रा बीई 6 इलेक्ट्रिक कार लॉन्च कर दी गई है। इसकी सीधी टक्कर टाटा कर्व ईवी से होगी, जो पहले से ही इस सेगमेंट में अपनी मजबूत पकड़ बना चुकी है।कंपनी ने इस नई ईवी को अपने अत्याधुनिक इंग्लो प्लेटफॉर्म पर तैयार किया है।

महिंद्रा बीई 6ई को बोल्ड और आकर्षक डिजाइन के साथ पेश किया गया है। कार के बोनट पर बीई का लोगो और सी-शेप डीआरएल के साथ शार्प एलईडी हेडलाइट्स इसे खास बनाते हैं। इंटीरियर में डबल इंटीग्रेटेड स्क्रीन, टू-स्पोक स्टीयरिंग व्हील और ब्लैक-एंड-व्हाइट केबिन थीम दी गई है। इस कार की सबसे बड़ी खासियत इसकी अधिकतम रेंज है, जो 682 किलोमीटर तक है। दो बैटरी पैक विकल्प 59केडब्ल्यूएच और 79 केडब्ल्यूएच दिए गए हैं। डीसी 175केडब्ल्यू फास्ट चार्जर की मदद से यह कार मात्र 20 मिनट में 80 प्रतिशत तक चार्ज हो सकती है। सेफ्टी फीचर्स में 6 एयरबैग, एडीएएस लेवल 2 प्लस और 360 डिग्री कैमरा शामिल हैं। इसकी शुरुआती कीमत 18.90 लाख रुपये रखी गई है। महिंद्रा बीई 6ई अपनी लंबी रेंज और तेज चार्जिंग के साथ एक नया मानक स्थापित कर सकती है। वहीं, टाटा कर्व ईवी पहले से अपने फीचर्स और मूल्य के कारण बाजार में मजबूत स्थिति में है। दोनों मॉडलों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिलेगी। वहीं, टाटा कर्व ईवी 502 किलोमीटर की अधिकतम रेंज और 45केडब्ल्यूएच व 55केडब्ल्यूएच बैटरी पैक के साथ आती है। इसके इंटीरियर में 12.3 इंच इंफोटेनमेंट स्क्रीन, पैनोरमिक सनरूफ और ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल जैसे प्रीमियम फीचर्स दिए गए हैं। इसकी कीमत 17.49 लाख रुपये से शुरू होती है।

न्यूज स्कोर पर मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस शीर्ष पर कायम

एजेंसी ■ नई दिल्ली

राजस्व, लाभ, बाजार मूल्य और सामाजिक प्रभाव के हिसाब से रिलायंस इंडस्ट्रीज मीडिया में भारत की सबसे अधिक विजिबिलिटी वाली कंपनी है। एक मीडिया रिपोर्ट में बताया कि मीडिया में रिलायंस की विजिबिलिटी भारत की अग्रणी एफएमसीजी या बैंकिंग और वित्त कंपनियों की तुलना में काफी अधिक है। साल 2024 के लिए न्यूज स्कोर पर मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस ने 100 में से 97.43 अंक हासिल किए। साल 2023 में यह 96.46, 2022 में 92.56 और 2021 में 84.9 था। कंपनी लगातार टॉप पर बनी हुई है और इसकी विजिबिलिटी बढ़ रही है। दरअसल विजीकी का न्यूज स्कोर खबरों की संख्या, शीर्षक उपस्थिति, प्रकाशनों की पहुंच और पाठकों की संख्या के आधार पर निर्धारित होता है। रिलायंस विजीकी की स्थापना के बाद पिछले पांच

वर्षों से वार्षिक रैंकिंग में शीर्ष पर कायम है। विजीकी रैंकिंग में रिलायंस की रैंकिंग 97.43 के न्यूज स्कोर के साथ बाकी कंपनियों से ऊपर रही। इसके बाद भारतीय स्टेट बैंक (89.13), एचडीएफसी बैंक (86.24), पेटीएम की पेरेंट कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस (84.63), आईसीआईसीआई बैंक (84.33) और जोमैटो (82.94) का स्थान रहा। विजीकी न्यूज स्कोर एक गणना है, जो विभिन्न कारकों पर विचार करके भारत में किसी ब्रांड की मीडिया उपस्थिति को दिखाता है। इसमें समाचार की संख्या (ब्रांड के बारे में समाचार की संख्या), शीर्षक उपस्थिति (ब्रांड का नाम कितनी बार सुर्खियों में दिखाई दिया), प्रकाशन पहुंच (ब्रांड को कवर करने वाले प्रकाशनों की पहुंच) और पाठक संख्या (ब्रांड को कवर करने वाले प्रकाशनों की पाठक संख्या) शामिल हैं। स्कोर शून्य से 100 तक होता है और यह चार लाख से अधिक प्रकाशनों की निगरानी पर आधारित है।

मुफिन ग्रीन फाइनेंस: निवेशकों को किया मालामाल

नई दिल्ली। हर निवेशक अब मल्टीबैगर स्टॉक की तलाश में रह रहा है और मुफिन ग्रीन फाइनेंस इस तलाश में एक चमकता हुआ सितारा बन गई है। इस छोटे स्केल एनबीएफसी कंपनी ने पिछले 5 वर्षों में अपने निवेशकों को मालामाल कर दिया है। अत्याधुनिक वित्तीय सेवाओं प्रदान करने वाले मुफिन ग्रीन फाइनेंस ने नई पहल शुरू की है और 15 करोड़ रुपए के निवेश के लिए गैर-सूचीबद्ध, सुरक्षित और कर योग्य नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर (एनसीडी) जारी करने की योजना बनाई है। इस प्रक्रिया में बोर्ड की मंजूरी के बाद अब नियामक प्राधिकरणों की मंजूरी की प्रतीक्षा है। मुफिन ग्रीन फाइनेंस के नाम को स्टॉक मार्केट में एक नए उच्चस्तर पर पहुंचाने में सफलता मिली है और निवेशकों के लिए यह एक बेहद सुनहरा मौका साबित हो सकता है। आपका माल न देखकर इस सूची में जगह बुक करने के लिए तैयार रहें, क्योंकि यह नई आयाम स्थापित करने का समय है।

नैसकॉम ने लॉन्च की प्लेबुक, एआई जोखिम को कम करने में करेगी मदद

एजेंसी ■ नई दिल्ली

नैसकॉम ने भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए डेवलपर्स प्लेबुक लॉन्च की है। यह प्लेबुक डेवलपर्स को देश में एआई डेवलपमेंट, स्थापना और इस्तेमाल को लेकर जोखिमों की पहचान कर उन्हें कम करने में मदद करेगी। नई दिल्ली में कॉन्फ्लुएंस फॉर रिस्पॉन्सिबल इंटेलिजेंस (आरआईसीओएन) के उद्घाटन अवसर पर लॉन्च की गई प्लेबुक एआई रिस्क मैनेजमेंट लैंडस्केप को नेविगेट करने में डेवलपर्स के सामने आने वाली चुनौतियों के बीच आई है। प्लेबुक भारत सरकार और नैसकॉम के एक साथ सहयोग से एआई से जुड़े जोखिमों की पहचान करने और उन्हें कम करने के लिए एक इंडस्ट्री फ्रेमवर्क की स्थापना को लेकर अहम है। आईटी इंडस्ट्री बॉडी ने कहा कि उद्योग, सरकार, शिक्षा और नागरिक समाज के भारतीय और अंतरराष्ट्रीय विषय विशेषज्ञों

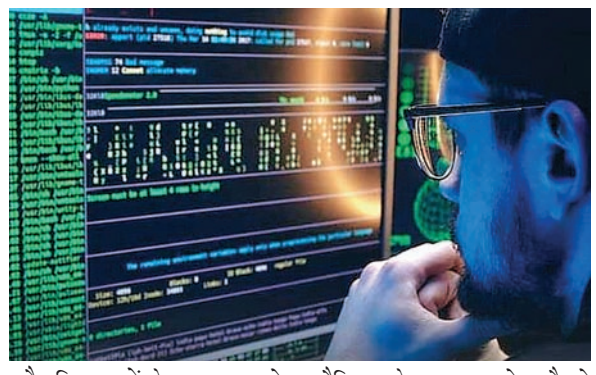

और हितधारकों के एक समूह ने प्लेबुक की कठोर समीक्षा और सत्यापन किया है। यह जिम्मेदार एआई के लिए एक संतुलित और अच्छी तरह से समर्थित दृष्टिकोण को दर्शाता है, जो देश के हितों और सामाजिक कल्याण के साथ मजबूती से जुड़ा हुआ है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव अभिषेक सिंह ने कहा कि यह प्लेबुक इनोवेटर्स को संभावित जोखिमों की पहचान करने, बेस्ट प्रैक्टिस के साथ तालमेल बैठाने और एआई विकास और स्थापना के लिए जिम्मेदार एआई पद्धतियों को अपनाने के लिए जरुरी मार्गदर्शन प्रदान करती है। इंडिया एआई मिशन के सीईओ सिंह ने कहा कि प्लेबुक सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के रिस्क मैनेजमेंट फ्रेमवर्क में सामंजस्य स्थापित करने का प्रयास करती है। प्लेबुक डेवलपर्स को प्रैक्टिकल फ्रेमवर्क के साथ एआई के सिद्धांतों को लागू करने में मददगार साबित होगी।

आर्थिक वृद्धि

कच्चे तेल की कीमतों और अमेरिकी डॉलर के रुख से भी बाजार प्रभावित होगा

वैश्विक रुझानों, ब्याज दर पर आरबीआई के फैसले तय करेंगे शेयर बाजारों की चाल

एजेंसी ■ नई दिल्ली

इस सप्ताह वैश्विक रुझानों, व्यापक आर्थिक आंकड़ों और ब्याज दर पर आरबीआई के फैसले शेयर बाजारों की दिशा तय कर सकते हैं। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि इस सप्ताह निवेशक ऑटो बिक्री के मासिक आंकड़ों पर भी निगाहें रहेंगी। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि बाजार सोमवार को 5.4 प्रतिशत की निराशाजनक जीडीपी वृद्धि पर प्रतिक्रिया दे सकते हैं। आगामी आरबीआई नीति महत्वपूर्ण होगी, जिसमें ब्याज दर निर्णय और टिप्पणी, दोनों पर ही निवेशकों की नजर होगी। उन्होंने कहा कि वैश्विक मोर्चे पर, भू-राजनीतिक तनाव, विशेष रूप से रूस-यूक्रेन की स्थिति को लेकर चिंता बनी हुई है। भारत, अमेरिका

और चीन से विनिर्माण पीएमआई जैसे महत्वपूर्ण व्यापक आर्थिक आंकड़े भी बाजार को प्रभावित करेंगे। विश्लेषकों ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतों और अमेरिकी डॉलर के रुख से भी बाजार प्रभावित होगा।

विनिर्माण और खनन क्षेत्रों के खराब प्रदर्शन के साथ ही कमजोर खपत के कारण चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में भारत की आर्थिक वृद्धि दर दो साल के निचले स्तर 5.4 प्रतिशत पर पहुंच गई। देश हालांकि अभी भी सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है। पिछले सप्ताह भारतीय शेयर बाजारों ने काफी उतार-चढ़ाव देखा, हालांकि सप्ताह के अंत में बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि बाजार का नजरिया भारत के विनिर्माण पीएमआई, सेवा पीएमआई, ब्याज दर पर फैसले, अमेरिकी एसएंडपी वैश्विक समग्र पीएमआई, विनिर्माण पीएमआई, सेवा पीएमआई, गैर-कृषि रोगजार के आंकड़ों जैसे प्रमुख घरेलू और वैश्विक आर्थिक कारकों से प्रभावित होगा।

विदेशी निवेशकों ने निकाले भारतीय इक्विटी बाजार से 21,612 करोड़

नई दिल्ली। नवंबर महीने में भारतीय इक्विटी बाजार से विदेशी निवेशकों ने इतने संकेतिक रूपये निकाले जितने कि 2.56 अरब अमेरिकी डॉलर में इस संकेतिक निकासी के परिणामस्वरूप, विश्लेषकों ने बताया कि अमेरिकी बॉन्ड के प्रतिफल में वृद्धि, डॉलर की मजबूती और घरेलू अर्थव्यवस्था में मंदी की वजह से एफपीआई निवेशकों की बिकवाली दिख रही है। हालांकि, इस निकासी का स्तर अक्टूबर के निकासी के साथ मुकाबला नहीं कर पा रहा है जब एफपीआई ने 94,017 करोड़ रुपये की बिकवाली की थी। अब तक 2024 में एफपीआई ने कुल 15,019 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है।

प्री-ओन्ड गाड़ियों की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रमुख ऑनलाइन क्लासीफाइड्स प्लेटफॉर्म ओएलएक्स इंडिया के अनुसार, इस साल अगस्त और सितंबर की तुलना में प्री-ओन्ड गाड़ियों की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। विशेषज्ञों का मानना है कि उपभोक्ता अब लक्ज़री के बजाय प्रैक्टिकल और किफायती विकल्पों को तरजीह दे रहे हैं। त्योहारी सीजन में न केवल नई गाड़ियों की बिक्री को बढ़ावा दिया बल्कि पुरानी गाड़ियों के बाजार में भी जबरदस्त उछाल देखा गया। पुरानी कारों में मारुति सुजुकी ऑल्टो 800, होंडा सिटी, और हुंडई क्रेटा सबसे ज्यादा पसंद की गई। मारुति ऑल्टो 800 ने टियर 1 शहरों में 20 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जो बजट-अनुकूल कारों के प्रति ग्राहकों की बढ़ती रुचि को दर्शाता है। यह मॉडल अपनी किफायती कीमत और कम रखरखाव लागत के कारण खासतौर पर पहली बार खरीदारों के बीच लोकप्रिय रहा। वहीं, होंडा सिटी ने टियर 2 बाजारों में सेडान सेगमेंट में 10 प्रतिशत की वृद्धि देखी। इसकी प्रीमियम अपील और विश्वसनीयता इसे किफायती सेडान खरीदने वालों का पसंदीदा विकल्प बनाती है। हुंडई क्रेटा, जो एसयूवी सेगमेंट की अग्रणी गाड़ी है।

ब्रीफ न्यूज

टीएल बैठक आज

मुरैना। कलेक्टर अंकित अस्थाना की अध्यक्षता में टीएल बैठक 02 दिसम्बर 2024 को प्रातः 11 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष मुरैना में आयोजित की गई है। बैठक में समस्त अधिकारी के उपस्थित होने के निर्देश दिये गये हैं।

शासकीय पीजी कॉलेज में मनाया विश्व एड्स दिवस

मुरैना। रविवार को शासकीय पी.जी कॉलेज में मुरैना में विश्व एक दिवस मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में प्राणीशास्त्र विज्ञान की डॉ.अल्का वार्ष्णेय ने विश्व एड्स की बीमारी के कारण एवं निदान पर विस्तृत व्याख्यान दिया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आर.एल. सखवार ने कार्यक्रम का उद्देश्य बताया और डॉ. दिलीप कटारे ने कार्यशाला का संचालन किया। इस अवसर पर पूर्व रा.से.यो. छात्र आशीष गौड़ को सम्मानित किया गया।

नील गायों को 20 घंटे बाद गौसेवको ने निकाला

मुरैना। शनिवार की देर शाम थाना सरायछोला के ग्राम पचोखरा में 2 नीलगाय विचरण करती हुई सुखे कुएं में गिर गई, जिन्हें गौसेवकों ने कई घंटे की मेहनत के बाद रविवार की दोपहर 3 बजे के लगभग अथक प्रयास कर निकाल लिया। बताया जाता है कि लगभग 20 घंटे से यह नीलगाय कुएं में पड़ी भूखी शोर मचा रही थी और ग्रामीण चाहकर भी नहीं निकाल पा रहे थे, तब गौसेवकों को सूचना दी गई। इसके बाद चार-पांच घंटे की मेहनत के पश्चात दोनों नीलगाय को सुरक्षित निकाल लिया गया। उक्त जानकारी गौ सेवक रूद्रप्रताप सिंह ने दी है।

पिछले 4 महीने में एक सैकड़ा बाइक हो चुकी है चोरी, पुलिस नहीं कर रही कार्यवाही

शहर में बाइक चोरों का आतंक, सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में भी नहीं है बाइक सुरक्षित

सत्ता सुधार ■ मुरैना

शहर पुलिस की लापरवाही के कारण बाइक चोर गैंग का आतंक बढ़ता ही जा रहा है और आए दिन बाइक चोरी की घटनाएं सामने आ रही हैं। अब तो स्थिति यह है कि सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में भी बाइक एवं स्कूटी सुरक्षित नहीं है। चोर दिन दहाड़े वारदात कर रहे हैं और पुलिस आराम फरमा रही है। बाइक चोर गैंग के कारण दोपहिया वाहन चालक आतंकित है और अब तो व्हील लॉक डालने के बाद भी चोर उसे तोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। बाइक चोरी की घटना हो जाने के बाद पुलिस भी इसे गंभीरता से नहीं लेती और ना ही मामला दर्ज करती है। बाइक चोरी की रिपोर्ट एक-एक सप्ताह बाद दर्ज की जाती है, जिससे लोगों में पुलिस के प्रति भी आक्रोश है। जिला मुख्यालय सहित तहसीलों में भी बाइक चोर गैंग सक्रिय होकर पिछले 4 महीने से भी अधिक समय से लगातार वारदात कर रही है और पुलिस द्वारा भी इस दौरान बाइक चोर गैंग पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है। शहर में आए दिन शातिर चोर बाइक के ताले तोड़कर वारदात करने में सफल हो जाते हैं, इसमें नाबालिक भी शामिल है। शहर में बढ़ती चोरी की घटनाओं के चलते लोगों ने सीसीटीवी कैमरे लगा रखे हैं, बावजूद इसके चोरों की हिम्मत इतनी बढ़ गई है कि वह सीसीटीवी कैमरे को नजर अंदाज करते हुए खुलेआम चोरी कर रहे हैं। अब तो घर के बाहर भी दोपहिया वाहन खड़ा करना लोगों के लिए मुसीबत बन गया है। पिछले चार महीना के अंदर जिला मुख्यालय से लगभग एक सैकड़ा बाइक चोरी हो चुकी है, लेकिन पुलिस द्वारा अभी तक बाइक चोर गैंग का पता नहीं लगाया जा सका है।

बाइक चोरी करने का वीडियो वायरल, व्हील लोक के कारण सफल नहीं हो पाया चोर

तीन दिन पहले शहर के हरिजन थाना वाली गली में एक नाबालिक द्वारा घर के सामने खड़ी मोटरसाइकिल का लॉक तोड़कर उसे चोरी करने का प्रयास किया गया, लेकिन व्हील लॉक लगे होने के कारण वह असफल हो गया। बताया जाता है कि 27 नवंबर को विवेक सिंह राजपूत की बाइक को नाबालिक चोर ने चुराने का पूरा प्रयास किया और सीसीटीवी कैमरे में उसकी प्रत्येक हरकत कैद हो गई। उक्त घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। चोर के सीसीटीवी फुटेज में आने का यह पहला मामला नहीं है। तमाम बाइक चोरी की घटनाओं में सीसीटीवी फुटेज आए हैं, लेकिन पुलिस द्वारा चोरों की पहचान नहीं हो पाई है और ना ही पुलिस उनका कोई सुराग ढूंढ पाई है।

रामपुर रोड की घाटी पर स्थित वेश कीमती भूमि पर हो रहा अवैध कब्जा, प्रशासन नाकाम

तीन मजदूर गौशाला के पास लगातार 3 दिन से दीवाल बना रहे

सत्ता सुधार ■ सबलगढ़

रामपुर रोड स्थित राधा माधव गौशाला के आगे की भूमि पर लगातार पिछले कई वर्षों से अवैध कब्जा किया जा रहा है, जिसमें एक महंत द्वारा मंदिर बना दिया गया है। तमाम शिकायतों के बाद भी स्थानीय प्रशासन द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई है, जिससे कब्जा करने वालों के हौसले बुलंद हो रहे हैं। बताया जाता है कि मंदिर से आगे एक महिला द्वारा दो झोपड़ी रखकर कब्जा करने की लगातार कोशिश की जा रही है और उसका विस्तार किया जा रहा है। महिला द्वारा कई जगह आग लगाकर झाड़ियां साफ कर दी और जगह को साफ करके कब्जे की कोशिश की जा रही है। रविवार को इस जगह को देखने के लिए सबलगढ़ हल्का क्षेत्र के पटवारी गिर्राज त्यागी पहुंचे तो उन्होंने काम रुकवाने की कोशिश की। महिला से कहा आग बुझा दे, काम रोक दें, लेकिन महिला पर पटवारी की बातों का कोई असर नहीं हुआ। इतना ही नहीं तीन मजदूर गौशाला के पास लगातार 3 दिन से दीवाल बना रहे हैं, दीवाल बनाने में नगर पालिका की कचरा गाड़ी का प्रयोग किया जा रहा है, जब मजदूरों से पूछा गया कि कचरा गाड़ी कैसे यहां पर है। मजदूरी कब से कर रहे हो, यहां काम कब से कर रहे हो, तब मजदूरों ने बताया कि गौशाला प्रबंधन की ओर से हमें यहां लगाया गया है। हम यहां बाउंड्रीबाल बना रहे हैं और निर्माण सामग्री के साथ-साथ यह कचरा गाड़ी भी हमको गौशाला प्रबंधन द्वारा प्रदान की गई है। दो तसला, एक ड्रम, और एक कचरा गाड़ी का हम लगातार निर्माण कार्य में उपयोग कर रहे हैं। करीब 4 महीने पूर्व इस भूमि को बचाने के लिए प्रशासन द्वारा यहां पर नोटिस की कार्रवाई की गई थी, काम को रोका गया था। तहसीलदार भारतेंदु यादव द्वारा कब्जे के कार्य को रुकवाने के लिए एक राजस्व निरीक्षक एवं साथ में 4 पटवारी की टीम भेजकर कार्य रुकवाया गया था। नोटिस देकर कार्यालय में महंत को तलब किया गया था, लेकिन उस दिन के बाद लगातार कार्य जारी है। मंदिर के कमरे का निर्माण पूर्ण हो चुका है, उसमें भगवान महादेव के परिवार का और हनुमान जी की मूर्ति स्थापित की जा चुकी है। इसके अलावा महंत द्वारा खुद के लिए एक बड़ी कुटिया का भी निर्माण किया गया है। स्थानीय प्रशासन शहर में अवैध कब्जे को रोकने का दावा करता है। जब शिकायत मिलती है तो नोटिस जारी किया जाता है। टीम भेजकर कार्य रूकवाया जाता है, बस कार्रवाई यहीं पर समाप्त हो जाती है। उसके बाद पुनः कार्य चालू हो जाता है और प्रशासन अपनी आंख मूंद लेता है। शहर में लगातार चारों ओर इसी प्रकार अवैध कब्जे का खेल चल रहा है। रामपुर घाटी ही नहीं काजोना घाटी पर अलखिया खोह इलाके में व छोलेस्वर इलाके में इसी प्रकार अवैध कब्जे का खेल जारी है।

इनका कहना है...

रामपुर घाटी स्थित अवैद्य कब्जे की शिकायत मिली है, जांच टीम बनाई जा रही है, अगर अवैद्य कब्जा पाया गया तो कब्जाधारियों को जेल भेजने की कार्रवाई की जाएगी।

वीरेंद्र कटारे, एसडीएम, सबलगढ़

शीतलहर से बचने के लिए पर्याप्त मात्रा में गर्म कपड़े पहने

सत्ता सुधार ■ मुरैना

स्वास्थ्य विभाग द्वारा बताया गया है कि शीतलहर से बचने के लिए पर्याप्त मात्रा में गर्म कपड़े जैसे- दस्ताने, टोपी, मफलर, एवं जूते आदि पहनें। शीतलहर के समय चुस्त कपड़े न पहनें, यह रक्त संचार को कम करता है, इसलिये हल्के ढीले-ढाले एवं सूती कपड़े बाहर की तरफ एवं ऊनी कपड़े अंदर की तरफ पहने। शीत लहर के समय जितना संभव हो सके, घर के अंदर ही रहें और कोशिश करें कि अतिआवश्यक हो तो ही बाहर यात्रा करें। पर्याप्त मात्रा में पोषक तत्वों से युक्त भोजन ग्रहण करें एवं शरीर की प्रतिरक्षा बनाए रखने के लिए विटामिन-सी से भरपूर फल और सब्जियां खाएं एवं नियमित रूप से गर्म पेय पदार्थ का अवश्य सेवन करें। बुजुर्ग, नवजात शिशुओं तथा बच्चों का यथा संभव अधिक ध्यान रखें, क्योंकि उन्हें शीत ऋतु का प्रभाव होने की आशंका अधिक रहती है, उनके द्वारा टोपी, मफलर, मौजे, स्वेटर इत्यादि का उपयोग किया जाये। आवश्यकतानुसार रूम हीटर का उपयोग करें एवं रूम हीटर के प्रयोग के दौरान पर्याप्त हवा निकासी का प्रबंध रखें। अत्यधिक ठंड पड़ने से प्रभावित शरीर के हिस्से पर मालिश न करें। इससे अधिक नुकसान भी हो सकता है। शीत लहर में अधिक ठंड के लम्बे समय तक सम्पर्क में रहने से त्वचा कठोर एवं सुन्न हो सकती है। शरीर के अंगों जैसे- हाथ पैर की उंगलियों, नाक एवं कान में लाल फफोले हो सकते हैं। शरीर के भाग के मृत हो जाने पर त्वचा का लाल रंग बदलकर काला हो सकता है। यह बहुत खतरनाक है और इसे गैंग्रीन रोग कहा जाता है। इसके लिए तत्काल चिकित्सक से परामर्श लें।

विश्व दिव्यांग दिवस तीन दिसंबर को

मुरैना। संचालनालय सामाजिक न्याय विभाग भोपाल के आदेशानुसार अनुसार प्रति वर्ष के भांति 3 दिसंबर, 2024 विश्व दिव्यांग दिवस का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन जिला दिव्याग पुनर्वास केंद्र, व्हीआईपी रोड संजय कॉलोनी मुरैना में होगा। विश्व दिव्यांग के अवसर पर विभिन्न खेल कूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम दिव्यागजनो के सामर्थ्य अनुसार प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सभी दिव्यांगजन आमंत्रित हैं।

संघ के बाल स्वयंसेवकों ने निकाला पथ संचलन

सत्ता सुधार ■ मुरैना

रविवार को बाल स्वयंसेवकों द्वारा पूर्ण गणवेश में कदम ताल करते हुए पथ संचलन निकाला गया। जिसमें जिला प्रचारक रीतेश का बौद्धिक हुआ। उन्होंने बताया कि बचपन से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ बालकों में संस्कार और देश भक्ति के बीज डालता है, जिससे भविष्य में एक अच्छे समाज का निर्माण हो। यह संचलन सरस्वती शिशु मंदिर फाटक बाहर से शुरू होकर पुल तिराहा, सर्वोदय स्कूल से होता हुआ सरस्वती शिशु मंदिर में समापन हुआ। रास्ते पर अनेक स्थानों पर गणमान्य लोगों द्वारा पुष्प वर्षा करके बाल स्वयंसेवकों का उत्साह वर्धन किया गया।

सिंघल फूड़ प्रोडक्ट के संचालक के विरुद्ध एफआईआर दर्ज

मुरैना। कलेक्टर के निर्देश पर फूड विभाग द्वारा घरेलू सिलेंडर का व्यवसायिक दुरूप्रयोग करने पर जौरी स्थिति सिंघल फूड प्रोडक्ट के संचालक अमित गुप्ता के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत सिविल लाइन थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है। सभी प्रतिष्ठान व मैरिज गार्डन संचालको को निर्देशित किया है कि वह घरेलू सिलेंडरो का व्यवसायिक उपयोग न करें, अन्यथा कठोर कार्यवाही की जाएगी।

जागरुक

रैली निकाल कर किया एड्स के प्रति जागरूक

महाविद्यालय में मनाया गया विश्व एड्स दिवस

सत्ता सुधार ■ जौरा

विश्व एड्स दिवस के अवसर पर मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. आर एस सेमिल के मार्गदर्शन में आईसीटीसी सिविल हॉस्पिटल जौरा द्वारा छात्र-छात्राओं एवं जन समुदाय को एचआईवी एड्स के प्रति जागरूक करने के लिए विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसके तहत शासकीय महाविद्यालय जौरा पर कार्यशाला, जागरूकता रैली व मानव श्रृंखला बनाई गई। कार्यशाला में मुख्य रूप से जन अभियान परिषद विकास खंड जौरा के ब्लॉक समन्वयक विष्णु दत्त शर्मा, आईसीटीसी परामर्शदाता संदीप सेंगर, मनीकांत शर्मा, समाजसेवी नवांकुर संस्थाओं से परिक्षित शर्मा, अल्केश राठौर, कैलाश शर्मा, विष्णु सिंह तोमर, जितेंद्र शर्मा के अलावा बीएसडब्ल्यू पाठ्यक्रम के मेंटर्स शिवानी शर्मा, जया बागडे, श्रीकुमार शर्मा, विनोद कुमार शर्मा एवं एनसीसी के कैडेट, बीएसडब्लू, एमएसडब्लू के छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। कार्यशाला में परामर्शदाता संदीप सेंगर द्वारा विश्व एड्स दिवस पर छात्र-छात्राओं को एचआईवी एड्स के प्रति जागरुक करते हुए इस वर्ष की थीम सही मार्ग अपनाये, मेरा स्वास्थ्य मेरा अधिकार विषय के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि एचआईवी संक्रमित हर व्यक्ति का अधिकार है कि उसे हर प्रकार की स्वास्थ्य सुविधाए आसानी से प्राप्त हो,इस संबंध में सभी स्वास्थ्य संस्थाऐ, आईसीटीसी, एआरटी सेंटर निरंतर उनके स्वास्थ्य की चिंता करते हुए उन्हें उचित निशुल्क परामर्श के साथ-साथ जांचें, दवाइयां प्रदाय की जा रही हैं। संक्रमित व्यक्तियों एवं जन समुदाय को एचआईवी एड्स से संबंधित जानकारी हेतु टोलफ्री नंबर 1097 भी संचालित है। इस नंबर पर भी फोन करके एचआईवी एड्स से संबंधित जानकारी ली जा सकती है।

पार्षद मोहन पचैरी ने करवाया स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन

सबलगढ़। वार्ड क्रमांक 02 शिवलालपुरा में कारे देव बाबा मंदिर परिसर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा विश्व एड्स दिवस पर स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों महिलाओं, बुजुर्गों, बच्चों आदि का स्वास्थ्य परीक्षण कर जरूरतमंदों को दवाइयां वितरित की गई एवं लोगों के स्वास्थ्य की शुगर, बीपी, टीवी, एड्स आदि की निशुल्क जांच भी की गई। वार्ड पार्षद व जिला मंत्री भाजयुमो मोहन रामजी लाल पचैरी ने बताया कि सरकार ने सभी नागरिकों को बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने के लिए कई योजनाएं और कार्यक्रम शुरू किए हैं। स्वास्थ्य को सिर्फ बीमारियों से मुक्त होना नहीं माना जाता, बल्कि यह जीवन के सभी पहलुओं में सामंजस्यपूर्ण और सुखमय होना चाहिए। स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए स्वस्थ जीवनशैली, और सकारात्मक मानसिकता जरूरी है। साथ ही उन्होंने ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर राजेश शर्मा सहित स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में डॉक्टरों की अनुभवी टीम का आभार किया। जिन्होंने अपनी सेवाएं दीं उनमें मेडिकल ऑफिसर डॉक्टर शरद शर्मा, मेडिकल ऑफिसर डॉक्टर आसिफ अली, नर्सिंग ऑफिसर प्रशांत सोनी, आईसीटीसी काउंसलर सीमा राठौर, लेप्रोसी प्रभारी अखिलेश शर्मा, टीबी प्रभारी राजकुमार शर्मा, महेंद्र चैबे एसटीएलएस आईसीटीसी, लैब टेक्नीशियन सुग्रीव बैरवा आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे। उन्होंने स्थानीय निवासियों के विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं का परीक्षण किया और उचित चिकित्सा परामर्श भी दिया।

ब्रीफ न्यूज

मजदूर संघ का 15 दिवसीय देशव्यापी श्रमिक संपर्क अभियान का शुभारंभ हुआ

अशोक नगर। प्रदेश के आव्हान पर भारतीय मजदूर संघ अशोकनगर द्वारा 1दिसम्बर से 15 दिसम्बर तक चलने वाले देशव्यापी श्रमिक संपर्क अभियान संपूर्ण देश में चलाया जाएगा। इसी क्रम में आज अशोकनगर में भी इंदिरा पार्क पहुंचकर श्रमिक संपर्क अभियान का शुभारंभ किया गया। भारतीय मजदूर संघ के स्वर्णिम 70 वर्ष होने पर श्रमिकों को अवगत कराया साथ ही भारतीय मजदूर संघ आंदोलनात्मक गतिविधियां एवं उपलब्धियां की जानकारी देते हुए पत्रक वितरण किए गए और श्रमिकों के साथ चर्चा कर उनकी समस्याओं को भी सुना। इस मौके पर भारतीय मजदूर संघ के जिला मंत्री हरि सिंह रघुवंशी (हैरी) कोषाध्यक्ष मयंक शर्मा राज्य कर्मचारी संघ के सचिव रघुवीर शर्मा भवन निर्माण के जिलाध्यक्ष प्रदीप पटेल, प्रेम नारायण ओझा, रानू पटेल ,बल्लू खान आदि उपस्थित रहे।

सेगांवा में बस दुर्घटना के घायलों से मिलने जिला अस्पताल पहुंचे विधायक, जाना हाल

खरगोन। खरगोन से अलीराजपुर जा रही एम एस टी बस की हुई दुर्घटना में घायलों के हाल जानने जिला अस्पताल पहुंचे विधायक बालकृष्ण पाटीदार ने घायलों के उचित उपचार के साथ हर संभवतः मदद देने के बात कही। साथ ही विधायक पाटीदार ने प्रभारी सिविल सर्जन डॉ शेपटा को घायलों में दमोह से आए नर्मदा परिक्रमा वासीयों को भोजन,आवास ओढ़ने बिछाने सहित उन्हें स्वस्थ होने तक भर्ती रखने के निर्देश दिए। विधायक ने घायलों को प्रशासनिक स्तर समस्त सुविधाओं का लाभ दिलवाने की बात कही। साथ ही उन्हें अच्छे स्वास्थ्य की कामना करते हुए अस्पताल प्रबंधन को इलाज में लापरवाही न करने की हिदायद दी।

सर्वे के आधार पर निष्कर्ष निकलेगा की लाइन सैद्धांतिक है, या नहीं: सिंधिया

अशोक नगर। पिपरई ललितपुर चंदेरी नई रेल लाइन के सर्वे के आधार पर निष्कर्ष निकलेगा की वह लाइन सैद्धांतिक है या नहीं, सर्वे के लिए रेल विभाग 2 करोड रुपए स्वीकृत किए हैं और शीघ्र ही रेल विभाग की टीम सर्वे कार्य प्रारंभ करेगी। यह बात केंद्रीय मंत्री एवं क्षेत्रीय सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने रविवार को कलेक्ट्रेट के सभागार में पत्रकार वार्ता के दौरान संबोधित करते हुए बताई। उन्होंने बताया कि अशोक नगर जिले के एक प्रतिनिधि मंडल ने उनसे मुलाकात कर उक्त रेल लाइन के विषय में मांग रखी थी जिसे लेकर वह प्रधानमंत्री और रेल मंत्री के पास पहुंचे। और उन्हें रेल लाइन के बारे में बताया। श्री सिंधिया ने कहा कि यह पहला कदम है,और इसमें हम सभी के संयुक्त प्रयासों से सफल हो पाए हैं।

पार्षद रचना परिहार का आरोप, पीआइसी का इस्तीफा नहीं किया जा रहा स्वीकार

भ्रष्टाचार और मनमानी से तंग आकर पीआइसी से दिया है इस्तीफा

सत्ता सुधार ■ अशोक नगर

नगर परिषद् शाढौरा में पार्षदों द्वरा अविश्वास प्रस्ताव के लिय सम्मेल्लन बुलाने कलेक्टर को दिय आवेदन और सरकार द्वारा अध्यक्ष्यों का अविश्वास 2 वर्ष की जगह 3 वर्ष किये जाने से शाढौरा नगर परिषद् में में भ्रष्टाचार चरम पर है। आये दिन शिकायतों के वाद भी कोई कार्यवाही नहीं होने से अध्यक्ष अपनी मनमानी कर रहा है ताजा मामला जीईएम पोर्टल की खरीदी में नगर परिषद् शाढौरा द्वारा की जा रही अनियमितता का है जिसकी शिकायत नगर परिषद् के 9 पार्षदों ने शुक्रवार शाम को कलेक्टर से कर जांच की मांग की है पार्षद राकेश रघुवंशी ने बताया की अध्यक्ष अशोक माहोर को शहर के विकास से कोई सरोकार नहीं है वह सिर्फ नगर परिषद् से लूट खसोट करने में लगे है। जिनमे 1-1 लाख रूपये लेकर 10 सफाई कर्मचारी रखने, अपने सगे भाई गुड्डु कोरी और भतीजे विनोद माहोर को नगर परिषद् में नौकरी देने ,लाखो रुपये महीने का डीजल लेने, ऑफ़ लाइन निर्माण कार्य प्रमुख है । जिनकी शिकायत हमारे द्वार कलेक्टर कमिश्नर और प्रमुख सचिव से की गई है जिनकी जांच चल रही है इसके वाद भी नगर परिषद् में भ्रष्टाचार चरम पर है पार्षद रचना परिहार ने बताया कि अध्यक्ष द्वारा किये जा रहे भ्रष्टाचार और मनमानी से तंग आकर मेने पीआइसी से इस्तीफा दे दिया है पर मेरे इस्तीफा को स्वीकार नहीं किया जा रहा है क्योंकि अध्यक्ष को डर है मेरे इस्तीफा के वाद इनके पास 5 सदस्य भी नहीं है जिससे पीआइसी चला सकें वेसे तो जब अध्यक्ष के विश्वास के 5 सदस्य भी नहीं है तो नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दे देना चाहिय पर अध्यक्ष के पास नैतिकता नाम की कोई चीज दिखाई नहीं देती और नगर परिषद् शाढौरा द्वारा 3-नग ट्रेक्टर ट्रेलर (मड पंप) खरीदी की जा रही है जिसकी निकाय में कोई आवश्यकता नही है इस संबंध में प्रेसिडेंट इन काउंसिल की बैठक दिनांक 23/10/2024 को पारित संकल्प क्रमांक 107 में भी मेरे द्वरा उल्लेखित कराया है कि निकाय के पास 1 मड पंप पूर्व से है जिससे निकाय की आवश्यकता की पूर्ति हो रही है 3 नए मड पम्प खरीदने की कोई आवश्यकता नहीं है इस राशि से कचरा वाहन खरीदी की स्वीकृति प्राप्त कर कचरा वाहन खरीदी की जावे जो निकाय हित में होगी परन्तु मेरे सुझाब एवं अन्य 8 पार्षदों के विचार को भी नजरअंदाज कर उक्त खरीदी की जा रही है 7इस खरीदी के पीछे का मुख्य कारण मोटा कमीशन है क्योंकि उक्त आयटम खरीदने के लिय पूर्व में भी 2 बार टेंडर जारी किय जा चुके है परन्तु चाही गई फर्म के अतिरिक्त टेंडर आ जाने से प्रेसिडेंट इन काउंसिल (पीआइसी) में संकल्प पारित कर निविदा निरस्त कर पुनः लगाई जा रही है एवं फर्म विशेष को फायदा पहुंचाने और अन्य फर्मो की भागीदारी न हो पाए इसलिय अनावश्यक शर्तें लगाई जाती है हमने शुक्रवार शाम को कलेक्टर से मिलकर उक्त खरीदी की जांच किये जाने हेतु 9 पार्षदों का हस्तक्षरित पत्र सौंपा जिनमे वीरन आदिवासी पार्षद वार्ड क्र.1 सविता बाई अहिरवार पार्षद वार्ड क्र.2, रविन्द्र कुमार पार्षद वार्ड क्र.3, रेखा नामदेव पार्षद वार्ड क्रमांक 5, फैमिदा बानो पार्षद वार्ड क्र.13, शांति हरिओम शर्मा पार्षद वार्ड क्र. 6, सहादत इस्लाम पार्षद वार्ड क्र.15 आदि है।

अतिक्रमण हटाने अगस्त 2024 में दिए नोटिस, नवंबर 24 में कर वसूली

तहसीलदार का अनोखा खेल पहले नोटिस,फिर कर वसूल

सत्ता सुधार ■ अशोक नगर

नई सराय तहसील में आंख मिचैली का खेल खेला जा रहा है। नईसराय तहसीलदार कभी अतिक्रमण हटाने नोटिस थमा देते है तो कभी कर वसूली करने गुंथी धारियों को तहसील में कर जमा करने बुला लेते है ऐसा खेल लंबे समय से नई सराय तहसील में देखने को मिल रहा है ।

अभी कुछ माह पहले 8 अगस्त2024 को लक्ष्मी प्रसाद अहिरवार तहसीलदार नई सराय के द्वारा शासकीय सर्वे नंबर 602 पर टीन सेट गुन्थियो को हटाने नोटिस दिए थे। अतिक्रमण तो हटा नही ,अब 27 नबम्बर 2024 में कर वसूली करने दुकानदारों को नोटिस थमा दिए, इस तरह तहसीलदार न तो अतिक्रमण हटवा रहे ओर न जवाव दे रहे वास्तविकता में अतिक्रमण हटना अति अनिवार्य हैं । तीनसेट गुन्थियो, सब्जियों के हाथ ठेला, दुकानदारों ने सड़क को भी नही छोड़ा जिसके कारण अशोकनगर, गुना शिवपुरी, ईशागढ को जाने बाली बसों को सड़क पर खड़ा होना पड़ता है बही पी.एम श्री शासकीय माधव उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नई सराय का मुख्य गेट भी दिखाई नही देता इन्ही तीनसेट गुन्थियो के पीछे स्वच्छता परिसर है मगर दिखाई न देने के कारण लोगो ओर महिलाओं को लघुशंका, के लिए इधर उधर भटकना पड़ता है तहसीलदार तो विधायक के दवाव में काम कर रहे है स्थानिय अधिकारियों के साथ अनुभाग, ओर जिले के अधिकारियों को पता होने के बाद भी नोटिस पर कार्यवाही नही हुई ओर न ध्यान दिया।

अतिक्रमण हटने से क्या हॉग

नई सराय तहसील की बेस कीमती शासकीय सर्वे नम्बर 602 की भूमि पर पंचायत भवन, हायरसेकंडरी स्कूल सहित अन्य भवन बने है उक्त सर्वे नम्बर के कुल रकवा 0.941 में से 4 विगा जमीन पी. एम श्री विद्यालय की है मगर मोंके पर 1 विगा भी नही, अगर प्रशासन चाहे अतिक्रमण हट जाता है तो पंचायत किसी निधी से दुकानों को पक्का निर्माण करवा कर ,बोली लगवा कर दुकानों की निलामी की जाती है तो दुकाने इन्ही दुकानदारों को मिल जाएगी साथ पंचायत विकाश निधि में नीलामी की राशि भी आजाएगी ओर वैकल्पिक बस स्टेण्ड पर बसों को रोड़ पर खड़ा नही होना पड़ेगा।

इनका कहना है

शासकीय भूमि सरकार की है और पंचायत पक्की बना कर दे भी रही है तो क्यो प्रशासन अतिक्रमण हटाने पीछे हट रही है।
-राजेश अहिरवार स्वमसेवक

मराल कंपनी के गेट पर दुर्घटना में मृतक मजदूर की लाश रखकर परिजनों दिया धरना

सत्ता सुधार ■ खरगोन

खरगोन जिले के बलकवाड़ा थाना के खलटाका पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम खलबुजुर्ग मराल ओवरसीज के मजदूर ड्यूटी से घर लोट रहे कंपनी श्रमिक को ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी जिसका सीसीटीवी वीडियो भी आया सामने जिसे पुलिस वाहन की सहायता से धामनोद अस्पताल पहुंचाया जहां से उसे इंदौर रैफर किया इंदौर जाते समय मजदूर ने रास्ते में दम तोड़ दिया जिससे बाद मृतक युवक के शव को परिजनों द्वारा मराल कंपनी के गेट पर लाकर धरना प्रदर्शन कर आर्थिक सहायता की मांग की । करीब 3 घंटे तक परिजन के साथ अन्य मजदूर धरने पर जमे रहे। मजदूर संघ के जिला मंत्री नरेंद्र पटेल मजदूर की मौत पर उन के हक पर आवाज उठाते हुए मांग पूरी होने तक धरना जारी रखने पर अड़े रहे। मौके पर पहुंचे प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस के द्वारा बार बार समझाइश दी गई लेकिन धरने पर बैठे लोग हटने को तैयार नहीं थे। एसडीओपी मनोहर सिंह गवली मौके पर पहुंचे साथ ही कसरावद एसडीएम सत्येंद्र बैरवा सहित नायब तहसीलदार शेफाली अग्रवाल बड़ी संख्या में पुलिस बल पहुंचे परिजनों को समझाइश देने के बाद शव को कंपनी गेट से ले जाया गया।

समर्पण सृजन केंद्र का आयोजन, निमाड़ के विकास में खण्डवा की भूमिका

कार्यक्रम में खंडवा को संभागीय मुख्यालय बनाने की भी पुरजोर मांग उठी,

सत्ता सुधार ■ खंडवा

समर्पण सृजन केंद्र द्वारा आयोजित कार्यक्रम में निमाड़ के विकास को लेकर शहर के गणमान्य नागरिकों ने अपने विचार साझा कीये, आयोजित कार्यक्रम में जिले के विकास को लेकर उपस्थित जनों ने अपनी बात प्रस्तुत की, समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि आयोजित कार्यक्रम में सबसे महत्वपूर्ण बिंदु प्रदेश शासन द्वारा जो निर्णय निमाड़ को संभाग बनाने को लेकर लिया जा रहा है, उसके अंतर्गत सभी ने एक मत से कहा कि संभाग का मुख्यालय खंडवा हो क्योंकि भौगोलिक एवं सभी दृष्टि से खंडवा उपयुक्त है, कार्यक्रम में शहर के वरिष्ठ पत्रकार जय नागड़ा ने अपने उद्बोधन में बड़ी बात कही की निमाड़ के विकास करना है तो अपनी स्वयं की भूमिका पहले तय करना होगी ,बच्चो को सच को सच ओर गलत को गलत कहना सीखना होगा,खण्डवा की पॉपुलेशन जब 50 हजार थी तब जनता की कोई आवज उठती थी तो उसमें वज़न होता था और वो दिल्ली तक सुनाई देती थी, आज खंडवा की जनसंख्या ढाई तीन लाख है परन्तु वो आवाज आज नही है, जनता जागरूक ही नही,इसी क्रम में चैम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष सुनील बंसल ने कहा कि खण्डवा संभागीय मुख्यालय बनता है तो शहर का विकास तेजी से होगा। खण्डवा के वरिष्ठ पत्रकार डॉ प्रमोद सिन्हा ने अपने वक्तव्य में कहा कि निमाड़ में बहुत संभावना है,निमाड़ में पिछले 70 सालों में जो शिक्षण संस्थान थे वो ही आज भी है ,निमाड़ की बोली निमाड़ी बहुत मीठी है उसे सहजने की आवश्यकता है।भाजपा के नेता और समाजसेवी मंगल यादव ने अपने उद्धबोधन में खण्डवा में खेल और कुश्ती पर प्रकाश डाला साथ ही कहा कि हमारे दिवंगत नेताओ ने जिस प्रकार दबंगता से खण्डवा का विकास किया जिनमे भगवंतराव मंडलोई, पंडित गंगा चरण मिश्र ओर हुकुमचंद यादव जी वो काबिले तारीफ है । श्री यादव ने खण्डवा को आध्यात्मिक शहर बताया।वरिष्ठ पत्रकार राजेन्द्र पराशर ने अपने उद्बोधन मे तठस्थता के साथ अपना पक्ष रखा और सीधे रूप से खंडवा को संभागीय मुख्यालय बनने की बात कही।शहर के सफल उद्योगपति एव साहित्यकार आलोक सेठी ने खण्डवा में भाई चारे ओर आपसी प्यार मोहब्बत से खंडवा के विकास की बात कही ।

सीएम ने सड़क दुर्घटना में मृतकों के परिवार को 2-2 लाख रुपए सहायता दी

खरगोन। जिले के सेगांव में 30 नवंबर 2024 को हुई सड़क दुर्घटना में बस के पलटने से चार लोगों की मृत्यु हो गई है और 13 लोग घायल हो गए हैं । मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने इस दुर्घटना में मृतकों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त की है और उनके परिवार को मुख्यमंत्री स्वेच्छा अनुदान से 02-02 लाख रुपए की राशि देने के निर्देश दिए हैं । मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घायलों का समुचित उपचार करने के निर्देश भी दिए हैं। कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा ने इस दुर्घटना में घायल 13 लोगों को रेड क्रॉस की ओर से 05-05 हजार रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की है। खरगोन एसडीएम श्री बी.एस. कलेश ने जिला चिकित्सालय में उपचाररत सभी 13 घायलों को 05-05 हजार रुपये की राशि की चेक प्रदान किए और उनका हाल-चाल जाना । खरगोन के समाजसेवी श्री कमलेश भंडारी द्वारा दी सभी 13 घायलों को 01-01 हजार रुपये की सहायता राशि और ठंड से बचाव के लिए गर्म कपड़े अपनी ओर से दान किए गए हैं । इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉक्टर ए.एस. चौहान भी मौजूद थे । डॉक्टर चौहान ने बताया कि सभी घायलों का उपचार किया जा रहा है और सभी खतरे से बाहर है।

सत्ता सुधार में हर वर्ग के पाठकों की रुचि की सामग्री

सत्ता सुधार ■ अशोक नगर

आज के समय में वैसे तो बहुत से अखबार और न्यूज़ चैनल खबरों का माध्यम है लेकिन भोपाल से निकलने वाले **दैनिक सत्ता सुधार अखबार** की बात ही अलग है। रविवार को अशोकनगर में चौक चौराहों पर पाठकों के बीच जब अखबार पहुंचा तो लोगों ने काफी सराहा और कहा कि इसकी कीमत कम और पृष्ठ संख्या अधिक है, इसमें हर पाठक वर्ग के लिए पठनीय सामग्री है, आज के इस महंगाई दौर में जहां चाय भी कम से कम 5 रुपए में मिलती है, वहीं यह अखबार तो सिर्फ 3 रुपए का है, जिससे इसे पढ़ने वाले लोगों पर अधिक आर्थिक भार नहीं पड़ता। कई अन्य अखबार जो आर्थिक रूप से कमजोर लोगों की पहुंच से बाहर होते हैं, ऐसे में यह अखबार सभी की पहुंच में है, इसमें आकर्षक साज सज्जा के साथ रंगीन पृष्ठ, जिसमें प्रथम पृष्ठ पर प्रमुख राष्ट्रीय खबरें, समसामयिक विषयों पर आलेख के साथ ही सामाजिक और राजनीतिक खबरें महत्वपूर्ण है, घटनाक्रम और रोचक तथ्यों के साथ जानकारी इसको और भी आकर्षक बनाती है। देश विदेश की खबरों के लिए इसमें एक अलग ही पृष्ठ है जिसमें विश्व भर की सभी प्रमुख खबरों को पर्याप्त स्थान है संपादकीय पृष्ठ भी अनोखे कलेवर में विश्वसनीयता के साथ घटनाक्रम, सामाजिक विषयों का सटीक प्रस्तुतीकरण देता है। बच्चों के लिए भी रोचक मनोरंजन आलेख है। आंचलिक खबरों के साथ प्रदेश एवं देश की खबरें, अंतिम पृष्ठ पर विविध में सभी राजनीतिक दलों की हलचल और सभी को पर्याप्त स्थान इसके अनोखे पन का एहसास कराता है। युवा वर्ग और साहित्य प्रेमियों के लिए फीचर और सिनेमा से संबंधित खबरें, व्यापार पृष्ठ पर पर्याप्त और परिपूर्ण जानकारी के साथ ही खेल प्रेमियों के लिए भी खेल पृष्ठ अलग ही है। ऐसे में यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगा कि एक पूर्ण और पर्याप्त अखबार है, जिसमें गागर में सागर भरने वाली बात चरितार्थ होती है।

सभी का लोकप्रिय अखबार दैनिक सत्ता सुधार

विहिप पदाधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित

अशोक नगर। विश्व हिंदू परिषद अशोकनगर जिला बैठक कार्यालय पर रखी गई जिसमें विगत कार्यक्रमों की समीक्षा आगामी कार्यक्रम की योजना बनाई गई। इसमें तय किया गया प्रांत धर्म प्रसार प्रमुख डॉक्टर दीपक मिश्रा ने अह्वान किया कि सकल समाज के द्वारा बांग्लादेशी हिंदुओं पर हो रहा है। अत्याचार के विरोध के आंदोलन में समस्त हिन्दु समाज की भागीदारी कराई जाएगी एवं सभी कार्यकर्ता परिवार सहित उपस्थित रहेंगे। विभाग संयोजक वेदराम लोधी द्वारा आगामी शौर्य संचालन के संबंध में बताया गया। अवसर पर विभाग मंत्री सुरेश शर्मा द्वारा आगामी शौर्य संचालन एवं धर्म रक्षा निधि कार्यक्रम संगठन योजना को बताया रिसेप्शन पर जिला अध्यक्ष दिनेश जैन, कोषाध्यक्ष रामकुमार चौधरी ,सह मंत्री कंछेदी दांगी, हेमंत जैन, विकास जैन, बाली, हेमराज नामदेव, अशोक रघुवंशी, अभिषेक यादव, सीताराम तिवारी, नीरज जोशी, बंटी शर्मा, रामकिशन केवट, दीपक जोशी, हरिओम शर्मा, राजकुमार कुशवाह आदि मौजूद रहे।

150 वर्ष प्राचीन शनि मंदिर में मनाया बनाया गया शनि अमावस्या उत्सव

हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंच कर भगवान शनि देव के दर्शन कर अपने हाथों से प्रतिमा पर किया तेल से अभिषेक,

शनि अमावस्या पर श्रद्धालुओं की उपस्थिति में मंदिर में हुई महाआरती

सत्ता सुधार ■ खंडवा

भवानी माता रोड स्थित डेढ़ सौ वर्ष प्राचीन प्राचीन शनि मंदिर में शनिवार को शनि अमावस्या उत्सव मनाया धार्मिक उत्साह के साथ मनाया गया, बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने परिवार सहित पहुंचकर भगवान शनिदेव के दर्शन कर प्राचीन प्रतिमा पर अपने हाथों तेल से अभिषेक किया, समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि शनिवार के दिन जब अमावस्या की तिथि लगती है इसे शनि अमावस्या कहते हैं। शनि अमावस्या का धार्मिक दृष्टि से काफी महत्व है। कहते हैं कि शनि अमावस्या के दिन शनि देव की पूजा-अर्चना करना बहुत ही फलदायी होता है। इससे शनिदेव का प्रतिकूल प्रभाव कम होता है। अढैय्या और साढेसाती में शनि अमावस्या के दिन शनिदेव की पूजा करने से लाभ मिलता है। साथ ही इस दिन शनि अमावस्या की कथा का पाठ करना भी शुभ लाभ दिलाता है। शनि मंदिर के पुजारी गोविंद रामस्वरूप शर्मा ने बताया कि शनि अमावस्या के दिन शनिवार को प्रातः 5:00 से शाम 4:00 तक श्रद्धालु ने परिवार के साथ मंदिर में आकर दर्शन कर शनिदेव की प्रतिमा पर अपने हाथों से तेल से अभिषेक किया , जिन लोगों को शनि की महादशा, अंतर, परंतर दशा, साडेसाती, अढैया, राहु केतु दशा अनिष्ट चल रही चल रही थी उन्होंने शनि मंदिर मैं पहुंच कर अपने कल्याण के लिए शनिदेव का तेल से अभिषेक एवं दान कर पुण्य प्राप्त प्राप्त किया, समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि शनिवार को तेल अभिषेक स्नान के साथ दोपहर मंदिर के पुजारी गोविंद रामस्वरूप शर्मा ने दोपहर 12:30 बजे एवं रात्रि 8:00 बजे महाआरती की आरती के पश्चात मंदिर में प्रसादी का वितरण हुआ।

आयोजन देवी अहिल्या बाई कभी भी विषमता एवं...

संघर्षों से विचलित नहीं हुई अपितु विषमता को ही शक्ति बनाकर आगे बड़ी : स्वाति

सत्ता सुधार ■ अशोक नगर

नगर के तारा सदन सीनियर सेकेंडरी स्कूल में पुण्य श्लोक देवी अहिल्या बाई होलकर समिति द्वारा विद्यालय में एक संगोष्ठी का आयोजन किया जिसमें मुख्य वक्ता एवं मुख्य अतिथी के रूप में स्वाति द्विवेदी एवं विशिष्ट अतिथी के रूप में संजय नागर जिला प्रचारक आर एस एस एवं समिति की सदस्य डॉ निकिता चौरसिया एवं समिति के सह सचिव ब्रजकिशोर शर्मा ,वसंत सक्सेना उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आरंभ में भारत माता एवं देवी देवी अहिल्या बाई के चित्र पर पुष्प अर्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम को आगे बड़ाते हुए संस्था के छात्र छात्राओं द्वारा अतिथियो का स्वागत किया वक्ता के रूप में जिला प्रचारक जी द्वारा पंच परिवर्तन के विषय को रखते हुए विस्तार पूर्वक बताया की हमें अपने नागरिक कर्तव्यों का पालन करना चाहिए हमे पर्यावरण की सुरक्षा करना सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग पूर्णतः बंद होना चाहिए परिवार में शाम का भोजन एक साथ करना चाहिए एवम स्वदेशीबस्तुओं का उपयोग करना एवम विदेशी बस्तुओं का बहिष्कार करना चाहिए हमे समाज में समरसता का भाव रखते हुए रहना चाहिए, कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में स्वाति द्विवेदि जी ने देवी अहिल्या बाई के जन्म से लेकर मृत्यु तक का जीवन वृतांत प्रस्तुत किया आपने बताया की देवी अहिल्या बाई साहस और शक्ति की प्रतिमूर्ति थी आपने अल्प आयु से ही संघर्षो को झेला लेकिन आपने कभी धैर्य नहीं खोया आपने अपने जीवन में तीन युद्ध लड़े और तीनो में विजय प्राप्त की आपने अपने 28 वर्ष के शासन काल में अपने राज्य में बहुत से आर्थिक समाजिक विकाश कार्य किए आपके द्वारा संचालित शासन का विकेन्द्री करण योजना एवम पंचायती राज योजना आज भी हमारे द्वारा मान्य है आपने महिलाओं के उत्थान के लिए विशेष कार्य किए जिसमें शिक्षा के लिय विद्यालयो की व्यवस्था विधवा महिलाओं को पूर्ण अधिकार प्रदान किए आपने बताया देवी अहिल्या बाई ने अपने राज्य में ही नहीं अपितु पूरे भारत वर्ष में विकाश कार्य करवाये देवी विकाश साथसाथ न्याय ऐवम धार्मिक कार्यो के लिए जानी जाती है अहिल्या बाई ने पूरे भारत वर्ष में तोड़े गए मंदिरों जीरोद्वार करवाया साथ ही नए मंदिरों निर्माण करवाया अहिल्या बाई ने कलकत्ता से काशी विश्वनाथ तक एक सड़क निर्माण करवाया अहिल्या बाई होलकर अपने राज्य को समृद्ध शाली राज्य बनाया जो वर्तमान में इंदौर के नाम से जाना जाता है अंत में प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम डॉ निकिता चौरसिया द्वारा रखा गया जिसमे सभी छात्र छात्राओं ने भाग लिया द्वारा पुरस्कार प्रदान किए कार्यक्रम के अंतमे विद्यालय की प्राचार्य द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया ।

नशा मुक्ति कार्यक्रम में लोगों को दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी गयी

फिरोजाबाद । नशा मुक्ति अभियान योजना के तहत एक कार्यक्रम उलेमा व पुलिस प्रशासन के साथ संपन्न हुआ जिसमें लोगों को जागरुक करते हुए वक्त-ाओं ने कहा कि नशे के खिलाफ एकजुट होकर हम सब मिलकर दानव रूपी नशे का खात्मा करेंगे ।ग्रामीण पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदोरिया, सीओ सिटी अरुण कुमार चौरसिया, रामगढ़ थाना प्रभारी संजीव दुबे, रसूलपुर क्राइम इंस्पेक्टर हारून खान, के साथ खास बात यह रही के सभी धर्म के धर्म गुरु शिक्षाविद, व्यापार मंडल सामाजिक जिम्मेदार इस कार्यक्रम में मौजूद रहे ।सिख धर्म गुरु हेड गुरुद्वारा ज्ञानी करनैल सिंह, व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष र-विंद्र लाल तिवारी, शिक्षाविद डॉ,मयंक भटनागर, मुस्लिम धर्मगुरु मौलाना तनवीर उल कादरी, हाफिज रफीउद्दीन, हाफिज अरशद रजवी, हिकमत उल्ला खान, मौजूद रहे ।कार्यक्रम में आए हुए सभी मेहमानों ने नशे के खिलाफ बारीकी से समझाया। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदोरिया ने कहा के दानव रूपी नशा जो हमारे समाज में पैर पसार रहा है और लोगों भविष्य को खराब कर रहा है जिससे परिवार के परिवार नष्ट हो रहे हैं। सिगरेट, चरस, स्मैक, इंजेक्शन, शराब या गोली का नशा करने से आर्थिक शरीर से कमजोर होते हैं अंत में नशा इंसान की जान लेकर ही रहता है इसलिए लिए हम सब मिलकर नशे के खिलाफ एकजुट होकर अपने-अपने मोहल्ले क्षेत्र गली में अपने नौजवानों और बच्चों को जागरूक करें ।सीओ सिटी अरुण कुमार चौरसिया ने कहा के हमारे समाज में नशा हमारे नौजवान और बच्चों के भविष्य भविष्य और स्वास्थ्य खिलवाड़ हो रहा है,नशे से दूर रहें ।सिख धर्म गुरु ज्ञानी करनैल सिंह ने कहा के वाहेगुरु, ईश्वर,अल्लाह ने हर तरह के नशे के लिए मना करा है क्योंकि नशा शरीर के साथ-साथ पूरे परिवार को नष्ट कर देता है,व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष र-विंद्र लाल तिवारी ने कहा कि हमारा मजदूर भाई दिन भर आग में जलकर मेहनत करके मजदूरी लेकर जब वापस आता है तो वह उसे पैसे से शराब या कोई भी नशा करता है तो अपने परिवार को बर्बाद कर देता है ।शिक्षा की डॉक्टर मयंक भटनागर ने कहा कि आजकल के बच्चे नौजवान नशे के आदि होते जा रहे हैं बच्चे अपने बसतो में सिगरेट और नशे के समान स्कूल में भी रखकर लाने लगे हैं टीचर के साथ बच्चों के परिवार वालों की ज्यादा जिम्मेदारी होती है, क्योंकि बच्चा घर मोहल्ले मां-बाप के साथ ज्यादा टाइम बीताता है तो परिजनों की सबसे ज्यादा जिम्मेदारी होती है कि अपने बच्चों को देखें कि वह क्या-क्या है हमारे बच्चे नशे की लत मैं तो नहीं पढ़ रहे हैं ।धर्मगुरु मौलाना तनवीर उल कादरी, हाफिज रफीउद्दीन कादरी, कहा कि इस्लाम मैं नशा हर तरह से हराम करार किया है किसी भी तरह के नाश करने के बाद नहा तो उसकी नमाज होती है ना ही उसकी दुआ कबूल है। हाफिज अरशद रजवी करबला कमेटी के अध्यक्ष हिकमत उल्ला खान ने कहा के यह समाज नाश करने वालों को बहुत ही गंदी नजर से देखा जाता है ।नशा जान लेकर ही रहता है। इसलिए नशे जैसी बुरी लत से बचें ।नशा मुक्ति कार्यक्रम में कार्यक्रम संयोजक मौलाना अजीम रजा ने आए हुए मेहमानों का बुके देकर, मटर माला, गुलाब की माला, शाल पहनकर, मोमेंटो शील्ड देकर स्वागत किया। मुख्य रूप से ग्रामीण पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदोरिया, सीओ सिटी अरुण कुमार चौरसिया, रामगढ़ थाना प्रभारी संजीव दुबे, रसूलपुर क्राइम इंस्पेक्टर हारून खान, सिख धर्म गुरु हेड ज्ञानी करनैल सिंह, मुस्लिम धर्मगुरु मौलाना तनवीर उल कादरी, हाफिज रफीउद्दीन कादरी, हाफिज अरशद रजवी, उद्योग व्यापार मंडल जिला अध्यक्ष र-विंद्र लाल तिवारी, शिक्षाविद डॉ मयंक भटनागर, करबला कमेटी के अध्यक्ष हिकमत उल्ला खान, हाफिज नाजिम, हाफिज जीशान, सदर अशरफ राजा, हसीन अख्तर खजांची, नायब सदर अरमान, नायाब सेक्रेटरी राशिद , शरीफ, अरमान, फुरकान रजा, अफसर, आबिद, आदि लोग मौजूद रहे।

ज्वैलर्स की दुकान से लूट का मामला, पुलिस मुठभेड़ में लगी गोली, लुटेरा गिरफ्तार

फिरोजाबाद। एसपी ग्रामीण अखिलेश भदौरिया ने बताया कि मुठभेड़ में फिरोजाबाद की सिरसागंज पुलिस टीम, सर्विलांस और एसओजी की संयुक्त कार्रवाई में पुलिस मुठभेड़ के दौरान शातिर लुटेरे मोहन लाल यादव को गिरफ्तार किया गया है। पैर में गोली लगने से लुटेरा घायल है, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोपी लुटेरे के पास से एक तमंचा, कारतूस ओर लूटी गई 48600 रुप की रकम भी बरामद हुई है। एक दिन पहले सिस्सागंज कस्बे में एक ज्वेलरी की दुकान से 50 हजार रुपये की लूट हुई थी. जिसके बाद पूरे कस्बे में हड़कंप मच गया था और पुलिस के आला अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए थे। बीती रात चेकिंग के दौरान सिरसागंज पुलिस टीम को मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि आरोपी लुटेरा मोहन लाल यादव भागने की फिराक में है, जो मोटरसाइकिल पर गांव गदिया नैन से सिरसागंज कस्बे की तरफ आ रहा है। इस सूचना पर पुलिस टीम नगला खंगर रोड पर चेकिंग कर रही थी, इसी दौरान सामने से एक मोटरसाइकिल आती दिखाई दी, जिस पर एक व्यक्ति सवार था, जिसे पुलिस टीम ने रुकने का इशारा किया। मोटरसाइकिल सवार संदिग्ध ने मोटरसाइकिल को पीछे मोड़कर भागने का प्रयास किया, जिससे मोटरसा-इकिल फिसलकर हड़बड़ाहट में गिर गई।

किसानों को उचित सर्किल रेट पर मुआवजा दिया जाए

लसिरसागंज : थाना नसीरपुर क्षेत्र में आईटी हब इंडस्ट्रीज एरिया (औद्योगिक गलियारा) बनाने के लिए किसानों की जमीन को प्रशासन द्वारा कम सर्किल रेट पर जबरदस्ती अधिग्रहण किया जा रहा है। जिसको लेकर वहां के किसान कई दिनों से धरने पर बैठे हुए हैं। किसानों के बीच धरना स्थल पर सिरसागंज विधायक सर्वेश यादव ने पहुंचकर किसानों की मांगों का समर्थन करते हुए। प्रशासन से अपील है कि सभी किसानों को उचित सर्किल रेट पर मुआवजा दिया जाए

शिक्षा विभाग के वरिष्ठ लिपिक ने 40 हजार की रिश्वत मांगी

सत्ता सुधार संवादाता इटावा

जहां शिक्षा विभाग की वरिष्ठ लिपिक को विजिलेंस टीम ने 40000 की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा है आखिर पूरा मामला क्या है देखिए खबर इटावा से जहां शिक्षा विभाग की वरिष्ठ लिपी को बिजनेस टीम ने 0000 की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा है बेसिक शिक्षा विभाग में तैनात वरिष्ठ लिपिक शिवकुमार को बिजनेस की टीम ने पकड़ा वरिष्ठ लिपिक के पक्ष में देखे गए बेसिक शिक्षा अधिकारी शक के घेरे में आए राजेश कुमार लिपिक शिव कुमार द्वारा शिक्षक 50000 की मांग की गई थी जिसमें से 40000 लेते हुए बेसिक शिक्षा विभाग का वरिष्ठ लिपिक गिरफ्तार किया गया कानपुर विजनस टीम द्वारा एक शिक्षक की शिकायत पर बेरि-ाक शिक्षा विभाग के वरिष्ठ लिपि को पकड़ा गया है आगे की कारवाही होने के चलते शिवकुमार को कानपुर लेकर बिजनेस टीन निकली है इआपको फिरोजाबाद जहां तहसील सिरसागंज में एप योजना के अंतर्गत दिव्यांग जनों के लिए निशुल्क वितरण हिट परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया देखें यह रिपोर्ट खबर फिरोजाबाद से जहां तहस सिरसागंज में एडप योजना के अंतर्गत दिव्यांग जनों के लिए निशुल्क वितरण हिट परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें स्थानीय एवं ग्रामीण स्थान से अपना

अपना रजिस्ट्रेशन कराने के लिए आए दिव्यांग जन यहां कार्यक्रम जनपद फिरोजाबाद में 26 नवंबर से 30 नवंबर तक चलेगा टप योजना के अंतर्गत दिव्यांग जनों को ट्राई साइकिल व्हील चेयर बीटीआई कान मशीन आदि उपकरण का वितरण किया गया इस योजना का लाभ दिलाने के लिए सीएमओ कार्यालय फिरोजाबाद से डॉक्टर एवं रजिस्ट्रेशन कार्यकर्ता भी आए हुए थे मैं निशु शिविर में प्रिंटर लगाया गया था जिससे दिव्यांग जन अपनी पर्ची निकलवा रहे थे लेकिन प्रिंटर घंटे तक खराब पड़ा रहा दिव्यांग जन इधर-उधर चक्कर लगाते हुए नजर आए वहीं खराब प्रिंटर के बारे में नगरपालिका चेयरमैन रंजना जड़ के द्वारा जानकारी में बताया गया कि आज तहसील सिरसागंज एप योजना के अंतर्गत निशुल्क प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें किसी कारणवश प्रिंटर खराब हुआ था उसकी ठीक कराने की व्यवस्था की जा रही है वहीं उपस्थित हड्डी रोग विशेषक डॉक्टर आकाश गौतम के द्वारा दी गई जानकारी में बताया गया कि स-कैंप के माध्यम से हजारों की तादाद में दिव्यांग जनों को अनेक सुविधाएं मिलेंगी सर सबसे पहले मैं आपका शुभ नाम जानना चाहूंगा मेरा नाम डॉ आकाश गतम है जी डॉक्टर साहब जो आज यहां तहसील सि-रसागंज में कैंप का आयोजन किया गया है यह किस तरीके का कप है इस कैंप में कितने दिव्यांग जनों ने अपने रजिस्ट्रेशन कराए य सीम ऑफिस कार्यालय के दवारा सर्टिफिकेट के लिए कैप आयोजित किया गया है इसके अंदर जो दिव्या जिनका सर्टिफिकेट सीएम ऑफिस में नहीं बन पा रहा था किसी वजह से या तो डिड थे या विकलांगता नहीं। उस सम वो बाद में पता चला सारी इसलिए किया गया और य पर अभी करीब 10 लोगों का सिफिट बन चुका है और करीब 15 लोगों का रजिस्ट्रेशन हुआ है इसमें किसस प्रकार की जो सुविधाए

उपलब्ध होंगी प्रला सरकार की जितनी भी योजनाए है उसका सबका लाभ मिलेगा पेशेंट को जो भी है टेंशन की है और ग्रह जो भी है स-रकारने जो दे रही है

अयोध्या बार एसोसिएशन मिल्कीपुर के वार्षिक चुनाव के कार्यक्रम की तारीख हुई घोषित

गजरौला : थाना क्षेत्र की चोपला पुलिस चौकी के पास एक छेड़छाड़ की घटना सामने आई है आगे बात करेंगे अयोध्या की जहां अयोध्या बार एसोसिएशन मिल्कीपुर के वार्षिक चुनाव के कार्यक्रम की तारीख घोषित कर दी गई है इस बुलेटिन में आगे बात होगी बहराइच की जहां पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृंदा शुक्ला द्वारा अपराध और अपराधियों की रोकथाम के लिए अभियान चलाए जा रहे हैं अमरोहा में मिशन शक्ति के बावजूद मनचलों के हौसले बुलंद है गजरौला

थाना क्षेत्र के चोपला पुलिस चौकी के पास एक छेड़छाड़ की घटना सामने आई दरअसल जहां आरोपी सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गए इस घटना का लाइव वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो गया जिसमें आरोपी को छेड़छाड़ करते हुए देखा जा सकता है हालांकि 4 दिन बाद भी पुलिस आरोपी को पकड़ नहीं सकी जिससे महिलाओं के साथ अपराध बढ़ने लगे हैं गजरौला पुलिस की सुस्ती के चलते इस तरह की घटनाएं बढ़ रही हैं पुलिस को इस मामले में तुरंत कार्यवाही करनी चाहिए और आरोपी को पकड़ना चाहिए अमरोहा से सी न्यूज संवाददाता गौरव श्री माली की रिपोर्ट अयोध्या बार एसोसिएशन मिल्कीपुर

के वार्षिक चुनाव के कार्यक्रम की तारीख घोषित कर दी गई है बार एसोसिएशन मिल्कीपुर के द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार 30 नवंबर को मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन के बाद 2 दिसंबर को अध्यक्ष सहित अन्य पदों के लिए नामांकन किया जाएगा 5 दिसंबर को नामांकन की आपत्ति व उसका निस्तारण 6 दिसंबर को नाम वापसी 16 दिसंबर को 11 बजे से 2 बजे तक मतदान तथा 16 दिसंबर को 2:30 के बाद मतगणना कर परिणाम घोषित कर दिया जाएगा अयोध्या से सी न्यू संवाददाता राहुल की रिपोर्ट बैरा पुलिस अधीक्षक वृंदा शुक्ला द्वारा अपराध एवं अपराधियों की रो थाम हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर

पुलिस अधीक्षक के कुशल नेतृत्व प्रभारी निर-ीक्षक रुपय डिहा दद्दन सिंह के निर्देशन में गठित पुलिस टीम द्वारा रात्रि में निरीक्षक अपराध रणजीत यादव उपनिरीक्षक अनिल कुमार यादव उपनिरीक्षक यतेंद्र सिंह में पुलिस टीम के देखभाल क्षेत्र भ्रमण व रात्रि गश तथा वांछित व वारंटी की तलाश में आ-ईसीपी रोड कुशलीगुडा ते हुए दिखाई दिए पुलिस बल को संदेह होने पर टॉर्च की रोशनी देकर उन्हें रोकने का इशारा किया तभी अचानक पुलिस वालों को देखकर गाड़ियां धीमी करते हुए पीछे मोड़कर भागना चाहा तभी पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ लिया पकड़े जाने पर भागने का कारण पूछा

गया तीनों व्यक्तियों ने बताया कि जिस मोटरसा-इकिल को चलाकर हम लोग आ रहे थे वो वो चोरी की है नेपाल बेचने के लिए ले जा रहे थे पकड़े जाने के डर से भाग रहे थे समय करीब 520 पर गिरफ्तार कर कड़ाई से पूछताछ की गई तो बताया कि ग्राम पचपकड़ी में भिन्न कंपनी की छह मोटरसाइकिल छिपाए हैं उसको भी बरामद करा देंगे हम पुलिस वालों ने अभियुक्तों की निशानदेही पर पहुंचकर छह मोटरसाइकिल बरामद की है

पर्यटन मंत्री ने लगाया जनता दरबार,तमाम शिकायतों का हुआ निस्तारण

फिरोजाबाद । उ.प्र. सरकार के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने अपने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आज रविवार को सिरसागंज स्थित अपने कैंप कार्यालय पर प्रातः 10 बजे से दूर दराज क्षेत्र से आए लोगों की शिकायतों को एक-एक कर गम्भीरता से सुना और उनका निस्तारण कराया। उन्होने कुछ फरियादियों के प्रार्थना पत्र को सम्बन्धित अधिकारियों से फोन पर वार्ता कर मौके पर ही निस्तारण कराया, शेष शिकायतों को उपस्थित अधिकारियों को एक सप्ताह के अन्दर गुणवत्ता के साथ निस्तारण करने के निर्देश दिए। जन सुनवाई कार्यक्रम में स्थानीय लोगों के अतिरिक्त मैनपुरी, इटावा, एटा, फिरोजाबाद सहित अन्य जनपदों से आए फरियादियों की समस्याओं को गम्भीरता से लेते हुए सम्बन्धित अधिकारियों से फोन पर वार्ता कर निस्तारण कराया। उन्होने जन शिकायतें सुनने के दौरान कहा कि अधिकारी जन शिकायतों के प्रति संवेदनशील रहें, आमजन की शिकायतों का समयबद्ध, गुणवतापरक निराकरण किया जाए ताकि किसी भी व्यक्ति को अपनी समस्या के समाधान के लिए बार-बार चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने कहा कि जन-शिकायतों का समयबद्ध, गुणवतापरक निराकरण प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता में है, यदि किसी भी अधिकारी, कर्मचारी के द्वारा शिकायतों के निराकरण में कोताही बरती गई या किसी भी स्तर पर शि-ाकायत के निस्तारण में विलंब किया गया तो संबंधित अधिकारी, कर्मचारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी, उन्होंने कहा कि किसी भी अधिकारी कर्मचारी के द्वारा किसी भी शिकायतकर्ता को बेबजह परेशान न किया जाए, पात्र होने की दशा में उसे प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जन-कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक दशा में उपलब्ध कराया जाए। पर्यटन मंत्री के जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान उप जिलाधिकारी सिरसागंज, पुलिस क्षेत्राधिकारी सिरसागंज सहित संबंधित अधिकारी कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में फरियादी उपस्थित रहे।

सड़क सुरक्षा एवं यातायात माह-2024 का हुआ समापन

फिरोजाबाद । उ० प्र० शासन द्वारा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु सम्पूर्ण प्रदेश में चलाये गये यातायात जागरुकता माह का समापन सीओ सिटी अरुण कुमार चौरसिया द्वारा किया गया वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद श्री सौरभ दीक्षित के निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक नगर के मार्गदर्शन में क्षेत्राधिका-री नगर द्वारा थाना प्रभारी उत्तर दक्षिण, प्रभारी यातायात मय यातायात पुलिस एवं अन्य आमन्त्रित गणमान्यजनों संग यातायात जागरुकता माह-2024 का समापन कार्यक्रम जैन मंदिर सुभाष तिराहा पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित समस्त वाहन चालकों जनपदवासियों को व्यापारी बन्धु श्री हेमन्त अग्रवाल बल्लू भाई एवं किड्स कॉर्नर पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर डॉ० श्री मयंक भटनागर के सौजन्य से हेमलेट वितरण किया गया साथ ही यातायात जागरुकता सम्बन्धी अभियानों के सम्बन्ध में विशेष जानकारी दी गई और सभी वाहन चालकों को यातायात नियमों का सदैव पालन करने की अपील की गई ।

फिरोजाबाद में युवक की हत्या कर शव जलाया: नग्नावस्था में मिला शव, 100 मीटर की दूरी पर खेत में

फिरोजाबाद । फिरोजाबाद में युवक की हत्या कर शव जलाया नंगना अवस्था में मिला शव 100 मीटर की दूरी पर खेत में मिले कपड़े बता दें कि थाना टू-ंडला क्षेत्र के गांव मोहम्मदाबाद क्षेत्र रोड पर अज्ञात युवक का शब मिलने से सनसनी फैल गई मृता की गला घोटकर धारदार हथियार से हत्या की गई है एसपी सिटी ऑफ फॉरेंसिक टीम ने घटना स्थल का मौका मुआयना कर साक्ष एकत्रित किए शनिवार सुबह थाना टूंडला पुलिस को सूचना मिली कि मोहम्मदाबाद त्रई रोड पर तालाब के किनारे एक अज्ञात युवक का शव जली हुई हालत में पड़ा हुआ है मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना को लेकर जांच पड़ताल शुरू की शब से धुआ उठ रहा था युवक नगन अवस्था में था और उस-ाके शहीद पर बोरियों को लपेटकर और उस पर फूस और लकड़ी रखकर आग लगाई गई थी शव के समीप उसका डब और 100 मीटर दूर आलू के खेत में उसकी उसके बाकी कपड़े पड़े हुए थे शव के समीपी माचिस और एक चाकू भी पड़ा हुआ मिला हत्या आरोपियों ने शव के सिर के नीचे कीट लगाई हुई थी उसके बाल भी भीग रहे थे जिससे आशंका व्यक्त की जा रही है कि वह तालाब में भी गिरा था एसपी सिटी र-विशंकर प्रसाद सीओ विनेश कुमार इंस्पेक्टर अजीश कुमार और फॉरेंसि-ाक टीम ने घटना को लेकर साक्ष एक-त्रित किए हैं सीओ का कहना है कि जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा शब की शकत के प्रयास किए जा रहे हैं फिरोजाबाद से उदय बान सिंह की रिपोर्ट मामला है सर देखिए मोहम्मदाबाद है थाना टुंडला अंतर्गत आता है यहां एक तालाब है और खेत इन दोनों के बीच में तालाब के किनारे एक अज्ञात व्यक्ति का जला हुआ 100 मिला है प्रथम दृष्टि यह हत्या ही प्रतीत हो रही है इसमें हम लोग फस टीम भी बुलाए हैं जाच पड़ताल की जा रही है इसमें इसमें मृत्यु का स्पष्ट कारण जानने के लिए इसकी पीएम पंचायतनामा की हम लोग कारवाई करा रहेहैं बाकी इस-ाकी पहचान के लिए भी हम लोग सोशल मीडिया में विन ग्रुप में इसकी पहचान के लिए फोटो और वीडियो डाल रहे हैं ताकि जल्दी से इसकी पहचान हो सके इसमें आसपास के लोग भी आए कोई अभी तक इसकी पहचान नहीं हो पाई है इसमें आगे की जो भी आवश्यक वैधानिक कारवाई है वो हम लोग करेंगे।

जीआरपी पुलिस ने नाबालिग लड़की को किया परिजनों के सुपुर्द

टूंडला : देर रात एक नाबालिग लड़की को जीआरपी पुलिस ने रेलवे प्लेटफार्म पर बैठे देखा, जोकि स्कूली ड्रेस पहने हुए थी। जीआरपी पुलिस ने उस नाबालिग को कार्यालय लाकर पूछताछ की तो उसने बताया कि वह फ्रेंड्स कॉलोनी इटावा की रहने वाली है। मम्मी के डांटने पर वह गुस्सा होकरस्कूल से सीधे ट्रेन में बैठ गई। और टूंडला आ गई। जीआरपी पुलिस ने नाबालिक लड़की के परिजनों को फोन कर टूंडला बुलाया और नाबालिक की काउंसलिंग कर परिजनों के सुपुर्द किया। बच्ची को सकुशल पाकर परिजन बहुत खुश हुए, और जीआरपी पुलिस का धन्यवाद किया।

जनपद फिरोजाबाद में 97.27 प्रतिशत छात्रों ने दिया निपुण असेसमेंट टेस्ट

शिकोहाबाद : जनपद फिरोजाबाद में कक्षा चार से लेकर आठ तक के 75009 बच्चों ने निपुण असेसमेंट टेस्ट दिया जिसमें कक्षा चार से आठ तक छात्रों की नमांकन संख्या 77117 थी जिसके सापेक्ष 75009 छात्रों ने निपुण परीक्षा दी। जिसमें ब्लॉक अरांव में 99.83 प्रतिशत छात्र छात्राओं ने परीक्षा दी। ब्लॉक एका 98.77 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान रहा वहीं ब्लॉक फिरोजाबाद 98.17 प्रतिशत के साथ तीसरे स्थान पर रहा। असेसमेंट टेस्ट को शत प्रतिशत सफल बनाने हेतु बीएसए, खंड शिक्षा अधिकारी, एसआरजी, एआरपी शिक्षक संकुल, प्रधानाध्यापक, शिक्षक, शिक्षामित्र व अनुदेशकों ने सार्थक प्रयास किए। सभी शिक्षकों ने इसकी पहले से ही अभिभावको से सम्पर्क करके सत प्रतिशत परीक्षा कराने की तैयारी कर ली थी। जो बच्चे बाहर थे उनको भी पहले से ही बुला लिया था, जिससे निपुण असेसमेंट टेस्ट शत-शत हो सके। बच्चों मेंय परीक्षा को लेकर उत्साह दिखाई दिया किसी बच्चे को कुछ प्रश्न जटिल लगे तो किसी को सरल। सबसे कम प्रतिशत ब्लॉक नागर क्षेत्र शिकोहाबाद 84.21 प्रतिशत रहा।

खुल गया अवधेश अग्रवाल हत्याकांड, मथुरा के निखिल ने ही सुपारी देकर मरवाया था

सत्ता सुधार संवादाता आगरा

आगरा के मूल निवासी और पटना के बड़े चांदी कारोबारी अवधेश अग्रवाल हत्याकांड में पटना पुलिस ने दूसरे चरण का भी खुलासा कर दिया है। पटना पुलिस ने निष्कर्ष निकाला है कि मथुरा के निखिल अग्रवाल ने अवधेश अग्रवाल को इसलिए मरवाया क्योंकि उसे व्यापार में घाटा हो रहा था। निखिल अग्रवाल वही है जो मथुरा निवासी कारोबारी हरी बाबू अग्रवाल का बेटा है। हरी बाबू अग्रवाल ही वर्तमान में पटना में आगरा की सीबी चेन्स के डीलर हैं ।आगरा निवासी अवधेश अग्रवाल लम्बे समय से पटना में ही कारोबार कर रहे थे। दीपावली से ठीक पहले विगत 27 अक्तूबर को उनकी पटना के बाकरगंज क्षेत्र में स्थित किराए के आवास में ही गोली मार कर हत्या कर दी गई थी।

यह हत्याकांड पटना पुलिस के लिए सिरदर्द बन गया था क्योंकि बिहार के सराफा कारोबारी इस मामले में एकजुट होकर पुलिस पर दबाव बना रहे थे ।कुछ सप्ताह पहले पटना पुलिस ने अवधेश हत्याकांड के पार्ट वन का खुलासा कर मथुरा के जैत निवासी जितेंद्र नामक ड्राइवर को गिरफ्तार किया था। उसी समय पुलिस मथुरा निवासी कारोबारी हरी बाबू अग्रवाल के पुत्र निखिल अग्रवाल को भी जितेंद्र के साथ पटना ले गई थी। जितेंद्र को जेल भेज दिया गया था जबकि निखिल अग्रवाल को

पटना में ही रोक कर पुलिस जांच को आगे बढ़ा रही थी ।अब पटना की एसपी सिटी स्वीटी सहरावत ने हत्याकांड के दूसरे चरण में जो खुलासा किया है, उसके अनुसार अवधेश अग्रवाल को मथुरा के निखिल अग्रवाल ने 20 लाख की सुपारी देकर पेशेवर अपराधियों से मरवाया। ड्राइवर जितेंद्र द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर पुलिस ने बताया था कि मथुरा के शूटर भूषण पंडित और नीरज गौतम ने पटना में अवधेश अग्रवाल की हत्या की थी ।ड्राइवर जितेंद्र ही इन दोनों अपराधियों को एसयूवी से पटना लेकर गया था। जिस एसयूवी का इस्तेमाल हुआ, वह मथुरा निवासी कारोबारी हरी बाबू अग्रवाल की थी। इसी आधार पर पटना पुलिस ड्राइवर जितेंद्र के साथ हरीबाबू अग्रवाल के पुत्र निखिल को भी अपने साथ ले गई थी ।पटना पुलिस ने पहले खुलासे के समय बताया था कि अभी इस केस में हत्या करने वालों की पहचान की गई है। जिन्होंने अवधेश अग्रवाल की हत्या की है, उनमें मथुरा के जितेंद्र के अलावा भूषण पंडित और नीरज गौतम शामिल थे। तब पुलिस ने यह भी कहा था कि हत्या की वजह जानने के लिए अब गहराई से आगे की छानबीन की जा रही है। पटना पुलिस ने दूसरे चरण का खुलासा करते हुए बताया कि निखिल अग्रवाल को कारोबार में घाटा हो रहा था क्योंकि वह भी चांदी के कारोबार में ही था। इसी वजह से निखिल ने बृज गोपाल के साथ मिलकर इस हत्याकांड की साजिश रची। 20 लाख रुपये की सुपारी नीरज गौतम और भूषण पंडित को दी गई।

यमुना और नोएडा एक्सप्रेसवे पर 15 दिसंबर से नई स्पीड लिमिट

नोएडा । उत्तर प्रदेश ट्राफिक पुलिस ने नोएडा और यमुना एक्सप्रेसवे पर स्पीड लिमिट में बदलाव किया है। धुंध के कारण हादसा न हो, इसके लिए यह फैसला लिया गया है। नई स्पीड लिमिट 15 दिसंबर से लागू होकर 15 फरवरी तक प्रभावी रहेगी। उत्तर प्रदेश यातायात पुलिस ने सर्दी के मौसम में छाने वाले घने धुंध को देखते हुए सुरक्षा के लिहाज से यमुना और नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर गति सीमा कम करने का निर्णय लिया है। नई गति सीमा 15 दिसंबर से 15 फरवरी तक प्रभावी रहेगी। ट्रैफिक डीसीपी यमुना प्रसाद ने कहा है कि सर्दियों के दौरान कोहरे के कारण सड़कों पर दृश्यता काफी कम हो जाती है। इस वजह से गाड़ी चलाना मुश्किल हो जाता है। ठंड के कारण सड़कें चिकनी हो जाती हैं, जिससे दुर्घटना का खतरा बढ़ जाता है। हम किसी भी दुर्भाग्यपूर्ण घटना को रोकने के लिए यमुना और नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर गति सीमा कम करने जा रहे हैं। दरअसल, यह फैसला 19 नवंबर को ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर एक टक्कर के बाद लिया गया है। मथुरा की ओर जा रही एक तेज रफ्तार बस एक रुके हुए वाहन से टकरा गई, जिससे 17 लोग घायल हो गए थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, खराब दृश्यता और घने कोहरे के कारण यह हादसा सुबह करीब 4:30 बजे हुआ था। 15 दिसंबर से यमुना एक्सप्रेसवे पर हल्के वाहन की गति सीमा 100 किमी/घंटा से घटाकर 75 किमी/घंटा कर दी गई है। बड़े ट्रकों के लिए गति सीमा 80 किमी/घंटा से घट-ाकर 60 किमी/घंटा कर दी गई है। नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर हल्के वाहन की गति सीमा 100 किमी/घंटा से घटाकर 75 किमी/घंटा कर दी गई है। वहीं, भारी वाहन की गति सीमा 60 किमी/घंटा से घटाकर 50 किमी/घंटा कर दी गई है।

ब्रीफ न्यूज

कूच बेहार अंडर-19 टूर्नामेंट : बिहार के सुमन ने लिए एक पारी में सभी 10 विकेट

मुम्बई। यहां जारी कूच बेहार अंडर-19 टूर्नामेंट में बिहार के एक युवा गेंदबाज सुमन कुमार ने अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। सुमन ने एक पारी में सभी 10 विकेट लिए हैं। सुमन ने राजस्थान के खिलाफ मुकाबले में सभी विकेट लिए। इस दौरान सुमन ने हैट्रिक भी लगायी। उन्होंने 36वें ओवर में मोहित भागतानी, अनस और सचिन शर्मा को लगातार तीन गेंदों पर आउट कर हैट्रिक पूरी की। इसी के साथ ही इस गेंदबाज ने इस सत्र में अपने 22 विकेट पूरे किये हैं। भारत के घरेलू टूर्नामेंट में ये दूसरी बार है जब किसी गेंदबाज ने एक पारी में सभी 10 विकेट लिए हैं। सुमन से पहले हरियाणा के अंशुल कंबोज ने रणजी ट्रॉफी में केरल के खिलाफ ये काम किया था। बिहार ने इस मैच में पहली पारी में 467 रन बनाये। इसमें दिपेश गुप्ता के नाबाद 183, पृथ्वी राज के 128 रनों का अहम योगदान रहा। इसके जबाव में राजस्थान की टीम 182 रनों पर सही सिमट गयी । सुमन ने अकेले ही पूरी राजस्थान टीम को तीसरे दिन आउट कर दिया। । राजस्थान को फॉलोऑन मिला और उसने तीसरे दिन का अंत दो विकेट के नुकसान पर 173 रनों के साथ किया।

डब्लयूटीसी फाइनल की दो सीटों के लिए 4 टीमों में होगा मुकाबला

मुम्बई। आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लयूटीसी) फाइनल की दौड़ में अब केवल चार टीमें ही बची हैं। भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले ही टेस्ट में मिली जीत से जहां उसकी दावेदारी मजबूत हुई है। वहीं इंग्लैंड के खिलाफ पहले ही टेस्ट में हार से न्यूजीलैंड का सफर समाप्त हो गया है। फाइनल की दो सीट के लिए इस वक्त चार टीमों में मुकाबला है। इसमें भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका की टीम शामिल है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की रेस में बने रहने के लिए न्यूजीलैंड की टीम को तीन में तीनों ही मुकाबले में जीत दर्ज करनी थी पर ऐसा हुआ नहीं। भारतीय टीम इस समय विश्व टेस्ट चैंपियनशिप टेबल में शीर्ष पर कायम है। श्रीलंका को हराकर दक्षिण अफ्रीका दूसरे जबकि ऑस्ट्रेलिया की टीम तीसरे स्थान पर खिसक गई है। न्यूजीलैंड की टीम इस वक्त चौथे स्थान पर है हालांकि अब वह रेस से बाहर हो गयी है। श्रीलंका की टीम को अपनी संभावनाएं बनाने बचे हुए तीन मैच जीतने होंगे।

अभी से गंभीर की कोचिंग का आंकलन न करें : अजय जडेजा

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर अजय जडेजा ने कहा है कि गंभीर को कोच बने अभी कुछ ही समय हुआ है। ऐसे में अभी से ही उनकी कोचिंग का आंकलन करना ठीक नहीं होगा। भारतीय टीम की न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मिली 0-3 की हार के बाद से गंभीर आलोचना का सामना कर रहे हैं। जडेजा ने गंभीर का बचाव करते हुए कहा कि इतने कम समय में किसी के प्रदर्शन का आंकलन करना सही नहीं है। गंभीर ने अपने कार्यकाल की शुरुआत श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज में जीत के साथ की थी पर इसके बाद टीम को उस दौरे पर एकदिवसीय सीरीज में हार का सामना करना पड़ा।

ब्यूनस आयर्स में कोपा लिबरटेडोर कप में जीत के बाद बोटाफोगो के खिलाड़ी उत्साहित नजर आये।

ऑस्ट्रेलिया पीएम एकादश पर भारी पड़ी भारतीय टीम

हर्षित की गेंदबाजी के बाद शुभमन गिल का जड़ा अर्धशतक

एजेंसी ■ कैनबेरा

एडिलेड टेस्ट से पहले भारतीय टीम ने प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ अभ्यास मैच खेला। पहले दिन का खेल बारिश से धुलने के कारण यह मुकाबला दूसरे दिन खेला गया। जिसमें टीम इंडिया ने उन्हें छह विकेट से हरा दिया। प्रधानमंत्री एकादश ने 43.2 ओवर में 240 रन बनाए। जवाब में भारत ने 43वें ओवर की पांचवीं गेंद पर 241 रन बनाए और मैच अपने नाम कर लिया। चूंकि यह मुकाबला 46 ओवर तक खेलना था, इसलिए टीम इंडिया ने खेल जारी रखा। इस तरह भारत ने 17 रन की बढ़त बनाई। अभ्यास मैच में शुभमन गिल का बल्ला जमकर गरजा। उन्होंने 62 गेंदों में अर्धशतक जड़ा और रिटायर्ड हर्ट होकर पवेलियन लौटे लेकिन वह नाबाद रहे। बता दें कि, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में गिल अंगूठे की चोट के कारण नहीं खेल पाए थे। हालांकि, अब वह वापसी के लिए तैयार हैं और दूसरे टेस्ट में खेलते दिख सकते हैं।

भारत के लिए हर्षित राणा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए छह ओवर में 44 रन देकर चार विकेट झटके, जबकि आकाश दीप को दो विकेट मिले। मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, वाशिंगटन सुंदर और रवींद्र जडेजा को एक-एक विकेट मिला। तेज गेंदबाजों ने इस मैच में दमदार गेंदबाजी की। हालांकि टीम के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने इस मैच में गेंदबाजी नहीं की।

इस मैच में यशस्वी जायसवाल ने 59 गेंदों में 45 रन बनाए। उन्होंने इस दौरान नौ चौके जड़े। हालांकि, वह अपना अर्धशतक नहीं पूरा कर सके। इसके अलावा केएल राहुल ने 27, रोहित शर्मा ने तीन, नीतीश कुमार रेड्डी ने 42, रवींद्र जडेजा ने 27, सरफराज खान ने एक रन बनाए। वहीं, वाशिंगटन सुंदर 42 और देवदत्त पडिक्कल चार रन बनाकर नाबाद रहे।

भारत ने प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ 46 ओवर में पांच विकेट पर 257 रन बनाए। इससे पहले, भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। सिराज और आकाश दीप ने ऑस्ट्रेलिया प्रधानमंत्री एकादश को दो झटके दिए। हालांकि, बीच में बारिश आ गई और मैच को कुछ देर के लिए रोकना भी पड़ा। बारिश के कारण ओवर में कटौती की गई और मुकाबला 46-46 ओवर कराने का फैसला किया गया। शुरुआती झटकों के बाद कोंसटास और क्लेटॉन ने पारी संभाली और तीसरे विकेट के लिए शतकीय साझेदारी की। इस साझेदारी को हर्षित ने तोड़ा।

सैम कोंसटास ने जड़ा शतक

ऑस्ट्रेलिया प्रधानमंत्री एकादश के लिए सलामी बल्लेबाज सैम कोंसटास ने शानदार बल्लेबाजी की और 97 गेंदों पर 14 चौकों और एक छक्के की मदद से 107 रन बनाए। कोंसटास के अलावा हानो जैकब्स ने 60 गेंदों पर चार चौकों और दो छक्कों की मदद से 61 रन की पारी खेली, वहीं जैक क्लेटॉन ने 40 रन बनाए जिससे टीम भारत के सामने लड़ने लायक स्कोर खड़ा करने में सफल रही।

अपने भविष्य को लेकर अभी कुछ नहीं कह सकता : मेसी

राष्ट्रीय टीम की ओर से खेलने में मिलती है खुशी

एजेंसी ■ ब्यूनस आयर्स

अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने कहा है कि मैंने अभी तक अपने भविष्य और संन्यास को लेकर कुछ तय नहीं किया है, इसलिए इस मामले में कुछ नहीं कह सकता। फीफा विश्व कप 2026 के लिए दक्षिण अमेरिकी क्वालीफायर में बोलिविया के खिलाफ अपनी टीम की 6-0 की जीत में मेसी की अहम भूमिका रही है। मेसी ने इस मैच में अर्जेंटीना की ओर से 10वीं अंतरराष्ट्रीय हैट्रिक लगायी। इस दौरान मेसी ने कहा कि जब भी वह राष्ट्रीय टीम की ओर से खेलते हैं तो उन्हें बेहद खुशी होती है। मेसी ने कहा, यहां आकर हमारे लिए लोगों का समर्थन महसूस करके बहुत अच्छा लग रहा है। जिस तरह से लोग मेरा नाम पुकारते हैं, उससे मैं बहुत खुश हूं। हम सभी लोगों के साथ जुड़ाव का आनंद लेते हैं और हमें अर्जेंटीना में खेलना बहुत पसंद है। हम इस जीत से उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, मैंने अपने भविष्य के लिए कोई तिथि या समय सीमा तय नहीं की है, मैं बस इसका आनंद लेना चाहता हूं। मैं यहां आकर और लोगों का प्यार महसूस करके पहले से कहीं अधिक उत्साहित हूं, क्योंकि मुझे पता है कि ये मेरे आखिरी खेल हो सकते हैं। मुझे उम्मीद है कि मैं क्लब में साल का अंत अच्छे से करने के अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लूंगा और फिर हर दिन का आनंद ले पाऊंगा।

मेसी अपने देश की ओर से शीर्ष स्कोरर भी बन गए हैं, जिन्होंने 189 मैचों में 112 गोल किए हैं। सीनियर टीम की ओर से उन्होंने पहला गोल 1 मार्च, 2006 को बेसल में क्रोएशिया के खिलाफ एक फ्रेंडली मैच में किया था। अर्जेंटीना फुटबॉल वेबसाइट के अनुसार, नेशनल टीम के लिए उनके आधे से अधिक गोल आधिकारिक थे। विश्व कप क्वालीफिकेशन में 34, कोपा अमेरिका में 17 और विश्व कप में 13 और अर्जेंटीना वह देश था जहां उन्होंने सबसे अधिक गोल 34 किए।

फिलीपींस में महिलाओं के वॉलीबाल विश्व बीच प्रो टूर में भाग लेती हुई मेडिसन शील्ड।

एडिलेड टेस्ट में बेहतर प्रदर्शन का प्रयास करुंगा : बोलैंड

कैनबरा। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज स्कॉट बोलैंड ने कहा है कि वह 6 दिसंबर से एडिलेड में खेले जाने वाले बॉर्डर-गावस्कर सीरीज के दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में खेलने के लिए तैयार हैं। बोलैंड को तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड के चोटिल होने के कारण दूसरे टेस्ट से बाहर होने के बाद शामिल किया गया है। बोलैंड का मानना है कि वह लय में हैं और अब भारत के खिलाफ एडिलेड में होने वाले दूसरे टेस्ट मैच में बेहतर प्रदर्शन का प्रयास करेंगे। बोलैंड ने कहा, मैंने इस सीजन की शुरुआत में बहुत ज्यादा क्रिकेट नहीं खेला है पर मुझे लगता है कि मैंने इतना क्रिकेट खेल लिया है कि मैं वाकई अच्छी स्थिति में हूं। मेरा शरीर अब बहुत अच्छा महसूस कर रहा है। मुझे कुछ छोटी-मोटी चोटें लगी थीं, लेकिन अब मैं फिट हूं। एडिलेड में गुलाई गेंद से खेला जाने वाला मैच ऑस्ट्रेलिया के लिए पांच मैचों की सीरीज बराबर करने का अच्छा अवसर है।

शमी की फिटनेस और प्रदर्शन की समीक्षा कर रहा बीसीसीआई

एजेंसी ■ मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी अभी बंगाल की ओर से सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेल रहे हैं। शमी को राष्ट्रीय टीम में जगह देने से पहले भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) उनकी फिटनेस को लेकर आश्वस्त होना चाहता है। चोट के बाद वापसी कर रहे शमी की फिटनेस और प्रदर्शन की समीक्षा सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में पदर्शन के आधार पर होगी। राष्ट्रीय चयनकर्ता और बीसीसीआई की स्पोर्ट्स साइंस टीम उनकी फिटनेस का गहरानी से निरीक्षण कर रही है।

स्पोर्ट्स साइंस विभाग के प्रमुख नितिन पटेल और चयनकर्ता एसएस दास राजकोट में शमी के प्रदर्शन पर नजर रख रहे हैं। शमी को टीम में शामिल करने से पहले

बीसीसीआई पक्का करना चाहता है कि वह टेस्ट क्रिकेट की मांगों को पूरा करने के लिए पूरी तरह तैयार हों। इस दौरान शमी के दैनिक वर्कलोड, प्री-मैच और पोस्ट-मैच स्थिति पर नजर रखी जा रही है। शमी ने अब तक चार मैच खेले हैं, जिनमें उनका प्रदर्शन मिला-जुला रहा है। उन्होंने पंजाब के खिलाफ 1/46, हैदराबाद के खिलाफ 3/21, मिजोरम के खिलाफ 0/46 और मध्य प्रदेश के खिलाफ 0/38 का प्रदर्शन किया। फिटनेस के लिहाज से वह इन मुकाबलों में बेहतर नजर आए हैं। इससे पहले उन्होंने रणजी ट्रॉफी में मध्य प्रदेश के खिलाफ खेलते हुए 7 विकेट हासिल किए थे।

बीसीसीआई और टीम प्रबंधन शमी की प्रगति पर नियमित अपडेट ले रहा है। चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर और उप-कप्तान जसप्रीत बुमराह ने शमी को टीम का अहम हिस्सा बताया है। बुमराह ने कहा, शमी हमारी टीम के महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं। प्रबंधन उनकी स्थिति पर करीब से नजर रख रहा है, और उम्मीद है कि वह जल्द टीम के साथ जुड़ सकते हैं। शमी के आगे के प्रदर्शन को देखते हुए बीसीसीआई उनका आंकलन करेगा।

सहायता भारत के सहायक कोच अभिषेक नायर ने की सीनियर-जूनियर की तुलना

जडेजा-अश्विन युवा खिलाड़ियों की करते हैं मदद

एजेंसी ■ कैनबेरा

भारत के सहायक कोच अभिषेक नायर ने कहा कि विश्व में ऐसी कई टीमें हैं जिसमें सीनियर खिलाड़ी जूनियर्स को प्लेइंग 11 में खेलता देख सहन नहीं कर पाते हैं, लेकिन टीम इंडिया में ऐसा नहीं है क्योंकि हमारे पास रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा जैसे वरिष्ठ खिलाड़ी हैं। जडेजा और अश्विन के नाम 855 टेस्ट विकेट हैं। दोनों को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में पहले टेस्ट मैच की अंतिम एकादश से बाहर कर दिया गया था। उनकी जगह वाशिंगटन सुंदर को मौका दिया गया था।

नायर ने प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ भारत के दो दिवसीय अभ्यास मैच से पहले कहा कि यह तब मुश्किल होता है जब आपके पास ऐसे सीनियर खिलाड़ी हों जो यह बात नहीं

समझते, लेकिन जब आपके पास जडेजा और अश्विन जैसे खिलाड़ी हों जो समझते हैं कि टीम क्या करने की कोशिश कर रही है तो यह बहुत आसान हो जाता है क्योंकि टीम की प्रथम नीति पर रोहित और गंभीर पर विश्वास करते हैं। नायर का मानना है कि पूरी टीम रोहित और गंभीर की रणनीति के अनुसार चलती है जिसमें ये दो महान स्पिन खिलाड़ी भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि वे सभी इसे अपना चुके हैं। इसलिए मुझे बहुत खुशी हुई कि जडेजा और अश्विन युवा खिलाड़ियों की मदद करने जा रहे हैं ताकि वे यहां अच्छा प्रदर्शन कर सकें। उन्हें समझाना बहुत मुश्किल नहीं था और हर कोई चाहता है कि टीम इंडिया जीते। स्पिनरों को लेकर उन्होंने कहा कि मुझे हमेशा लगता है कि क्रिकेट के खेल में किसी की भी भूमिका कम नहीं होती, फिर चाहे आप स्पिनर हों या तेज गेंदबाज, आपके पास हमेशा मौका होता है। उन्होंने कहा कि योजनाएं कई बार बदल सकती हैं। आप गेंद कैसे छोड़ते हैं और किस गति से करते हैं, इसमें बदलाव हो सकता है। यही वजह है कि आप गुलाबी गेंद के साथ तैयारी करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हो सकता है कि लाल गेंद की तुलना में यह थोड़ी ज्यादा चुनौतीपूर्ण हो और मुख्य रूप से इसलिए क्योंकि आपने गुलाबी गेंद से उतनी गेंदबाजी नहीं की, लेकिन मेरा मानना है कि किसी भी शीर्ष स्तर के स्पिनर के पास मौका होगा।

रूट ने तेंदुलकर का एक रिकार्ड तोड़ा

क्राइस्टचर्च। इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट की चौथी पारी में 22 रन बनाने के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर ली है। अब रुट चौथी पारी में ज्यादा रन बनाने के मामले में भारतीय टीम के महान बल्लेबाज तेंदुलकर से भी आगे निकल गये हैं। रूट के अब चौथी पारी में 1630 रन हो गये हैं तेंदुलकर के नाम 1625 रन ही हैं। इससे इंग्लैंड ने सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। पिछले महीने रूट ने पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान इंग्लैंड की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में एलिस्टर कुक को पीछे छोड़ा था। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने यह उपलब्धि केवल 147 टेस्ट और 268 पारियों में हासिल की,कुक ने 161 टेस्ट और 291 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी।

प्रयागराज। महाकुंभ से पहले हनुमान मंदिर कॉरिडोर का निर्माण पूरा नहीं हो सकेगा। इसके लिए श्रद्धालुओं को अभी लंबा इंतजार करना पड़ सकता है। कार्यों में लेटलतीफी के बाद इसे दो फेस में तैयार करने का निर्णय लिया गया है। पहले चरण में कॉरिडोर की चहारदीवारी, रैंप, गेट और पुजारी ब्लॉक का कार्य किया जाना है।

1209 जोड़े बंधे विवाह के बंधन में, मुख्यमंत्री योगी ने कहा

दहेज प्रथा पर कुठाराघात सामूहिक विवाह योजना

उपहार देने के दौरान सीएम ने जोड़ों से आत्मीय संवाद किया

सत्ता सुधार ■ गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश सरकार के समाज कल्याण विभाग की तरफ से होने वाला मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम एक तरफ सामाजिक समता का प्रतीक है तो वहीं दूसरी तरफ यह समाज की बड़ी विकृति दहेज प्रथा पर प्रहार भी है। सामूहिक विवाह में जाति, मत, मजहब, क्षेत्र, भाषा का कोई बंधन नहीं है। हिंदू, मुस्लिम या अन्य मतावलंबी, सभी अपनी-अपनी परंपरा के अनुरूप विवाह के पवित्र बंधन में जुड़ रहे हैं। साथ ही यह कार्यक्रम दहेज, बाल विवाह और अश्पृश्यता के खिलाफ सरकार द्वारा शुरू की गई एक लड़ाई और अभियान भी है।

सीएम योगी रविवार को हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड (खाद कारखाना) के परिसर में 1200 जोड़ों के मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह को संबोधित कर रहे थे। योगी ने कहा कि कई बार दहेज के कारण योग्य कन्याएं विवाह बंधन से नहीं जुड़ पाती थीं, ऐसे में सामूहिक विवाह कार्यक्रम से जुड़ने वाले सभी युवक-युवतियों ने दहेज न ले-दे कर समाज में आदर्श प्रस्तुत किया है।

सामूहिक विवाह बना अभियान

प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत वर्ष 2017 से अब तक सात साल में 3 लाख 84 हजार शादियां करा

चुकी हैं। यह सत्र संपन्न होने पर यह संख्या 4 लाख से अधिक हो चुकी होगी। गरीब बेटियों को दहेज के भेड़ियों से बचाने के लिए मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह के कार्यक्रम हर जिले में हो रहे हैं। सरकार की मंशा है कि कोई बेटी दहेज के कारण अनव्याही न रहे। इसके लिए ही सामूहिक विवाह को अभियान रूप में चलाया जा रहा है।

अच्छी सरकार में अच्छे कार्य

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जब अच्छी सरकार होती है तो अच्छे कार्य होते हैं। 2014 में जब नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने अच्छे कार्यों की श्रृंखला खड़ी कर दी। महिलाओं के लिए बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसी योजना चलाई, नारी गरिमा की रक्षा के लिए गांव-गांव, घर-घर व्यक्तिगत शौचालय बनवाए। मुफ्त रसोई गैस कनेक्शन दिए, मुफ्त राशन और जिनके पास आवास नहीं तेज़ उन्हें आवास दिए। बीमारी के उपचार के लिए पांच लाख रुपये तक के इलाज लिए आयुष्मान कार्ड दिए।

कई जनप्रतिनिधियों संग आए

सीएम योगी ने सामूहिक विवाह के कार्यक्रम को एक ऐसा उत्सव बताया जिसमें मुख्यमंत्री खुद आए और साथ में कई जनप्रतिनिधि भी। उन्होंने कहा कि किसी एक शादी में उनके लिए समय निकाल पाना मुश्किल होता है लेकिन आज का यह आयोजन ऐसा शुभ व उत्सवी है जहां मुख्यमंत्री और कई जनप्रतिनिधि आए हैं। आज विवाह बंधन में जुड़ने वाले युवा और उनके अभिभावक इसलिए भी भाग्यशाली हैं कि उनके विवाह का निमंत्रण स्वयं प्रशासन दे रहा है।

भेंट किया उपहार-शगुन किट

समाज कल्याण विभाग की तरफ से आयोजित इस समारोह में 1200 जोड़े विवाह के पावन बंधन में बंधे। नवयुगलों में हिंदू, मुस्लिम दोनों शामिल रहे। सभी नव दम्पतियों को आशीर्वाद देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनके सुखमय और मंगलमय जीवन की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने मंच से दस नवयुगलों को उपहार-शगुन किट भेंट किया।

ब्रीफ न्यूज

बांग्लादेश में अत्याचार पर केंद्र सरकार करे हस्तक्षेप

अयोध्या। बांग्लादेश में इस्कॉन मंदिर के पुजारी को गिरफ्तार किया गया है। इस पर यूपी के अयोध्या स्थित श्री राम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने बयान दिया है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार हो रहा है। उन पर कई तरह के आरोप लगाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में जो कुछ भी हो रहा है, वह गलत है। भारत सरकार को इस पर कुछ करना चाहिए। जब तक सरकार कुछ नहीं कहती या करती है, तब तक बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ अन्याय होता रहेगा। जो लोग बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार कर रहे हैं, सरकार और पुलिस उनका समर्थन कर रही है। वहीं हिंदुओं को पताड़ना का सामना करना पड़ रहा है।

मुरादाबाद-गाजियाबाद के बीच चलने वाली दो ट्रेन रहेंगी रद्द

गाजियाबाद। मुरादाबाद से गाजियाबाद के लिए चलने वाली ट्रेन नंबर 04336 सोमवार से 28 फरवरी तक व ट्रेन नंबर 04335 चार दिसंबर से तीन मार्च तक कोहरे की वजह से रद्द करने का निर्णय लिया गया है। मुरादाबाद से गाजियाबाद के बीच चलने वाली इन ट्रेनों में अधिकांश लोकल यात्री सफर करते हैं। हालांकि, लोकल यात्रियों का कहना है कि अभी कोहरे की अधिकता नहीं है। यात्रियों की समस्या को देखते हुए इन ट्रेनों का संचालन अभी होना चाहिए। यात्री दीपक शर्मा ने बताया कि पहले ही रेलवे ने 16 ट्रेनों को रद्द करने का निर्णय लिया है। ऐसे में रद्द रहने वाली लोकल ट्रेनों की संख्या बढ़कर 18 हो गई है। गाजियाबाद से हापुड़ और अमरोहा और मुरादाबाद का सफर करना ज्यादा मुश्किल लेकर आएगा।

बाल यीशु के वार्षिक आयोजन में जुटा मसीही समाज

चंदौली। नगर के यूरोपियन कॉलोनी स्थित कैथोलिक चर्च परिसर से रविवार को वार्षिक शांति जुलूस निकाला गया। जुलूस में देश के कोने-कोने से मसीही समाज के लोग शामिल हुए। हालांकि, शांति जुलूस सड़क पर नहीं निकला। जुलूस निकालकर चर्च परिसर में भ्रमण करते हुए यही समाप्त हो गया। यूरोपियन कॉलोनी स्थित बाल यीशु तीर्थ पूरे देश के तीन तीर्थों में एक है। वर्ष 1835 में बना कैथोलिक चर्च की तर्ज पर नासिक और बंगलुरू में ही बाल यीशु चर्च है। यही कारण है कि इस चर्च का महत्व पूरे देश में है। यहां से शोभायात्रा निकलने की कहानी भी दिलचस्प है। मसीही समुदाय के लिए दिसंबर माह महत्वपूर्ण होता है।

हिंसाग्रस्त इलाके में पहुंचा न्यायिक आयोग, कहा

संभल हिंसा की दो माह चलेगी जांच...हम तह तक पहुचेंगे

टीम ने मस्जिद के बाहर और अंदर तीन मिनट तक लिया जायजा

- शहर को हिंसा से सुलगाने वाले 50 और उपद्रवियों की पहचान
- चौराहों और तिराहों पर जल्द ही जारी पोस्टर चस्पा किए जाएंगे

सत्ता सुधार ■ संभल

संभल जिले में जामा मस्जिद के सर्वे को लेकर हुई हिंसा की जांच के लिए गठित तीन सदस्यीय न्यायिक आयोग की टीम ने रविवार को हिंसा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। टीम ने जिलाधिकारी, एसपी और अन्य अधिकारियों के साथ जामा मस्जिद सहित उन सभी स्थानों का गहन निरीक्षण किया, जहां हिंसा और पथराव हुआ था। इस घटना में पांच लोगों की मौत हो गई थी और 19 पुलिसकर्मी घायल हुए थे। उधर, पूर्व डीजीपी और तीन सदस्यीय न्यायिक जांच आयोग के सदस्य एके जैन ने रविवार को पुष्टि की कि 24 नवंबर को शाही जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा की जांच अगले दो महीने तक जारी रहेगी। आयोग के सदस्य जैन ने कहा कि यह जांच पूरी तरह से घटनाओं की तह तक पहुंचेगी।

जिन घरों से पथराव हुआ, वहां भी पहुंची आयोग की टीम

टीम ने वहां की स्थिति का भी बारीकी से अध्ययन किया और अधिकारियों से बातचीत की। आयोग की टीम ने डीएम, एसपी और अन्य अधिकारियों से पूरी घटना की विस्तृत जानकारी ली। एसपी ने आयोग को बताया कि हिंसा वाले दिन किन घरों से पथराव हुआ और कैसे प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। न्यायिक आयोग को दो महीने के भीतर अपनी जांच रिपोर्ट सौंपनी है।

आयोग की टीम सबसे पहले जामा मस्जिद इलाके में पहुंची। टीम ने मस्जिद के बाहर और अंदर की स्थिति का लगभग तीन मिनट तक जायजा लिया। एसपी कृष्ण विश्नोई ने टीम को बताया कि कोर्टगर्वी से शुरू हुआ विवाद धीरे-धीरे बवाल में बदल गया। मस्जिद के पास मौजूद भीड़ ने पथराव शुरू कर दिया, जिससे हालात बेकाबू हो गए। एसपी ने बताया कि हिंसा के दौरान वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया और पुलिस टीम पर हमला किया गया। टीम ने मस्जिद के अंदर जाकर स्थिति को बारीकी से देखा। निरीक्षण के दौरान टीम ने हिंसा के मुख्य स्थानों की पहचान की और अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में आयोग ने स्थानीय दुकानदारों और निवासियों से बातचीत की। दुकानदारों ने बताया कि पथराव के दौरान उन्होंने अपनी दुकानें बंद कर दी थीं और वहां से चले गए थे। टीम ने हिंसा के दिन की घटनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी ली। जामा मस्जिद के निरीक्षण के बाद आयोग की टीम नखासा चौराहा पहुंची।

उकसाने वाला वीडियो भी मिला

शहर को हिंसा से सुलगाने वाले 50 और उपद्रवियों को पुलिस ने चिह्नित किया है। अब 300 उपद्रवियों की पहचान हो चुकी है। पुलिस 250 उपद्रवियों के पोस्टर पहले ही जारी कर चुकी है। चौराहों और तिराहों पर जल्द ही जारी पोस्टर चस्पा किए जाएंगे। एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि वीडियो और फोटो के माध्यम से लगातार उपद्रवियों की पहचान की जा रही है। चिह्नित किए गए सभी उपद्रवियों को गिरफ्तार किया जाएगा। वहीं, जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान 24 नवंबर को हुए बवाल का सुबह 8:55 बजे का एक और वीडियो सामने आया है। इसमें कुछ लोग पुलिस को ललकारने के साथ ही भीड़ को उकसा रहे हैं।

सप्ताहभर बाद खुला बाजार

बवाल के सप्ताहभर बाद शहर का बाजार खुला तो खरीदारी करने के लिए भीड़ उमड़ पड़ी। इससे बाजार में फिर से रौनक लौट आई है। भीड़ देख कारोबारियों के चेहरों पर खुशी नजर आई। कारोबारियों ने कहा कि पुलिस प्रशासन के प्रयास से बाजार खुल गया है। जल्द ही कारोबार पटरी पर लौट आएगा। लोग खरीदारी के लिए भी पहुंचे।

असफलता से सीख लेंगे तो जरूर होंगे कामयाब

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ बोले-

सत्ता सुधार ■ कानपुर

आप बच्चों को संकल्प लेना होगा। उनमें ज्ञान की जिज्ञासा, माता पिता के प्रति सम्मान, शिक्षकों के प्रति आदर होना चाहिए। यह छात्र जीवन कभी वापस नहीं आएगा। आप लोग जिज्ञासा रखें। आपके मन में करियर के लिए जो भी हो उस ओर कार्य करें। अगर आप खेल में जाना चाहते हैं तो जाएं। आपका मन जिस ओर है उस तरफ कार्य करें। समाज में जो विकार हैं उसको हटाने का एकमात्र साधन शिक्षा है। यह बातें उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कही। वह रविवार को सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल के स्वर्ण जयंती संस्थापक दिवस समारोह में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को इसलिए शिक्षा का अधिकार दिया गया है। कभी तनाव न लें, गलतियां सभी से होती हैं। असफलता से न घबराएं। अगर आपने असफलता से सीख ले ली है तो आप जरूर कामयाब होंगे। मैं उद्यमियों से अपील करता हूं कि आप रिसर्च एंड डेवलेपमेंट पर खर्चा करें। हमारे मन में सदा रहना चाहिए कि भारत जैसा कोई दूसरा देश नहीं है। आप बहुत ही भाग्यशाली हैं। भारत किसी का मोहताज नहीं है। आज देश की जीडीपी ग्रोथ आठ प्रतिशत हो गई है। मुझे बढ़ा अच्छा लग रहा है कि आज जयपुरिया परिवार के सभी लोग उपस्थित हैं। वहीं उपराष्ट्रपति ने स्कूल के तीन उत्कृष्ट विद्यार्थियों को सम्मानित किया, जिसमें ईशा अग्रवाल, मास्टर आकर्ष उमर और वेदिका गुप्ता शामिल हैं।

सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता: राज्यपाल

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल के स्वर्ण जयंती स्थापना दिवस पर सभी का स्वागत है। मुझे यहां आकर आपार हर्ष हो रहा है। शिक्षा न सिर्फ मनुष्य का अधिकार है, बल्कि मैं एक शिक्षिका रही हूं जब भी मौका मिलता है मैं छात्रों से मिलती हूं। छात्र जीवन में लक्ष्य का महत्व है। इसका कोई शॉर्टकट नहीं होता। अगर आप बार-बार गिरते हैं तो डरना नहीं चाहिए। यह आपको मजबूत बनाते हैं और आप सफल होते हैं। आप मेहनत को जारी रखें। लक्ष्य के मुताबिक अपनी जीवनचर्या बनाएं। आज स्कूल के 50 वर्ष हो चुके हैं। यह स्वर्णिम अवसर है। छात्रों के साथ ही शिक्षक भी बधाई के पात्र हैं।

दिव्य आशीष योग संस्थान और सॉरी क्लासेज ने किया निःशुल्क कक्षाओं का शुभारंभ

सत्ता सुधार ■ लखनऊ

दिव्य आशीष योग संस्थान और सॉरी क्लासेज के संयुक्त तत्वाधान में 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा 2025 की तैयारी के लिए फिजिक्स, केमेस्ट्री, मैथमेटिक्स एवं बायोलॉज की निःशुल्क कक्षाओं का शुभारंभ किया गया। यह कक्षाएं प्रत्येक रविवार को आयोजित की जाएंगी। रविवार से शुरू हुई इन कक्षाओं में शहर के कई छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और महत्वपूर्ण प्रश्नों एवं विषयों की गहराई से जानकारी प्राप्त की। इस पहल का उद्देश्य बोर्ड परीक्षाओं में छात्रों की सफलता सुनिश्चित करना है। संस्थान के अध्यक्ष आशीष ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य शैक्षणिक मार्गदर्शन के साथ-साथ छात्रों के आत्मविश्वास को बढ़ाना है। निःशुल्क कक्षाओं में अनुभवी शिक्षकों द्वारा पढ़ाया जा रहा है, जिससे विद्यार्थियों को लाभ मिल रहा है। संस्थान सिर्फ शहर ही नहीं, बल्कि पूरे भारतवर्ष के छात्र-छात्राओं के उनके स्वस्थ शरीर और मन को योग के माध्यम से एवं अनुभवी अध्यापकों द्वारा फिजिक्स केमेस्ट्री मैथमेटिक्स और बायोलॉजी की शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ उज्जवल भविष्य की कामनाएं करता है। छात्रों और अभिभावकों ने इस प्रयास की सराहना की और संस्थान की इस पहल को समाज के लिए प्रेरणादायक बताया।

120 लोगों की उम्र 40 से कम, टैटू बनवाते समय बरतें सावधानी

सत्ता सुधार ■ वाराणसी

एचआईवी यानी हयूमन इम्यूनोडिफिशिएंसी वायरस एक गंभीर संक्रामक बीमारी है। एडस होने का सबसे प्रमुख कारण भी यही है। जिले में पिछले आठ माह (अप्रैल से नवंबर) में 196 लोग एचआईवी पॉजिटिव हो गए हैं। इसमें करीब 120 लोगों की उम्र 20 से 40 साल है। विभाग की ओर से करवाई गई जांच में संक्रमण की पुष्टि के बाद इनका निशुल्क उपचार किया जा रहा है। एड्स के प्रति जागरूकता के लिए हर साल एक दिसंबर को विश्व एड्स दिवस मनाया जाता है। एचआईवी संक्रमण से बचाव को लेकर

वाराणसी में आठ महीने में मिले 196 एचआईवी पॉजिटिव

स्वास्थ्य विभाग की ओर से लोगों को जागरूक किया जाता है। अस्पतालों में सर्जरी से पहले भी एचआईवी जांच अनिवार्य रूप से करवाई जाती हैं। इसके बाद भी लोग संजीदा नहीं हो रहे हैं। चिंता की बात यह है कि संक्रमित होने वालों की संख्या बढ़ती जा रही हैं। चार साल में 954 लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। उधर बीएचयू परिसर स्थित एआरटी सेंटर में 5100 लोगों का निःशुल्क उपचार चल रहा है। वित्तीय वर्ष 2022 में 667 पॉजिटिव, 2023 में 595 और इस साल अप्रैल से नवंबर तक 435 लोग दवा लेने आ रहे हैं। समय-समय पर काउंसिलिंग के साथ ही दवाइयां भी दी जा रही है।

टैटू बनवाते समय सावधानी – जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. पीयूष राय का कहना है कि एचआईवी से बचाव का जागरूकता ही सबसे बड़ा उपाय है। वैसे तो इसके संक्रमण के कई कारण है लेकिन टैटू बनवाते समय सावधानी बरतनी चाहिए। ज्यादातर एक ही सूई का इस्तेमाल कई लोगों के टैटू बनवाने में किया जाता है। इससे एचआईवी का खतरा बढ़ जाता है।

उपलब्धि वैज्ञानिक अनुसंधान प्रयोगों के संचालन के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा, जल्द भरेंगे उड़ान

मिशन गगनयान! अंतरिक्ष भेदने को तैयार यूपी का लाल

सत्ता सुधार ■ लखनऊ

अंतरिक्ष में जाने के लिए दो भारतीय गगनयात्रियों ने अमेरिका में प्रशिक्षण का आरंभिक चरण पूरा कर लिया है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के एक्सिओम-4 मिशन के लिए चुने गए दो भारतीय गगनयात्रियों लखनऊ के प्राइम-ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला और बैकअप-ग्रुप कैप्टन प्रशांत बालकृष्णन नायर का प्रशिक्षण पूरी तरह सफल रहा। इनमें लखनऊ के लाल शुभांशु शुक्ला भी शामिल हैं। शुभांशु प्राइम ग्रुप कैप्टन हैं। इनके साथी प्रशांत बालकृष्णन बैकअप ग्रुप कैप्टन हैं। इसरो ने बताया, अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर इसरो और अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के संयुक्त लक्ष्य वाले मिशन के लिए चयनित इन गगनयात्रियों ने अगस्त, 2024 के पहले हफ्ते से अमेरिका में प्रशिक्षण शुरू किया था। गगनयात्रियों ने मिशन से संबंधित जमीन पर मौजूद सुविधा केंद्रों का भ्रमण, प्रक्षेपण चरणों का प्रारंभिक अवलोकन, स्पेसएक्स सूट की फिटिंग जांच और अंतरिक्ष भोजन विकल्पों का चयन जैसी गतिविधियों में हिस्सा लिया। स्पेसएक्स ड्रैगन अंतरिक्ष यान व अंतरिक्ष स्टेशन की प्रणालियों से अवगत कराया गया। दोनों यात्रियों के प्रशिक्षण का अधिकांश हिस्सा पूर्ण रूप से भारत के महत्वाकांक्षी मिशन गगनयान मॉड्यूल पर केंद्रित है।

आपात हालात से निपटने में सक्षम

इसरो ने बताया, अंतरिक्ष में चिकित्सकीय आपात स्थितियों समेत विभिन्न प्रकार की आपात स्थितियों से निपटने का प्रशिक्षण दिया गया। अंतरिक्ष में स्वास्थ्य के साथ अन्य आपात स्थिति से निपटने की ट्रेनिंग भी दी गई।

अप्रैल 2025 में रवाना होने की संभावना

दोनों गगनयात्री अब उन्नत प्रशिक्षण लेंगे, जो अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के अमेरिकी कक्षीय खंड के शेष मॉड्यूल पर केंद्रित होगा। मिशन के दौरान सूक्ष्मगुरुत्व वातावरण में वैज्ञानिक अनुसंधान प्रयोगों के संचालन के लिए प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। इनके अप्रैल, 2025 में अंतरिक्ष में रवाना होने की संभावना है।

दो भारतीय गगनयात्री

प्रशांत बालकृष्णन केरल के हैं। प्राइम का मतलब है कि शुभांशु अंतरिक्ष स्टेशन जाएंगे, पर किसी वजह से न जा सके तो नायर जाएंगे। प्राइम ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला मूल रूप से लखनऊ के हैं।

कृषि मंत्री बोले-मिल्कीपुर की जनता खिलाएगी कमल

समाजवादी पार्टी के धरने को कोई नोटिस नहीं लेता

सत्ता सुधार ■ अयोध्या

यूपी के अयोध्या कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही पहुंचे। उन्होंने संभल जाने से रोकने पर नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय द्वारा प्रदर्शन पर कहा कि सपा वाले हमेशा धरने पर बैठते रहते हैं। उनके धरने को कोई नोटिस में नहीं लेता है। जहां उनकी इच्छा होती है, वहीं धरने पर बैठ जाते हैं। उनका आईना ही दूसरा है। सुप्रीम कोर्ट ने सर्वे पर रोक नहीं लगाई है, निचली अदालत की कार्रवाई को रोका है, सर्वे रिपोर्ट को बंद लिफाफे में सुप्रीम कोर्ट ने मांगा है, अदालत उसके बारे में फैसला करेगी, सपा को ना तो न्यायपालिका पर भरोसा है ना तो भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर भरोसा है ना चुनाव आयोग पर भरोसा है, ना ही उन्हें राज्य सरकार और केंद्र सरकार पर भरोसा है। वह जो कुछ कहे वह सब कुछ सही है, पहले कांग्रेस में चलता था खाता ना बही सीताराम केसरी जो कहें वही सही, यही हाल समाजवादी पार्टी का भी है। मिल्कीपुर उपचुनाव को लेकर सूर्य प्रताप शाही ने कहा मिल्कीपुर की जनता लोकसभा चुनाव के परिणाम को लेकर पश्चाताप कर रही है। जब उसे अवसर मिलेगा वह भाजपा के कमल के फूल को खिलाएगी।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक गोपाल श्रीवास्तव द्वारा करुणा प्रिन्टर्स महाडिक साहब के बाड़े के पास, निम्बालकर की गोठ नं. 2 कम्पू लश्कर, ग्वालियर से मुद्रित एवं 62 छत्रसालपुरा, ललितपुर से प्रकाशित। संपादक - गोपाल श्रीवास्तव। मोबाईल न. 9893126900, 7869966100।
भोपाल ऑफिस-0755-4002626, 4939910, आर.एन.आई. नं. यूपीएचआईएन/2006/18447 विधिक सलाहकार श्री राजेंद्र जैन, एडवोकेट, शिकायत एवं सुझाव हेतु संपर्क करें-6261052058, ई मेल- sattasudhar@gmail.com* समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार।